# आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, बुधवार
18 जून 2025
वर्ष: 38, अंक: 191
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

फीचर

जुदा हुए कुशाल टंडन और शिवांगी जोशी, एक्टर ने दी ब्रेकअप की जानकारी, बोले- कोई पछतावा नहीं

झारखंड

रांची में चतरा सांसद की सड़क को लेकर बड़ी पहल, पांच जरूरी सड़कों के निर्माण की माँग

हज़ारीबाग

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने डीवीसी को दिया अल्टीमेटम, कहा अगर उजाला नहीं मिलेगा तो कोयला भी नहीं जाएगा


# शहीद जवान सुनील धान के आश्रितों को 2.66 करोड़ की वित्तीय मदद

**बिशेष प्रतिनिधि द्वारा**

**रांची:** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को कांके रोड स्थित आवासीय कार्यालय में झारखंड जगुआर (एसटीएफ) के शहीद आरक्षी सुनील धान के परिजनों ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने परिजनों को कुल 2 करोड़ 66 लाख 26 हजार 972 रुपये की सहायता राशि प्रदान की। इसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पुलिस सैलरी पैकेज के तहत 1.20 करोड़ का चेक सौंपा गया, जबकि गृह विभाग द्वारा 1.46 करोड़ रुपये की राशि सीधे बैंक खाते में क्रेडिट की गई है।

**मुख्यमंत्री ने दी शहादत को श्रद्धांजलि, परिजनों से जताई सहानुभूति:** मुख्यमंत्री ने शहीद की मां मती फगनी उराइन, पत्नी मती गंदरी धान और बच्चों से सहानुभूतिपूर्वक बातचीत की और उनके पारिवारिक हालात की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा किआरक्षी सुनील धान ने राज्य के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। राज्य सरकार उनके परिवार के साथ खड़ी है। उनकी शहादत को झारखंड कभी नहीं भूलेगा।

**नौकरी का प्रस्ताव, शिक्षा पर जोर:** मुख्यमंत्री ने शहीद की पत्नी को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी का प्रस्ताव दिया। इस पर पत्नी ने कहा कि उनके बच्चे अभी छोटे हैं, इसलिए भविष्य में इस पर विचार करेंगी। मुख्यमंत्री ने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी और कहा कि राज्य सरकार हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

**शहीद परिवार को मिलेगा हर लाभ, पेंशन प्रक्रिया पूरी :** मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शहीद परिवार को मिलने वाले सभी लाभ शीघ्र उपलब्ध कराए जाएं। अधिकारियों ने बताया कि पेंशन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और अगले महीने से राशि मिलनी शुरू हो जाएगी। साथ ही अन्य लाभों की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है।

ज्ञात हो कि 12 अप्रैल 2025 को चाईबासा जिले के रातामाटी गांव में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में आरक्षी सुनील धान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें रांची एयरलिफ्ट कर लाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने वीरगति प्राप्त की।

इस अवसर पर गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, डीआईजी झारखंड जगुआर इंद्रजीत महथा, सीनियर डीएसपी सुनील कुमार रजवार, एसबीआई के उप महाप्रबंधक मनोज कुमार, मुख्य प्रबंधक विकास कुमार पांडे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर के नामकरण पर छिड़ा सियासी संग्राम

**संवाददाता द्वारा**

**रांची।** रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. इसका उद्घाटन पहले 19 जून को प्रस्तावित था, लेकिन केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की व्यस्तता के कारण अब यह कार्यक्रम 3 जुलाई को आयोजित किया जाएगा.

हालांकि यह फ्लाईओवर अब केवल एक आधारभूत संरचना नहीं रह गया है, बल्कि इसका नामकरण सामाजिक, जातीय और राजनीतिक दावेदारी का अखाड़ा बन गया है. विभिन्न वर्ग और समुदाय चाहते हैं कि इस महत्वपूर्ण परियोजना का नाम उनके नायक के नाम पर रखा जाए.

**शहीद अभिषेक कुमार साहू के नाम पर नामकरण की मांग :** राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव ने मंगलवार को रातू रोड स्थित कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में एलान किया कि 28 अक्टूबर 2020 को लद्दाख में शहीद हुए अभिषेक कुमार साहू के नाम पर इस फ्लाईओवर का नाम रखा जाना चाहिए.

अभिषेक मूल रूप से मांडर के चोरिया गांव के निवासी थे और ओबीसी समुदाय से आते थे. यादव ने कहा कि जब कोई जवान देश के लिए अपनी जान न्योछावर करता है, तो उसके नाम पर एक पुल नहीं, पूरा शहर समर्पित किया जा सकता है. यह भी जानकारी दी कि इस नामकरण के समर्थन में एक लाख लोगों से हस्ताक्षर जुटाने का अभियान शुरू किया जाएगा.

**महाराजा मदरा मुंडा के नाम की जोरदार पैरवी :** मुंडा समुदाय की ओर से सोशल मीडिया पर एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें फ्लाईओवर का नाम महाराजा मदरा मुंडा के नाम पर रखने की मांग की जा रही है. समुदाय का कहना है कि मदरा मुंडा छोटानागपुर के पहले महाराजा थे और उनके ऐतिहासिक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है.

**शिबू सोरेन के नाम पर खिजरी विधायक की मांग:** खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने इस फ्लाईओवर का नाम झारखंड आंदोलन के प्रणेता और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन (गुरुजी) के नाम पर रखने की वकालत की है.उनका तर्क है कि झारखंड राज्य की स्थापना और विकास में गुरुजी का योगदान ऐतिहासिक रहा है और उनके सम्मान में यह एक उपयुक्त कदम होगा.

**बिनोद बिहारी महतो के नाम की पेशकश :** कुड़मी समाज की ओर से झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता बिनोद बिहारी महतो के नाम पर फ्लाईओवर का नाम रखने की मांग की गई है. उनका कहना है कि महतो का योगदान झारखंड के लिए अतुलनीय रहा है और उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए.

**वीर बुधु भगत को लेकर आंदोलन :** जनजातीय सुरक्षा मंच और मुखिया संघ के अध्यक्ष सोमा उरांव ने फ्लाईओवर का नाम कोल विद्रोह के महानायक वीर बुधु भगत के नाम पर रखने की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है. उनका कहना है कि बुधु भगत आदिवासी चेतना और बलिदान के प्रतीक हैं और उन्हें सम्मानित करना समय की मांग है.

## शराब घोटाले में अब पूर्व आयुक्त उत्पाद अमित प्रकाश गिरफ्तार, एक्शन मोड में एसीबी

**क्राइम संवाददाता द्वारा**

**रांची।** शराब घोटाला मामले में एसीबी ने अब उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के पूर्व आयुक्त उत्पाद आईएएस अमित प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है। वे आयुक्त उत्पाद के साथ-साथ झारखंड राज्य विबरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के पूर्व महाप्रबंधक भी थे। आईएएस अमित प्रकाश 31 दिसंबर 2024 को सेवानिवृत्त हुए थे। शराब घोटाला मामले में विनय कुमार चौबे के बाद अमित प्रकाश ऐसे दूसरे आईएएस अधिकारी हैं, जिन्हें एसीबी ने गिरफ्तार किया है। घोटाले के इस मामले में एसीबी ने पूर्व में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया था। पूर्व में जिन्हें गिरफ्तार किया गया था, उनमें 20 मई को विभाग के पूर्व प्रधान सचिव सह पूर्व महाप्रबंधक जेएसबीसीएल विनय कुमार चौबे तथा संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह शामिल थे।

वहीं, 21 नवंबर को पूर्व महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार दास व पूर्व महाप्रबंधक वित्त सह अभियान सुधीर कुमार के अलावा प्लेसमेंट एजेंसी मार्शन के स्थानीय प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह की गिरफ्तारी हुई थी। अब छठी गिरफ्तारी के रूप में पूर्व आयुक्त उत्पाद अमित प्रकाश शामिल हुए हैं। एसीबी ने उन्हें मंगलवार की देर शाम एसीबी की विशेष अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आईएएस अमित प्रकाश पर आरोप है कि उन्होंने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद के शपथ ग्रहण व योगदान के कुछ ही दिनों के भीतर उन्हें बताए बगैर झारखंड में वर्ष 2022 में थोक शराब आपूर्ति करने वाली छत्तीसगढ़ की दो कंपनियों को नवंबर 2024 में करीब 11 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया भुगतान कर दिया गया था।

इन कंपनियों में मेसर्स दीशिता वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड व मेसर्स ओम साई विबरेजेज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। भुगतान उस स्थिति में किया गया, जब छत्तीसगढ़ सिंडिकेट की ही झारखंड में ब्लैकलिस्ट की गई चारों प्लेसमेंट एजेंसियों पर करीब 450 करोड़ रुपये झारखंड का बकाया है। छत्तीसगढ़ की इन चारों प्लेसमेंट एजेंसियों में मेसर्स एटूजेड इंफ्रा सविर्सस लिमिटेड, मेसर्स इगल हंटर सोल्यूशंस लिमिटेड, मेसर्स प्राइम वन वर्क फोर्स प्राइवेट लिमिटेड व मेसर्स सुमित फैसिलिटिज शामिल हैं। झारखंड अपने 450 करोड़ रुपये के बकाया के लिए सुप्रीम कोर्ट के शरण में है। मामला न्यायालय में विचाराधीन है। आइएएस अमित प्रकाश ने यह भुगतान अपनी सेवानिवृत्ति के एक महीने पहले की थी।

गौरतलब है कि फर्जी बैंक गारंटी पर दो प्लेसमेंट एजेंसियों को ठेका देने के मामले में एसीबी ने 20 मई को प्राथमिकी दर्ज की थी। दर्ज प्राथमिकी में एसीबी ने लिखा था कि इस फर्जीवाड़े के चलते राज्य सरकार को 38 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ था। इसी प्राथमिकी के आधार पर एक-एककर छह आरोपित जेल भेज दिए गए हैं। अब कइयों पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है।

सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अमित प्रकाश ने एसीबी के सवालों से बचने के लिए अपने ही विभाग से सूचना के अधिकार के तहत 12 जून को 1200 पन्ने की सूचनाएं मांग ली थी। उन्होंने सूचना मांगने के लिए 20 मई को एसीबी थाने में दर्ज प्राथमिकी को आधार बनाया था।

उन्होंने एसीबी की प्राथमिकी से संबंधित कागजात व अपनी कार्यावधि से संबंधित वांछित सूचनाओं की छायाप्रति मांगी थी। झारखंड राज्य बिवरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड के जन सूचना पदाधिकारी सह महाप्रबंधक (संचालन) ने 12 जून को उन्हें वांछित सूचनाएं उपलब्ध करा दी थी।

पूर्व आयुक्त उत्पाद अमित प्रकाश पर आरोप है कि उन्होंने प्लेसमेंट एजेंसियों पर बकाया राशि वसूली की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की। आरोप है कि घोटाले होते रहे और उसे रोकने में ये विफल रहे या चुपचाप रहे।

फर्जी बैंक गारंटी उजागर होने के बाद भी उन्होंने अपने कार्यकाल में संबंधित प्लेसमेंट एजेंसियों के विरुद्ध न कोई कानूनी कार्रवाई की और न हीं उन्हें काली सूची में डालने का प्रयास किया। इतना ही नहीं, प्लेसमेंट एजेंसियों को उनके मैनपावर आपूर्ति के एवज में मानदेय का भुगतान लटकाए रखा था।

## टारगेट पर नक्सल टॉप कमांडर! आईजी ने झारखंड-बिहार के टॉप अधिकारियों के साथ बनाई रणनीति

**क्राइम संवाददाता द्वारा**

**पलामू:** मई के महीने में पलामू जोन में नक्सलियों के खिलाफ कई बड़ी कार्रवाई हुई है. इस कार्रवाई में कई टॉप कमांडर मारे गए हैं और पकड़े गए हैं. पुलिस एक बार फिर से नक्सली टॉप कमांडरों को टारगेट करने वाली है. पलामू के आईजी सुनील भास्कर इस संबंध में मंगलवार को झारखंड और बिहार के टॉप पुलिस अधिकारियों और केंद्रीय सुरक्षा बल के अधिकारियों के साथ बैठक की.

बैठक में नक्सलियों और अपराधियों को लेकर कई बड़े निर्णय लिए गए हैं. बैठक में पलामू रेंज के डीआईजी नौशाद आलम, सीआरपीएफ के डीआईजी पंकज कुमार, बिहार के गया के एसएसबी के डीआईजी मनवेंद्र नेगी, पलामू एसपी रीष्मा रमेशन, गढ़वा एसपी अमन कुमार, लातेहार एसपी कुमार गौरव समेत सीआरपीएफ और पुलिस के कई टॉप अधिकारी शामिल हुए थे. बैठक में नक्सलियों के खिलाफ इंटर स्टेट अभियान और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कई बिंदुओं पर चर्चा हुई है. बचे हुए नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए इंटर स्टेट और इंटर डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टास्क फोर्स गठन किया गया है. वैसे लोग जो जमानत पर जेल से बाहर निकले हैं उनपर निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया गया है. आईजी सुनील भास्कर ने बताया कि बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा हुई है. नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाने के साथ-साथ अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई पर सहमति बनी है. बचे हुए नक्सलियों के कमांडरों को टारगेट करने के लिए कहा गया है और उनके खिलाफ स्पेशल रणनीति बनाई जा रही है.

नक्सल संगठनों के टॉप कमांडरों से आत्मसमर्पण करने की भी अपील की जा रही है. आईजी ने बताया कि जेल से बाहर निकलने वाले अपराधियों पर निगरानी बढ़ाने के साथ-साथ कार्रवाई का निर्देश दिया गया है. पलामू, गढ़वा और लातेहार में वारंटों के निष्पादन समय कई मामलों में कार्रवाई करने को कहा गया है.

## पूर्व मंत्री को रांची पुलिस ने लिया हिरासत में! दिल्ली से लौटते ही साथ ले गयी पुलिस

**संवाददाता द्वारा**

**रांची:** जिला के बेड़ो में महादानी मैदान में महाजुटान कार्यक्रम को लेकर रांची जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क हो चुका है. दिल्ली से महजुटान कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रांची आए पूर्व मंत्री देव कुमार धान को भी पुलिस द्वारा एहतियातन डिटेन कर लिया गया है. वहीं महादानी मैदान के 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है. बेड़ो के महादानी मैदान में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने आए पूर्व मंत्री देव कुमार धान को रांची पुलिस ने एहतियातन डिटेन कर अपनी निगरानी में रखा है. बेड़ो थाने और लापुंग थाना प्रभारी पर पूर्व में हुए हमले की वजह से इस बार रांची पुलिस कोई भी रिस्क लेने के मूड में नहीं है. इसी वजह से देव कुमार धान को भी डिटेन किया गया है. बता दें कि पिछले महीने महादानी मैदान में जुटी भीड़ के द्वारा ही बेड़ो थाना पर हमला किया गया था. रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि बेड़ो में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल भी तैनात किया गया है. इसके साथ ही एहतियातन देव कुमार धन को पुलिस की देखरेख में रखा गया है. वहीं रांची डीसी कार्यालय के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बेड़ो अंचल अंतर्गत मौजा-बेड़ो में महादानी मैदान की 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गयी है. अनुमंडल दंडाधिकारी सदर रांची द्वारा बीएनएसएस की धारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निषेधाज्ञा जारी की गई है.

**क्या-क्या है निर्देश:** उपरोक्त जमीन पर पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/ कर्मचारियों तथा सरकारी कार्यक्रम एवं शवयात्रा को छोड़कर). किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र, जैसे बंदूक, राइफल, रिवॉल्वर, बम, बारूद आदि लेकर चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/ कर्मचारियों को छोड़कर). किसी प्रकार का हरवे हथियार जैसे-लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा भाला आदि लेकर चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/ कर्मचारियों को छोडकर). किसी प्रकार धरना, प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली या आमसभा का आयोजन करना. किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/ कर्मचारियों को छोडकर). यह निषेधाज्ञा दिनांक 17.06.2025 के प्रातः 06:00 बजे से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा.

## लातेहार में दिनदहाड़े 7.50 लाख रुपए के जेवर लेकर भागे अपराधी

**क्राइम संवाददाता द्वारा**

**लातेहार:** जिले के मनिका प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को मोटरसाइकिल पर सवार दो अपराधी एक जेवर व्यवसायी के लगभग 7 लाख 50 हजार रुपए के जेवर लेकर फरार हो गए. घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी शशि कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने आसपास की दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर पूरे मामले की छानबीन आरंभ कर दी है.

दरअसल मनिका थाना से महज 50 मीटर की दूरी पर स्थित जेवर दुकान के संचालक मंगलवार को मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपनी दुकान आए और दुकान का ताला खोलने लगे. उन्होंने बताया कि प्रतिदिन रात में महंगे जेवर लेकर वह घर चले जाते हैं और सुबह जेवर लेकर वापस दुकान आते हैं.

प्रतिदिन की भांति आज भी दुकान के महंगे जेवर अपने साथ झोले में लाए थे. झोला मोटरसाइकिल में ही टंगा हुआ था. दुकान का ताला खोलकर वह वापस मोटरसाइकिल की ओर मुड़े तो देखा कि जेवर से भरा झोला गायब है. इसके बाद उन्होंने हल्ला मचाया और खोजबीन आरंभ की परंतु जेवर का कोई पता नहीं चला.

बाद में आसपास की दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज को देखा गया तो उसमें साफ दिख रहा था कि एक मोटरसाइकिल पर दो युवक आए और जेवर दुकानदार की मोटरसाइकिल पर रखे हुए जेवर से भरा झोला उठाकर भाग गए. इसके बाद दुकानदार ने मनिका थाना में जाकर मामले की लिखित शिकायत की. शिकायत के आधार पर थाना प्रभारी शशि कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम आसपास की दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर मामले की छानबीन आरंभ कर दी है.

थाना प्रभारी ने कहा कि इस संबंध में दुकानदार के द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, पुलिस ने हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन आरंभ कर दी है, जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा.

इधर स्थानीय लोगों का कहना है कि इतना कीमती सामान अपने साथ मोटरसाइकिल पर लाना कहीं से भी उचित नहीं था. यदि जेवर को अपने साथ ला रहे हैं तो उसका पूरा ध्यान भी रखना चाहिए. क्योंकि इससे पूर्व भी इस प्रकार की चोरी की घटना घटी है.जेवर दुकानदारों का कहना है कि कीमती जेवर को वे लोग दुकान में नहीं छोड़ते हैं. उसे रात में अपने साथ ले जाते हैं और फिर सुबह अपने साथ लेकर दुकान आ जाते हैं. इस कारण जेवर चोरी होने का डर नहीं होता है. परंतु जिस प्रकार मंगलवार को दुकानदार की मोटरसाइकिल से पलक झपकते ही अपराधियों ने जेवर की चोरी कर ली है, यह काफी गंभीर मामला है. इससे स्पष्ट है कि पूरी घटना में किसी जानकार व्यक्ति की संलिप्तता जरूर है.

लातेहार जिले में इस प्रकार की चोरी की घटना लगातार बढ़ रही है. लगभग एक माह पहले लातेहार जिला मुख्यालय में इसी प्रकार एक जेवर दुकानदार की दुकान से अपराधी जेवर भरा बैग लेकर फरार हो गए थे. एक अपराधी दुकानदार को बातों में उलझाए रखा था और दूसरा अपराधी पलक झपकते ही जेवर से भरा झोला लेकर गायब हो गया था, इस मामले का भी सीसीटीवी फुटेज सामने आया था.

## धनबाद जिले के सबसे चर्चित क्षेत्र में शुमार वासेपुर एकबार फिर से चर्चा

**क्राइम संवाददाता द्वारा**

**धनबाद:** धनबाद जिले के सबसे चर्चित क्षेत्र में शुमार वासेपुर एकबार फिर से चर्चा में है। इस बार चर्चा का विषय गोलीबारी बमबाजी या किसी की हत्या से जुड़ा नहीं है। इस बार चर्चा का विषय सरकारी पैसे का गबन का है। दरअसल, वासेपुर के डाकघर से 15.66 करोड़ रुपये सरकारी राशि के गबन का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में नया बाजार डाकघर के पूर्व उप डाकपाल सुमित कुमार सौरभ के खिलाफ बैंक मोड़ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह प्राथमिकी केंद्रीय डाक अनुमंडल धनबाद के डाक निरीक्षक संतोष कुमार ने दर्ज कराई है।

धनबाद के डाक निरीक्षक संतोष कुमार द्वारा बैंकमोड थाना को दिए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि सुमित कुमार सौरभ ने नया बाजार वासेपुर डाकघर के उप-डाकपाल रहते हुए 22 दिसंबर 2021 से पांच फरवरी 2022 के बीच 15 करोड़ 66 लाख 68 हजार 957 रुपये सरकारी धन का गबन किया है। राशि गबन करने के लिए सौरभ ने अपने पदस्थापन के दौरान नया बाजार वासेपुर उप डाकघर में फर्जी पहचानपत्र के आधार पर 117 नए एसबी खाते खोले। इन खातों में सरकारी राशि का हस्तांतरण किया और फिर इसकी अवैध निकासी कर ली। यह फर्जी खाते अलग-अलग तिथियों में खोले गए और इसके बाद इन खातों से इसकी निकासी की गई।

जानकारी के अनुसार इससे पहले भी सौरभ के खिलाफ धनबाद केके पालीटेक्निक डाकघर से करीब 10 करोड़ रुपये के गबन के आरोप में सीबीआइ धनबाद ने प्राथमिकी कर जांच कर रही है। इस मामले के सामने आने के बाद सौरभ को निलंबित कर दिया गया था। बाद के दिनों में उसे झरिया में पदस्थापित किया गया था। आवेदन मिलने के बाद बैंक मोड़ पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। अब देखना यह दिलचस्प होगा कि सरकारी पैसे के गबन के आरोपी सुमित कुमार सौरभ को पुलिस कब तक सलाखों के पीछे भेज पाती है। क्योंकि यह कोई पहला मामला नहीं है।

# जब अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा, राजनीति से बड़ी है राष्ट्रनीति

**प्रफुल्ल पटेल ने जवाब में जो कहा, वह अटल बिहारी वाजपेयी को अच्छा लगा। पटेल ने कहा कि हमारे निमंत्रण पर मित्रों को ऐतराज हो सकता है, लेकिन अपने स्वभाव के अनुरूप अगर वह निमंत्रण स्वीकार करते हैं तो जन्मदिन समारोह को राजनीति से दूर रखने की भी सीख देते हैं। उस शाम मंच पर जो लोग आए, उनकी उपस्थिति उत्साहवर्धक के साथ-साथ अंतर्विरोधी आचरण को भी चुनौती देने वाली थी। मंच पर प्रधानमंत्री वाजपेयी के अलावा, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला, रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस, पी.ए. संगमा, उढकके महासचिव एबी वर्धन, रामकृष्ण हेगड़े, आई.के. गुजराल, एच.डी. देवगौड़ा, शरद यादव, आदि उपस्थित थे। फिल्म जगत से जैकी श्रॉफ, यश चोपड़ा, बप्पी लाहिड़ी, भीमसेन जोशी, मकबूल फिदा हुसैन, दिलीप कुमार, शबाना आजमी समेत काफी कलाकार थे। प्रमुख उद्योगपतियों में हिंदुजा, राहुल बजाज, परमेश्वर गोदरेज भी मौजूद रहे। मंच पर उपस्थित सभी नेताओं ने एक स्वर से शरद पवार के व्यक्तित्व की प्रशंसा की। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के अलावा सोमनाथ चटर्जी के भी शुभकामना संदेश आए। तब शरद पवार के एक बयान की चौतरफा प्रशंसा की गई।**

**के.सी. त्यागी**

यह कहानी शरद पवार के 61वें जन्मदिन की है, जो 12 दिसंबर, 2001 को मुंबई के महालक्ष्मी टर्फ क्लब में मनाया गया था। आयोजक थे उन्हीं के दल के नेता प्रफुल्ल पटेल और छगन भुजबल। तब महाराष्ट्र में कांग्रेस और ठउढ की मिली-जुली सरकार थी। विलासराव देशमुख मुख्यमंत्री थे और छगन भुजबल उप-मुख्यमंत्री। शरद पवार की स्वीकार्यता इस हद तक थी कि कम्युनिस्ट से लेकर इखढ तक सभी समारोह की शोभा बढ़ा रहे थे। इसके लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को आमंत्रित करने ठउढ नेता प्रफुल्ल पटेल संसद भवन स्थित कार्यालय पहुंचे। महाराष्ट्र में कार्यक्रम था और वहां इखढ विरोधी सरकार थी। वाजपेयी ने निमंत्रण स्वीकार करने को लेकर गंभीर मंथन किया। फिर मिनट भर बाद बोले कि उनके दलों के कुछ नेताओं को यह अप्रिय लग सकता है। प्रफुल्ल पटेल ने जवाब में जो कहा, वह अटल बिहारी वाजपेयी को अच्छा लगा। पटेल ने कहा कि हमारे निमंत्रण पर मित्रों को ऐतराज हो सकता है, लेकिन अपने स्वभाव के अनुरूप अगर वह निमंत्रण स्वीकार करते हैं तो जन्मदिन समारोह को राजनीति से दूर रखने की भी सीख देते हैं।

**नेता से अभिनेता तक :** उस शाम मंच पर जो लोग आए, उनकी उपस्थिति उत्साहवर्धक के साथ-साथ अंतर्विरोधी आचरण को भी चुनौती देने वाली थी। मंच पर प्रधानमंत्री वाजपेयी के अलावा, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला, रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस, पी.ए. संगमा, उढकके महासचिव एबी वर्धन, रामकृष्ण हेगड़े, आई.के. गुजराल, एच.डी. देवगौड़ा, शरद यादव, आदि उपस्थित थे। फिल्म जगत से जैकी श्रॉफ, यश चोपड़ा, बप्पी लाहिड़ी, भीमसेन जोशी, मकबूल फिदा हुसैन, दिलीप कुमार, शबाना आजमी समेत काफी कलाकार थे। प्रमुख उद्योगपतियों में हिंदुजा, राहुल बजाज, परमेश्वर गोदरेज भी मौजूद रहे। मंच पर उपस्थित सभी नेताओं ने एक स्वर से शरद पवार के व्यक्तित्व की प्रशंसा की। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के अलावा सोमनाथ चटर्जी के भी शुभकामना संदेश आए। तब शरद पवार के एक बयान की चौतरफा प्रशंसा की गई। उन्होंने कहा कि गठबंधन की राजनीति का युग आ गया है और एक पार्टी के शासन के दिन समाप्त हो चले हैं। हालांकि हमारी विचारधारा अलग-अलग है, लेकिन हमें देश की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए एक साथ आना चाहिए। ऐसे कई देश हैं जहां सरकारें बदल गई हैं, लेकिन विदेश नीति और आर्थिक

नीतियां वही हैं। उन्होंने वहां मौजूद सभी लोगों से कहा कि उन्होंने उन्हें एक नई उम्मीद दी है- देश के लिए कुछ अच्छा करने की। वहां पीएम अटल बिहारी ने कहा कि उनकी विचारधारा अलग-अलग है, लेकिन सबका लक्ष्य एक है और वह है राष्ट्र को बेहतर बनाना। शरद पवार के पास अनुभव भी है और प्रतिभा भी। इस पर सभास्थल पर जोरदार ठहाके भी लगे। चूंकि शरद पवार की पत्नी का नाम प्रतिभा है और वह बगल वाली सीट पर विराजमान थीं। अटल बिहारी ने यह भी कहा कि इस तथ्य के बावजूद कि शरद पवार एक अलग पार्टी और एक अलग राज्य से आए थे, उन्होंने उन्हें गुजरात भूकंप के लिए आपदा प्रबंधन का अध्यक्ष बनाया और केंद्रीय मंत्री के स्तर का भी दर्जा दिलाया। शरद पवार के अनुभव का लाभ भुज भूकंप के पीड़ितों को मिला। समूचे गुजरात ने उनकी प्रशंसा भी की।

**अविश्वास में भी विश्वास :** 1993 में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहते हुए शरद पवार लातूर में आए भूकंप की आपदा झेल चुके थे। उनके प्रबंधन की समूचे देश ने प्रशंसा की थी। पीएम वाजपेयी ने समूचे विपक्ष पर भी चुटकी लेते हुए कहा कि आतंकवाद निरोधक अध्यादेश की समूचा विपक्ष आलोचना कर रहा है, लेकिन पवार साहब ने अध्यादेश का बारीकी से अध्ययन किया और कुछ सकारात्मक सुझाव भी सरकार के सम्मुख प्रस्तुत किए। हमने भी बड़े दिल से उन्हें स्वीकार किया। अगर हम राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर एक साथ आ सकें, तो भविष्य में कोई अनिश्चितता नहीं रहेगी। यहां यह बताना जरूरी है कि 1999 में वाजपेयी के नेतृत्व वाली ठऊअ सरकार को 13 महीने बाद ही अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा था। जब जयललिता और मायावती जैसे क्षेत्रीय नेताओं के कड़े प्रतिरोध का सामना करते हुए सरकार एक मत से पराजित हो गई, तो उस समय शरद पवार और साथियों ने अविश्वास प्रस्ताव पर उनका विरोध किया था। इससे पहले सरकार की बनाई एक कमिटी में शरद पवार को महत्वपूर्ण पद दिया गया, जो कोल्ड ड्रिंक्स में पेस्टिसाइड्स की मौजूदगी को लेकर थी। समारोह सफल रहा, लेकिन सोनिया गांधी की गैरहाजिरी सभी को इसलिए भी अखरी कि महाराष्ट्र में संयुक्त सरकार का नेतृत्व कांग्रेस पार्टी कर रही थी। कार्यक्रम के संयोजक ने एक निजी बातचीत में माना कि महाराष्ट्र इखढ के सीनियर नेता गोपीनाथ मुंडे भी वाजपेयी की उपस्थिति के हक में नहीं थे। उन्होंने प्रमोद महाजन के जरिए अपना विरोध भी दर्ज कराया था। लेकिन अटल बिहारी का अटल संदेश था कि राजनीति से बड़ी राष्ट्रनीति होती है। निस्संदेह ठउढ को इस कार्यक्रम से राजनीतिक लाभ भी हुआ। शरद पवार के बढ़े कद का स्थानीय चुनावों में फायदा हुआ। ठउढ ने कोंकण और उत्तरी महाराष्ट्र जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने करीबी प्रतिद्वंदियों, कांग्रेस और शिवसेना पर बढ़त हासिल की।

## बिहार में इस बार अपने दम पर चुनाव लड़ेगी जेएमएम, राजद पर साधा निशाना

**राजनीतिक संवाददाता द्वारा**

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने स्पष्ट किया है कि वह बिहार विधानसभा चुनाव में इंडी गठबंधन से अलग स्वतंत्र राजनीतिक दल के रूप में मैदान में उतर सकता है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि बिहार में हमारा अपना संगठन है और हम अपने बूते उतरने को तैयार भी हैं।दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों और सीटों के बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन ने हाल में दो बैठकें आयोजित की थीं, लेकिन इसके लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा को कोई आमंत्रण नहीं मिला।इस संबंध में मीडिया के सवाल पर झामुमो के महासचिव ने कहा, "वे हमें नहीं बुला रहे हैं तो हम जबरदस्ती वहां घुसने भी नहीं जा रहे। हमारी स्वतंत्र पहचान है और यह निश्चित है कि हम वहां अपनी शक्ति प्रदर्शित करेंगे। भट्टाचार्य ने कहा कि कांग्रेस और राजद को हम बता देना चाहते हैं कि झारखंड में हमने उन्हें अपने साथ रखा और उचित सम्मान दिया। पिछले विधानसभा चुनाव में राजद

को झारखंड में मात्र एक सीट पर जीत मिली थी, लेकिन हमने उनके इकलौते विधायक को पूरे पांच साल तक मंत्रिमंडल में बनाए रखा। ऐसा इसलिए, क्योंकि हम चुनाव मैदान में एक साथ उतरे थे और हमें गठबंधन धर्म का पूरा ख्याल था। यही गठबंधन धर्म कांग्रेस और राजद को बिहार में दिखाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के हाल में हुए महाधिवेशन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर ओडिशा, बिहार और देश के दूसरे राज्यों में संगठन के विस्तार का संकल्प लिया गया था। झारखंड मुक्ति मोर्चा इसके पहले भी बिहार विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारता रहा है। 2010 में चकाई विधानसभा सीट पर झामुमो के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की थी। पार्टी ने इस बार बिहार में झारखंड से सटी 12 विधानसभा सीटों को चिह्नित किया है, जहां उसका प्रभाव है। इन सीटों में तारापुर, कटोरिया, मनिहारी, झाझा, बांका, ठाकुरगंज, रूपौली, रामपुर, बनमनखी, जमालपुर, पीरपैंती और चकाई की सीटें शामिल हैं।पार्टी का मानना है कि इन इलाकों में आदिवासी समुदाय की अच्छी-खासी आबादी है।इन क्षेत्रों में उसकी आदिवासी हितों की नीतियां और झारखंड में किए गए कार्य मतदाताओं को आकर्षित कर सकते हैं। झामुमो ने पहले ही इन सीटों पर स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें शुरू कर दी हैं।

## कर्नाटक में अब सड़कों पर नहीं दिखाई देंगी बाइक टैक्सी, जानिए किसके आदेश पर बंद हुई सेवा

**ब्यूरो**

**बेंगलुरु :** कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य में ऐप आधारित बाइक टैक्सी सेवा ठप हो गई. कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए ओला, उबर और रैपिडो जैसी आधारित कंपनियों ने बाइक टैक्सी सेवा विकल्प हटा दिए. कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि सभी को हाईकोर्ट के फैसले का पालन करना चाहिए. उन्होंने कहा इस मामले में हाईकोर्ट ने तीन महीने पहले ही फैसला सुनाया था जिसमें कहा था कि बाइक टैक्सी नियमों के विरूद्ध है. कोर्ट ने शुरू में 6 हफ्ते का समय दिया और फिर अनुरोध पर छह सप्ताह का और समय दिया. अब जबकि 12 सप्ताह बीत चुके हैं तो इन कंपनियों को हाईकोर्ट के आदेश का पालन करना चाहिए. कर्नाटक हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने शुक्रवार को राज्य में बाइक टैक्सी सेवा को निलंबित करने वाले पहले के एकल-न्यायाधीश के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया. एक्टिंग चीफ जस्टिस वी कामेश्वर राव की खंडपीठ ऐप आधारित कंपनियों की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी. याचिका ओला, उबर और रैपिडो की

ओर से दायर की गई है.इन कंपनियों ने 2 अप्रैल के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें छह सप्ताह के भीतर बाइक टैक्सी सेवाओं को रोकने का निर्देश दिया गया था. बाद में समय सीमा 15 जून तक बढ़ा दी गई. एकल न्यायाधीश ने कहा था कि जब तक राज्य सरकार मोटर वाहन अधिनियम के तहत विशिष्ट नियम और दिशानिर्देश अधिसूचित नहीं करती, तब तक ऐसी सेवाएं संचालित नहीं हो सकती. खंडपीठ ने कहा कि यदि राज्य ने नियमों को बनाने में प्रगति का संकेत दिया होता तो वह आदेश पर रोक लगाने पर विचार करती. हालांकि, सरकार ने कहा कि उसने ऐसे नियम नहीं बनाने का नीतिगत निर्णय लिया है. इसके कारण अदालत ने इन कंपनियों को राहत देने से इनकार कर दिया. पीठ ने राज्य सरकार और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए और अगली सुनवाई 24 जून के लिए निर्धारित की. इस बीच, ओला उबर ड्राइवर्स एंड ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तनवीर पाशा ने आदेश का सख्ती से पालन करने का अनुरोध किया है. रैपिडो ने एक बयान में अदालत के फैसले को स्वीकार किया और अपने सवारों के लिए चिंता व्यक्त की. कंपनियों ने सरकार और परिवहन विभाग के साथ मिलकर एक नियामक ढांचा विकसित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई जो अनुपालन, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार हो. उबर ने 16 जून से अपनी बाइक टैक्सी सेवाओं को निलंबित करने की भी पुष्टि की है. कंपनी ने कहा कि यह निर्णय उन हजारों सवारियों और ड्राइवरों को प्रभावित करता है जो रोजाना बाइक टैक्सियों पर निर्भर रहते हैं. हम कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर एक प्रगतिशील नीति विकसित करने में मदद करना जारी रखेंगे जो सभी के लिए सुरक्षित, सुलभ और किफायती हो सकता है.

## इजरायल और ईरान के युद्ध में कूदेगा अमेरिका? ट्रंप लगाने जा रहे आखिरी जोर

**शैलेश कुमार शुक्ला**

**वाशिंगटन/तेहरान :** ईरान और इजरायल के बीच लड़ाई में तनाव अपने चरम पर है। दोनों ही देश एक-दूसरे पर मिसाइलों की बारिश कर रहे हैं। इससे ईरान और इजरायल दोनों में काफी नुकसान पहुंचा है। ईरानी सेना की टॉप लीडरशिप को इजरायल ने मार दिया है। इस बीच ईरान ने अब खाड़ी देशों के माध?यम से संकेत दिया है कि वह तत?काल परमाणु मुद्दे पर बातचीत करने और तनाव को कम करने के लिए तैयार है। हालांकि ईरान ने इसके लिए चाल चलते हुए एक शर्त भी रखी है। ईरान का कहना है कि इजरायल और ईरान की इस लड़ाई में अमेरिका सीधे शामिल नहीं होगा। वहीं अमेरिकी राष?ट्रपति डोनाल?ड ट्रंप जी-7 की बैठक को बीच में छोड़कर वापस लौट गए हैं। ट्रंप ने सफाई दी है कि वह ईरान और इजरायल की लड़ाई की वजह से नहीं लौट रहे हैं। उन?होंने ईरानी लोगों को तेहरान खाली करने के लिए कहा है। ट्रंप की आखिरी कोशिश है कि ईरान को परमाणु समझौते के लिए तैयार किया जाए। इसके लिए अमेरिका के उप राष?ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी विदेश मंत्री के बीच जल?द ही मुलाकात हो सकती है। वहीं अमेरिका के और ज?यादा युद्धपोत भी खाड़ी की ओर बढ़ रहे हैं। माना

जा रहा है कि यह ईरान पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। दरअसल, इजरायल कई दिनों से ईरान के परमाणु ठिकानों पर बम और मिसाइलें गिरा रहा है लेकिन इससे कोई खास नुकसान नहीं पहुंचा है। इजरायल का कहना है कि ईरान परमाणु बम बनाने से मात्र एक कदम दूर है। इजरायल के सामने सबसे बड़ी मुश्किल ईरान का फोडो परमाणु सुविधा केंद्र है जिसे तबाह करने के लिए बंकर बस?टर की जरूरत है। यह केंद्र ईरान ने पहाड़ के कई फुट नीचे बनाया है ताकि किसी हमले से उसे बचाया जा सके। इसको नष?ट करने की क्षमता केवल अमेरिका के पास है जो अपने परमाणु बॉम?बर की मदद से बंकर बस?टर बम गिरा सकता है। ईरान इसी का फायदा उठाते हुए चाहता है कि इस लड़ाई से अमेरिका दूर रहे। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा है कि जब तक इजरायल हमले नहीं रोकता है, तब तक वह भी मिसाइलें दागता रहेगा। उन?होंने कहा कि बातचीत शुरू करने से पहले सीजफायर करना होगा।इस बीच अमेरिका का परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित?ज दक्षिण पूर्वी एशिया से खाड़ी देशों की ओर बढ़ रहा है। पेंटागन ने ऐलान किया है कि ईरान और इजरायल के बीच तनाव को देखते हुए वह 'अतिरिक?त युद्धपोतों' को भेज रहा है। यह एयरक्राफ्ट कैरियर मलक?का स?ट्रेट के रास?ते हिंद महासागर में दाखिल हो गया है। यह अब फारस की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। यह दुनिया के सबसे बड़े युद्धपोतों में से एक है। अमेरिका ने सफाई दी है कि यह तैनाती रक्षात?मक है। इस एयरक्राफ्ट कैरियर पर 5 हजार जवान और 60 फाइटर जेट तैनात कि?ए जा सकते हैं। इस बीच इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष तेज होने के मद्देनजर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यहां जारी जी-7 शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले ही विदा ले रहे हैं। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि 'सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए।' दुनिया भर के नेता पूरे विश्व में अनेक क्षेत्रों में जारी तनाव को कम करने में मदद के विशिष्ट लक्ष्य के साथ जी-7 में एकत्र हुए, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर टकराव के कारण यह बाधित हो गया है। जी-7 ने एक बयान जारी करके इजरायल का समर्थन किया है। इजरायल ने चार दिन पहले ईरान के खिलाफ हवाई हमले शुरू किए थे। शिखर सम्मेलन में ट्रंप ने चेतावनी दी कि इससे पहले कि 'बहुत देर हो जाए' ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगानी चाहिए। ट्रंप ने कहा कि ईरानी नेता 'बातचीत करना चाहते होंगे' लेकिन उनके पास अपने परमाणु कार्यक्रमों को लेकर सहमति बनाने के लिए 60 दिन थे और फिर भी इजराइली हवाई हमले शुरू होने से पहले वे ऐसा करने में विफल रहे। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, ' उन्हें समझौता करना होगा।' यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका इस संघर्ष में सैन्य रूप से शामिल होगा ट्रंप ने कहा, ' मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता।' अब तक इजराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम स्थलों को निशाना बनाया है लेकिन वह ईरान के फोडो यूरेनियम संवर्धन संयंत्र को नष्ट नहीं कर सका है। यह स्थल जमीन के अंदर काफी गहराई में है और इसे नष्ट करने के लिए इजराइल को 30,000 पाउंड (14,000 किलोग्राम) के 'जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर' की आवश्यकता होगी। इजराइल के पास इस स्तर के बमवर्षक नहीं हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर सोमवार दोपहर चेतावनी देते हुए कहा, 'सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए!' इसके तत्काल बाद ट्रंप ने शिखर सम्मेलन छोड़कर जाने का फैसला किया।

## संक्षिप्त समाचार

### ड्रग्स को कहो ना, जिन्दगी को कहो हां नशा से जीवन में होते हैं दुष्प्रभावः थाना प्रभारी

**संवादाता चरही**

**चरही।** मंगलवार को चरही थाना प्रभारी द्वारा नशा मुक्ति अभियान के दौरान डी ए वी प्रेम नगर विद्यालय के छात्रों को जागरूक किया गया। उन्होंने बच्चों को ड्रग्स के बारे में बहुत तरह की जानकारी दी और इसके दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया। थाना प्रभारी गौतम कुमार ने नशे के दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि इससे पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि आपके आस पास कोई भी ऐसे लोग दिखते हैं तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। थाना प्रभारी द्वारा बताया गया कि नशीले पदार्थों का जो व्यवसाय करते हैं उन पर कानूनी रूप से कड़ी सजा का प्रावधान है और उन्हें 20 साल या आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर नशे के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें सरकार का लक्ष्य राज्य को पूर्ण रूप से नशा मुक्त बनाना है।

### संजीवनी कुटीर हटाए जाने पर हजारीबाग वासियों ने मंत्री इरफान अंसारी को दी बधाई

**आदिवासी एक्सप्रेस**

**हजारीबाग।** शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग में संजीवनी कुटीर के नाम से भाजपा द्वारा संचालित भाजपा कार्यालय का हजारीबाग कि आम जनमानस और हजारीबाग अल्पसंख्यक कांग्रेस लगातार विरोध कर रही थी जिसके उपरान्त माननीय स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के आदेशानुसार संजीवनी कुटीर को अस्पताल परिसर से हटा दिया। कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी डा.आरसी प्रसाद मेहता के नेतृत्व मे हजारीबाग कि आम अवाम एंव जिला कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग कि ओर से हजारीबाग कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष साजिद अली खान ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय मे आयोजित जनता दरबार मे माननीय मंत्री इरफान अंसारी से मुलाकात कर एंव पुष्पगुच्छ एवं अंग वस्त्र सौंपकर हजारीबाग मे गैर-कानूनी संजीवनी कुटीर को हटाए जाने पर बधाई दिया एंव हजारीबाग आने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से डा. भुनेश्वर महतो, डी एम कुशवाहा, चन्द्रदेव महतो, मनोज मेहता, संजय रविदास, मो. शहीद. जमशेद खान, दरगाही खान,मो. इजहार ऊल, मौलाना मुख्तार, मो.नाजिर अंसारी, सौरभ कुमार झंडा मरांडी इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

### जैगुआर फुटबॉल क्लब ने तिरंगा फुटबॉल क्लब को 2-0 से हराया

**आदिवासी एक्सप्रेस**

**हजारीबाग।** हजारीबाग जिला के पुराने फुटबॉल खिलाड़ी एवं संघ के सदस्यों के द्वारा आयोजित ए डिवीजन फुटबॉल लीग मैच के खेले गए मैच में जैगुआर फुटबॉल क्लब केरेडारी और तिरंगा फुटबॉल क्लब छावनी इचाक के बीच हुआ जिसमें जैगुआर फुटबॉल क्लब ने तिरंगा फुटबॉल क्लब को 2-0 से हराया। मैच के मुख्य रेफरी संजय पासवान विकास दास और राजेंद्र कुमार थे इस मौके पर नजरुल हसन सुरेंद्र शुक्ला प्रमोद राम अबोध राम मुशर्रफ हुसैन सुबोध पासवान परमेश्वर मनोज राम मौजूद थे साथ ही साथ काफी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। उक्त जानकारी भैया मुरारी सिन्हा ने दी।

### सांसद मनीष जायसवाल की पहल पर जरूरतमंद दिव्यांगजनों को मिला सहायक उपकरण

**आदिवासी एक्सप्रेस**

**हजारीबाग।** हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा पिछले 02 मार्च 2025 को हजारीबाग के नगर भवन सभागार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम ( एलिम्को) के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की एपिड योजना के अंतर्गत आयोजित निःशुल्क दिव्यांग जांच शिविर के चयनित लाभुकों के लिए मंगलवार को पुनः निःशुल्क सहायता उपकरण वितरण शिविर का आयोजन कर उन्हें सहायक उपकरण भेंट किया गया। चयनित दो लाभुकों को 02 मोटराइज्ड ट्राई साईकिल, 09 व्हील चेयर सहित वॉकर, स्टिक, हियरिंग मशीन, नी ब्रेस, व्हील कमोड, एल.एस. बैट सहित कई सहायक उपकरण जरूरतमंद दिव्यागजनों के बीच वितरण किया गया। मौसम खराब होने की वजह से चयनित अनेक लाभुक कैंप पहुंच नहीं सके उन्हें सांसद सेवा कार्यालय में बुलाकर सहायक उपकरण उपलब्ध कराया जाएगा।

# कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने डीवीसी को दिया अल्टीमेटम, कहा अगर उजाला नहीं मिलेगा तो कोयला भी नहीं जाएगा

**शिक्षा और बिजली दोनों के अभाव में कोई भी समाज प्रगति नहीं कर सकताः मुन्ना सिंह**

**आदिवासी एक्सप्रेस**

**हजारीबाग।** हजारीबाग में मंगलवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता में कांग्रेस पार्टी सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह नगर प्रभारी मुन्ना सिंह ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया। उनका वक्तव्य केवल राजनीतिक आरोप नहीं था, बल्कि जनसरोकारों की गूंज थी उस जनता की, जो बिजली के बिना अंधेरे में जी रही है और शिक्षा के अभाव में भविष्य से वंचित होती जा रही है। प्रेस वार्ता की शुरुआत बिजली संकट के मुद्दे से हुई। मुन्ना सिंह ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस ज़िले की धरती से देशभर के ताप विद्युत संयंत्रों के लिए प्रतिदिन हज़ारों टन कोयला भेजा जाता है, वहीं की स्थानीय आबादी को आज बिजली के लिए तरसना पड़ रहा है। गांवों में सूरज ढलते ही अंधेरा पसर जाता है, बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे, अस्पतालों में मरीज जनरेटर के भरोसे हैं, और छोटे कारोबारी रातों को दुकानों के शटर बंद करने को विवश हैं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यह केवल एक प्रशासनिक असफलता नहीं, बल्कि एक संरचनात्मक अन्याय है। हम कोयला दे सकते हैं तो रोशनी भी मांग सकते हैं, और अगर रोशनी नहीं देंगे तो कोयला भी नहीं मिलेगा, उन्होंने अपने शब्दों में जनाक्रोश की चेतावनी भर दी। मुन्ना ने आगे कहा कि यह समझने की ज़रूरत है कि बिजली अब केवल सुविधा नहीं रही, बल्कि जीवन, शिक्षा और रोज़गार का बुनियादी आधार बन चुकी है। जब देश के अन्य हिस्सों में 24 घंटे बिजली दी जा सकती है, तो झारखंड के कोयलांचल क्षेत्र को यह हक़ क्यों नहीं दिया जाता? क्या सिर्फ इसलिए कि यहां की आवाज़ संसद की दीवारों तक नहीं पहुँचती? उन्होंने केंद्र सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए कहा कि अगर एक सप्ताह के भीतर बिजली की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो जनता कोयला परिवहन को रोकने पर बाध्य होगी। वहीं प्रेस वार्ता के दूसरे हिस्से में उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत झारखंड में अंगीभूत महाविद्यालयों से इंटरमीडिएट शिक्षा को हटाने के निर्णय की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न तो शिक्षा के अधिकार की भावना के अनुरूप है, न ही सामाजिक न्याय की अवधारणा के। दशकों से हजारीबाग के विद्यार्थी सरकारी कॉलेजों जैसे अन्नदा कॉलेज और के.बी. विमेन्स कॉलेज, इत्यादि पर निर्भर रहे हैं। अब इन कॉलेजों में इंटर नामांकन पर रोक लगाने से एक पूरी पीढ़ी को अकाल शिक्षाबंदी की ओर धकेला जा रहा है। उन्होंने विशेष चिंता हजारीबाग की बेटियों को लेकर जताई। के.बी. विमेन्स कॉलेज जैसा एकमात्र सरकारी महिला संस्थान जहां छात्राएँ सुरक्षित वातावरण में शिक्षा ग्रहण कर रही थीं, अब प्रवेश की सीमाओं और संसाधनों की कमी से चरमराने लगा है। जब अन्य संस्थानों में प्रवेश ही बंद हो जाए, तो बेटियों के पास विकल्प ही क्या रह जाता है? क्या शिक्षा केवल उन तक पहुँचेगी जो बीस-पच्चीस हज़ार रुपये की निजी फीस दे सके। सिंह का मानना था कि नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन बगैर संसाधन, योजना और संक्रमणकालीन व्यवस्थाओं के किया गया, जिससे शिक्षा का दरवाज़ा उन वर्गों के लिए बंद हो गया जो पहले से ही सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं। उन्होंने इसे शिक्षा सुधार नहीं, बल्कि शिक्षा संकुचन कहा एक ऐसा कदम जो समावेशी शिक्षा की अवधारणा के विपरीत है। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि वे इस संकट की गंभीरता को समझते हुए हस्तक्षेप करें और आवश्यक कदम उठाएँ ताकि न केवल इंटरमीडिएट स्तर पर नामांकन की अस्थायी बहाली सुनिश्चित हो, बल्कि संसाधनों के अभाव से जूझ रहे कॉलेजों को सशक्त किया जा सके। उनकी यह भी मांग थी कि सरकारी कॉलेजों को दो पाली में चलाया जाए ताकि अधिक से अधिक छात्रों को समायोजित किया जा सके और बेटियों के लिए नए संस्थान खोले जाएँ। प्रेस वार्ता के अंत में उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी नई शिक्षा नीति के सिद्धांतों का विरोध नहीं कर रही, बल्कि उसके अव्यवस्थित, अधकचरे और गरीब विरोधी क्रियान्वयन के खिलाफ आवाज उठा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और बिजली दोनों के अभाव में कोई भी समाज प्रगति नहीं कर सकता।

मुख्य रूप से उपस्थित प्रदेश सचिव शशि मोहन सिंह प्रदेश प्रतिनिधि विरेन्द्र कुमार सिंह जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत महासचिव ओमप्रकाश झा सहकारिता विभाग के अध्यक्ष कृष्णा किशोर प्रसाद महानगर महासचिव बबलू सिंह विक्की कुमार आदि उपस्थित थे।

# कटकमदाग में कांग्रेस प्रखंड कमेटी के विस्तार से कांग्रेसियों में नई ऊर्जा का हुआ संचार

**जमीनी स्तर पर जनता के मुद्दों को गंभीरता से उठाना होगा और संगठन को मजबूती प्रदान करनी होगीः रेणु कुमारी**

**आदिवासी एक्सप्रेस**

**कटकमदाग (हजारीबाग)।** हजारीबाग जिले के कटकमदाग प्रखंड अंतर्गत फतहा चौक स्थित आंचल होटल में कटकमदाग कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अध्यक्ष गोवर्धन गंझु की अध्यक्षता में संगठन सृजन की बैठक आयोजित की गई जिसमें कटकमदाग प्रखंड कांग्रेस कमेटी का विस्तार किया गया। बैठक में कटकमदाग प्रखंड प्रवेक्षिका रेणु कुमारी एवं कांग्रेस के हजारीबाग सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह नगर प्रभारी मुन्ना सिंह मुख्य रूप से शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में संगठन को सशक्त बनाना, आम जनसरोकारों से जुड़ाव बढ़ाना और आगामी रणनीतियों पर चर्चा करना रहा।

इस मौके पर कांग्रेसियों में नई ऊर्जा का संचार करते हुए प्रखंड प्रवेक्षिका रेणु कुमारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की लोकतांत्रिक नींव की रक्षक रही है। आज भी यह पार्टी जनता की उम्मीदों का केंद्र बनी हुई है। हमें जमीनी स्तर पर जनता के मुद्दों को गंभीरता से उठाना होगा और संगठन को मजबूती प्रदान करनी होगी।

संगठन के प्रति समर्पित भाव से कांग्रेस को मजबूत करने के लिए सभी कांग्रेसी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए मुन्ना सिंह ने कहा कि पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठनात्मक विस्तार को प्राथमिकता देने की रणनीति के तहत सभी कांग्रेसजन अपने कार्य क्षेत्र में जुड़ जाएं।

इस दौरान नवगठित प्रखंड कमेटी के नवनियुक्त उपाध्यक्ष प्रकाश तिर्की, उपाध्यक्ष मो0 स्काकुल, महासचिव प्रभु गोप, महासचिव अजय साव, महासचिव राजेश कुमार सिंह, महासचिव प्रशांत कुमार मिश्रा, महासचिव रंजीत यादव, महासचिव मो सोहैल, महासचिव मुबारक हुसैन, महासचिव मानवेल मुण्डु, महासचिव विजय कुमार राम को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

इसके अलावा असगर अली, शारदा रंजन दुबे, राजेश कुमार सिंह, गुड्डू मिश्रा, मुकेश ओझा, मनोहर शर्मा, मुबारक हुसैन, नवीन सिंह, प्रकाश तिर्की, मानवेल मुंडु, रंजीत यादव समेत कई सक्रिय कार्यकर्ता और नेताओं को संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए अहम जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने स्थानीय स्तर पर संगठन को अधिक सक्रिय करने, आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता पर उठाने और केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ प्रभावी आवाज बनने की आवश्यकता पर बल दिया। सभी ने इस बात पर सहमति जताई कि कांग्रेस का यह संगठनात्मक विस्तार जनहित में सार्थक भूमिका निभाएगा। इस मौके पर बीस सूत्री कार्यक्रम के प्रखंड अध्यक्ष सुनील ओझा, एवं मंडल अध्यक्ष मोहम्मद खुर्शिद मौजूद रहे।

## पेंशन एवं सेवानिवृत्तिलाभों से जुडी समस्याओं के निदान के लिए सीमांत मुख्यालय, दक्षिण बंगाल, सीमा सुरक्षा बल, कोलकाता में 08 जुलाई को राष्ट्रव्यापी पेंशन अदालत का होगा आयोजन

**आदिवासी एक्सप्रेस**

**हजारीबाग।** सीमा सुरक्षा बल सदैव अपने सेवानिवृत्त कार्मिकों व उनके आश्रितों के कल्याण हेतु हमेशा ही प्रयासरत रहा है। बल मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा सीमांत मुख्यालय, सीमा सुरक्षा बल, दक्षिण बंगाल को राष्ट्रव्यापी पेन्शन अदालत कार्यक्रम के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है जो प्रभावित कार्मिकों एवं आश्रितों के पेंशन संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए केन्द्रीकृत मंच प्रदान करेगा सीमांत मुख्यालय, दक्षिण बंगाल, सीमा सुरक्षा बल द्वारा दिनांक 08 जुलाई 2025 को समय 0930 बजे से झारखण्ड़ एवं बिहार राज्य के सीमा सुरक्षा बल से सेवानिवृत्ति कार्मिकों व उनके आश्रितों की पेन्शन व रिटायरमेन्ट-लाभ में उत्पन्न विसंगतियों पर सुनवाई कर उनकी शिकायतों का निवारण किया जायेगा।

झारखण्ड एवं बिहार राज्य के सेवानिवृत्त कार्मिकों व उनके आश्रितों से आग्रह किया जाता है कि वे अपनी पेन्शन संबंधी विसंगतियों के त्वरित निवारण के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज Inspector General, South Bengal Frontier, Rajarhat, BSF, Action Area II E, New Town Kolkata, West Bengal, Pin- 700161 के पते पर डाक के द्वारा भेजने अथवा स्वयं सीमांत मुख्यालय, दक्षिण बंगाल, सीमा सुरक्षा बल, कोलकाता कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 20 जून 2025 तक जमा करने का श्रम करें व किसी भी प्रकार की सहायता या सूचना प्राप्त करने के लिए निम्न विवरण पर संपर्क करें।

## भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने ओल्ड एज होम एवं मुख बधिर विद्यालय में जरूरत की सामग्रियां एवं आम भेंट की, भावनात्मक स्नेह से हुई अभिभूत

- **वरिष्ठ नागरिक एवं मुख बधिर बच्चे हमारे समाज का हिस्सा है, उनका सम्मान व देखभाल करना हमारा कर्तव्य हैः शेफाली गुप्ता**

**आदिवासी एक्सप्रेस**

**हजारीबाग।** भाजपा नेत्री सह ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका शेफाली गुप्ता ने ओल्ड एज होम एवं मुख बधिर विद्यालय में दिन मंगलवार को जरूरत की सामग्रियां एवं आम भेंट की। इस दौरान ओल्ड एज होम में वरीष्ठ नागरिकों के बीच काफी समय व्यतीत की। साथ ही हजारीबाग का फेमस बर्रा- कचरी व्यंजन का सभी ने लुफ्त लठाया। अपनापन के स्नेह एवं मुस्कान से काफी अभिभूत हुई। हरेक सुख- दुख मे साथ निभाने का वादा की। इस क्रम में भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने वृद्धजनों से ढेर सारा शुभ आशीर्वाद भी प्राप्त किया। सभी की स्वास्थ्य की कुशल क्षेम प्राप्त की। उन्होंने हर जरूरतों पर हर संभव सहयोग का आश्वासन दी। मुख बधिर बच्चों के चेहरे पर निश्चल मुस्कान एवं अपनापन के भाव से काफी सुखद एहसास कराया। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा कि हर कोई अपनों के दुख-सुख में शामिल होकर अपनत्व का भाव जागृत करते हैं।

# अन्नदा महाविद्यालय मे डिग्री एवं वोकेशनल स्टडीज मे नामांकन प्रारम्भ

**आदिवासी एक्सप्रेस**

**हजारीबाग।** अन्नदा महविद्यालय, हज़ारीबाग़ मे सत्र 2025-29 के लिए सभी संकायो में स्नातक विषयों के लिए Chancellor Portal के माध्यम से नामांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी हैं। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय (कला संकाय) मे प्रस्तावित स्नातक पाठ्यक्रम अँग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, बंगला, उर्दू, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास और समाजशास्त्र है। प्राकृतिक और भौतिकी विज्ञान (विज्ञान संकाय) में भौतिकी, रसायन शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जंतुशास्त्र, गणित संकाय में गणित तथा वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय में वाणिज्य विषय (Accounts and Finance) स्नातक कार्यक्रम में प्रस्तावित हैं। महाविद्यालय में व्यावसायिक अध्ययन के लिए चार पाठ्यक्रम BBA, BCA, Bio-Technology और B Voc (Software Development) स्नातक कार्यक्रम के लिए उपलब्ध हैं।

इन सभी स्नातक कार्यक्रमों में नामांकन के लिए महाविद्यालय में विशेष व्यवस्था की गयी हैं। महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं को परामर्श देने के लिए तीन-तीन सहायता केंद्रों की सुविधा दी गयी है। इन हेल्पडेसको पर महाविद्यालय के कर्मचारी छात्र-छात्रों को Chancellor Portal के माध्यम से नामांकन के लिए पूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। साथ ही उन्हें NEP 2020 के अनुरूप विभिन्न semesters मे उचित विषयों के चयन इत्यादि की सम्पूर्ण जानकारी दी जाती है। Vocational Studies के लिए भी अलग से हेल्पडेस्क कार्यरत है।

छात्र- छात्राओं को किसी भी परेशानी से बचाने हेतु महाविद्यालय में नामांकन के लिए CSC Centre के माध्यम से Chancellor Portal पर आवेदन की सुविधा प्रदान की जा रही हैं। इस सुविधा के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाता हैं। महाविद्यालय में ही CSC Centre होने के कारण विद्यार्थियों को विषयों का चयन करने में भी सहायता मिल जाती है।

Chancellor Portal के लिए नामांकन में सहायता हेतु समय प्रातः 10 से 2:00 बजे सायं तक रखा गया है। वैसे विद्यार्थी जो 1st list में ही अपना नामांकन कराना चाहते हैं, वे शीघ्र महाविद्यालय पहुंचे। प्रथम लिस्ट के लिए Application जमा करने की अंतिम तारीख 21/06/2025 संध्या 6:00 बजे तक हैं।

# विभावि के कुलपति ने सेवानिवृत शिक्षकों के साथ की गोष्ठी

- **आपके लिए हमारे दरवाजे हमेशा खुले रहेंगेः कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा**
- **सरकार का स्वास्थ्य बीमा का लाभ सेवानिवृत्तों को भी मिलेः प्रो शुभ नारायण सिंह**

**आदिवासी एक्सप्रेस**

**हजारीबाग।** विश्वविद्यालय आपका है। इस परिसर में आपका हमेशा स्वागत है। मेरे दरवाजे आपके लिए हमेशा खुले रहेंगे। विश्वविद्यालय के संबंध में आपके जो भी शिकायत है, सुझाव है आप जरूर से मुझे बताएं। निर्णय मैं लूंगा। उक्त बातें विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा ने कही। कुलपति मंगलवार को विश्वविद्यालय के अवकाश प्राप्त शिक्षकों के साथ आयोजित गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। यह गोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय के अतिथि भवन में अपराह्न 01.30 बजे से किया गया।

कुलपति ने विश्वविद्यालय प्रांगण में अवकाश प्राप्त सभी शिक्षकों का हृदय से स्वागत किया। समय को देखते हुए कुलपति ने शिक्षकों से पहले भोजन करने का आग्रह किया। शिक्षकों ने अपनी ओर से कुलपति को इस खूबसूरत सोच और आयोजन के लिए बधाइयां दी। मौके पर शिक्षक भी एक दूसरे से मिलते और हाल समाचार लेते देखे गए। माहौल बहुत ही खुशनुमा दिखा।

सेवानिवृत शिक्षकों की ओर से डॉ ई एन सिद्दीकी ने कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा को तथा प्रो जमुना प्रसाद ने वित्त सलाहकार श्री अखिलेश शर्मा को माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। डॉ डी एन साधु एवं डॉ चंद्रशेखर सिंह ने कुलपति को अलग-अलग पुष्प स्तबक भेंट किया। प्रो अनवर मलिक, प्रो राम प्रिय प्रसाद एवं प्रो परमानंद महतो ने कुलपति को शॉल ओढ़ा कर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर उनको सम्मानित किया।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के इतिहास में संभवत यह पहला अवसर है जब किसी नवनियुक्त कुलपति ने प्राथमिकता के आधार पर अवकाश प्राप्त शिक्षकों से मिलने की पहल की है।

अवकाश प्राप्त शिक्षकों की ओर से विनोबा भावे विश्वविद्यालय सेवानिवृत शिक्षक संघ के सचिव डॉ शुभ नारायण सिंह ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं के प्रति कुलपति का ध्यान आकर्षित किया। इसमें प्रमुख है कि महीने की पहली तारीख को पेंशन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए, विश्वविद्यालय सक्रिय पहल करें ताकि सेवानिवृत शिक्षक और कर्मचारियों को भी राज्य सरकार के स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिले, अवकाश प्राप्ति की तिथि से 6 महीना पहले से ही शिक्षक एवं कर्मचारियों के कागजात तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए ताकि अवकाश प्राप्ति के दिन ही उन्हें पीएफ, लीव एनकैशमेंट और एलआईसी से संबंधित भुगतान किया जा सके, पेंशन ससमय प्रारंभ करने तथा ग्रेच्युटी का भुगतान यथाशीघ्र करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, यदि डिए में कोई बढ़ोतरी होती है तो इसकी जानकारी शिक्षकों को उस समय दी जाए, यदि किसी प्रकार का कोई बकाया का भुगतान किया गया हो तो उसकी जानकारी भी शिक्षकों को भुगतान के साथ-साथ दी जाए।

इसके अलावा उन्होंने मांग रखी की अन्य संस्थाओं की भांति विश्वविद्यालय में भी ऑनलाइन लाइफ सर्टिफिकेट की व्यवस्था की जाए, आयकर से संबंधित चार्ट सभी संबंधित शिक्षकों के व्हाट्सएप में उपलब्ध कराई जाए तथा सेवानिवृत शिक्षकों में जिनकी पदोन्नति लंबित है उसके त्वरित निपटारे की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी बताया कि 80 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर पेंशन में 20 प्रतिशत की जो वृद्धि होती है वह स्वतः सुनिश्चित की जाए क्योंकि सारे कागजात विश्वविद्यालय के पास पूर्व से ही उपलब्ध रहते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया की सभी सेवानिवृत शिक्षक विश्वविद्यालय को अध्ययन-अध्यापन एवं अन्य मामलों में सलाह और सहयोग देने के लिए सदैव तैयार हैं। डॉ चंद्रशेखर सिंह ने कुलपति की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कुल 148 अवकाश प्राप्त शिक्षकों ने आज की गोष्ठी में भाग लिया। हालांकि 162 शिक्षकों ने आने की सूचना भेजी थी। मौके पर विश्वविद्यालय के वित्त सलाहकार श्री अखिलेश शर्मा तथा विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो मिथिलेश कुमार सिंह उपस्थित हुए। मंगलवार को आयोजित गोष्ठी में डॉ केपी शर्मा, डॉ गोविंद पांडेय, डॉ एस बी चौधरी, डॉ सी पी शर्मा, डॉ प्रकाश कुमार, डॉ मंजुला संगा, डॉ मार्गरेट लकड़ा, डॉ शेला टोपनो, डॉ गीता दे, डॉ कमला प्रसाद, डॉ मिथिलेश कुमार सिंह, डॉ चंदन कुमार, डॉ ए एन भंडारी, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ अजय मुरारी, डॉ तापस चक्रवर्ती, डॉ प्रदीप कुमार सिंह, डॉ श्यामदेव कुमार, डॉ मदन मोहन पाठक, डॉ तारा कांत शुक्ल, डॉ टी राय, डॉ बिना अखौरी, डॉ अरुण कुमार, डॉ अज़राया हंस, डॉ भोला सिंह, डॉ सजल मुखर्जी, डॉ उषा सिंह, डॉ सोमर साहू आदि शिक्षक उपस्थित हुए।

# रांची में चतरा सांसद की सड़क को लेकर बड़ी पहल, पांच जरूरी सड़कों के निर्माण की माँग

**जनता की परेशानी को लेकर सांसद कालीचरण सिंह ने पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव से की मुलाकात**

**आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास**

**चतरा।** चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने मंगलवार को रांची में झारखंड सरकार के पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात का मकसद चतरा और आसपास के इलाकों की खराब सड़कों को ठीक करवाना था। सांसद ने बताया कि खासकर नक्सल प्रभावित इलाकों में सड़क की हालत बहुत ही खराब है। गांव के लोग, किसान, बच्चे, मरीज- सबको आने-जाने में बहुत दिक्कत होती है। कई जगहों पर तो एंबुलेंस और स्कूल वैन भी नहीं पहुँच पाती। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सांसद कालीचरण सिंह ने पाँच अहम सड़कों के निर्माण की माँग रखी है। उन्होंने कहा कि अगर ये सड़कें बन जाती हैं, तो न सिर्फ लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि इलाके में विकास और रोजगार के भी रास्ते खुलेंगे। जिन पाँच सड़कों की माँग की गई है जो इस प्रकार हैं। बगरा मोड़ (NH-99) से पांकी (पलामू) तक-यह चतरा और पलामू जिले को जोड़ेगा। मनिका बकोरिया (NH-75) से सुरजौन मोड़ पांकी डालटनगंज रोड तक -लातेहार जिला के लोगों को फायदा होगा। जोरी पाखा मोड़ (NH-99) से जोलडीहा होते हुए राजपुर और कान्हाचट्टी तक - चतरा जिले के कई गांवों के लिए जरूरी रास्ता। राजपुर से बाराचट्टी जीटी रोड तक - यह रास्ता बिहार और झारखंड की सीमा को जोड़ेगा। पांकी डालटनगंज रोड से सगालीम, आसेहार, होटाई होते हुए सालमदीरी तक- पलामू जिला का यह इलाका बहुत पिछड़ा है, यहाँ सड़क बेहद जरूरी है। सांसद ने प्रधान सचिव से माँग की कि ये सारे प्रस्ताव जल्दी से जल्दी केंद्र सरकार को भेजे जाएं ताकि सड़क का काम जल्द शुरू हो सके। इस मौके पर चतरा के विधायक जनार्दन पासवान भी मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत, एक घायल रेफर

**आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास**

**हंटरगंज (चतरा)।** हंटरगंज थाना क्षेत्र के मीरपुर पंचायत अन्तर्गत सोनवर्षा गांव में आकाशीय बिजली के चपेट में आने से एक अधेड व्यक्ति की मौत हो गई है। वहीं घटना में एक महिला गंभीर हालत में हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बताया जा रहा है कि यह घटना उस वक्त हुई है, जब खेत की ओर मवेशी चराने दोनो गए हुए थे तभी झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए दोनो एक बड़े महुआ पेड़ के नीचे शरण लेने लगे, लेकिन दुर्भाग्यवश उसी पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई। इस हादसे में एक की मौके पर मौत हो गई जबकि दुसरी वृद्ध महिला झुलस गई। इधर ग्रामीणों ने आनन - फानन में घटना की घायल महिला को लेकर हंटरगंज समुदायिक स्वास्थय केन्द्र में भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर ईलाज हेतु गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा दिया है। मृतक की पहचान सोनवर्षा निवासी नन्हक यादव के 50 वर्षीय पुत्र देवलाल यादव (50) वही घायल वृद्ध महिला देवलाल होरिल यादव की पत्नी सुगिया देवी (75)के रूप में हुई है।

### हथियारबंद अपराधियों ने लूटा मोटरसाइकिल

- एक ही जगह से कई बार लुट कांड घटना का दिया जा रहा है अंजाम, अपराधी बेखौफः स्थानीय ग्रामीण

**आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास**

**हंटरगंज (चतरा)।** हंटरगंज-प्रतापपुर मुख्य पथ स्थित खगड़वाटांड़ जंगल के समीप सोमवार की देर शाम 7 बजे हथियारबंद अपराधियों के द्वारा लूट की घटना को अंजाम दिया गया। इस दौरान पांच हथियारबंद अपराधियों ने मोटरसाइकिल, नगद पैसा और मोबाइल लूट लिया। इस संबंध में पीड़ित शेरघाटी थाना क्षेत्र के रामपुरधाप गांव के मोहम्मद ओबेदुल्ला अंसारी ने हंटरगंज थाने में आवेदन दिया है। पीड़ित ओबेदुल्ला अंसारी ने बताया कि वह अपने रिश्तेदार के घर हंटरगंज के बोड़ा गांव आया हुआ था। जहां से अपने दोस्त जितेंद्र भारती का मोटरसाइकिल लेकर अपने ससुराल इमामगंज जा रहा था। इसी दौरान खगड़वाटांड जंगल के पास दो मोटरसाइकिल पर सवार पांच नकाबपोश अपराधियों ने उसके मोटरसाइकिल को ओवरटेक कर रोक लिया और हथियार के बल पर उसके साथ लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। इस दौरान उसके साथ मारपीट भी किया। लुटेरों ने पीड़ित से उसकी मोटरसाइकिल होंडा शाइन एसपी जेएच02 बी क्यू 5323, नगद 15000 और एक मोबाइल भी लूट लिया। इसके बाद लुटेरे पीड़ित का मोटरसाइकिल लेकर खरांटी गांव जाने वाले जंगल के रास्ते से फरार हो गये। पुलिस लुटेरों के धर पकड़ में जुटी हुई है। स्थानीय लोगो के अनुसार खगड़वाटांड़ में अपराधियों के द्वारा कई छोटे मोटे लूटकांड की घटना का अंजाम दिया जा चुका है अपराधी सामने जंगल की ओर भागने में सफल हो जाते हैं हालांकि पुलिस हर एक पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है।

### इटखोरी में रिमझिम बारिश होने से गर्मी से लोगों को मिली राहत

**आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास**

**इटखोरी (चतरा)।** इटखोरी में मंगलवार शाम रिमझिम बारिश हुई। रिमझिम बारिश के बाद मौसम में बदलाव आया। लोगों ने गर्मी से राहत की सांस महसूस किया। बारिश का दौर यहां कुछ देर रात तक जारी रहा। जैसे मौसम सुहाना हो गया हो। हालांकि यहां तेज बारिश की आवश्यकता है तेज बारिश होने के बाद ही लोगों को उमस भरी गर्मी से पूरी तरह से राहत मिलेगी। रिमझिम बारिश के बीच इटखोरी चौक बाजार पर सन्नाटा पसर गया, मंगलवार दिन से जो रुक रुक कर बारिश हो रही है, पूरी रात उसी तरह से लगातार रिमझिम रिमझिम बारिश हो रहा है।

### आरएसपी प्रदेश अध्यक्ष निपु सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर रिम्स को सुधारने के लिए पत्र सौंपा

राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी का झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह झारखंड अगेंस्ट करप्शन का केंद्रीय संगठन मंत्री निपु सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी से मिलकर रिम्स को सुधारने के लिए पत्र सौंपा। श्री सिंह ने पत्र के माध्यम से कहा कि रिम्स में बेड, ऑक्सीजन और दवा की पूर्ति की जाए और डॉक्टर और नर्स की यथाशीघ्र बहाली की जाए और कहा कि रिम्स में सरकार का अपना कम से कम सात दवा दुकान हो और सभी दवा पर 25 प्रतिशत डिस्काउंट हो और कहा कि रिम्स के डॉक्टर जो भी प्राइवेट में इलाज कर रहे हैं उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई हो और सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से मिलकर मौखिक और पत्र के माध्यम से जल्द से जल्द सभी समस्याओं को दूर करने का आग्रह किया।

# सीसीएल के मगध-संघमित्रा क्षेत्र में स्वच्छता पखवाड़ा- 2025 का हुआ शुभारंभ

**संवाददाता राम कुमार**

**बालूमाथ।** भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा (16 जून से 30 जून 2025) का शुभारंभ सीसीएल के मगध- संघमित्रा क्षेत्र में दिन सोमवार को हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मगध- संघमित्रा क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री नृपेन्द्र नाथ द्वारा कर्मियों को स्वच्छता शपथ दिलाकर की गई। आज से प्रारंभ यह अभियान भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के दिशा- निर्देशन में मगध-संघमित्रा क्षेत्र के सभी परियोजनाओं, इकाइयों एवं महाप्रबंधक कार्यालय में 30 जून तक व्यापक रूप से मनाया जाएगा। अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने कर्मियों से आह्वान किया कि वे न केवल अपने कार्यस्थलों पर, बल्कि निजी जीवन में भी स्वच्छता को प्राथमिकता दें और स्वच्छ भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें। कहा कि स्वच्छता केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। हमें इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा। इस अवसर पर मगध-संघमित्रा क्षेत्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता को न केवल एक आदत, बल्कि अपने आचरण का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी ने स्वच्छता की भावना को आत्मसात करते हुए नियमित श्रमदान, साफ-सफाई बनाए रखने, दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने करने का संकल्प लिया। स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के दौरान मगध-संघमित्रा क्षेत्र के विभिन्न परियोजनाओं एवं इकाइयों में व्यापक रूप से विविध रचनात्मक और सहभागी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों में स्वच्छता जागरूकता रैलियों से लेकर नुक्कड़ नाटक, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, वृक्षारोपण, वालपेंटिंग, एवं वेस्ट टू आर्ट तथा वेस्ट टू क्राफ्ट प्रतियोगिताएं व कार्यशालाएं शामिल हैं,जिनका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और अपशिष्ट पुनर्चक्रण व स्वच्छ वातावरण को प्रोत्साहित करना है। मगध-संघमित्रा क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाओं और इकाइयों में जल स्रोतों की सफाई, अस्पताल परिसरों की स्वच्छता, जूट बैग का वितरण, डस्टबिन की स्थापना, प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र निर्माण एवं गांवों में स्वच्छता जागरूकता अभियान जैसे व्यावहारिक कदम भी उठाए जाएंगे।

## संध्या कुमारी को मिला राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान

**संवाददाता राम कुमार**

**बालूमाथ।** बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय कृत कन्या मध्य विद्यालय की सहायक शिक्षिका संध्या कुमारी को नवाचारी शिक्षक में उत्कृष्ट प्रयास के लिए शिक्षा रत्न से सम्मानित किया गया। इस संबंध में शिक्षिका संध्या कुमारी ने बतलाया कि नवाचारी गतिविधियां समूह भारत जो देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़ा हुआ स्वप्रेरित नवाचारी शिक्षक समूह है। इस संस्थान के द्वारा मुझे नवाचारी शिक्षण में उत्कृष्ट प्रयास हेतु शिक्षा रत्न सम्मान 2024- 25 से सम्मानित किया गया है अवार्ड सामग्री प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो संस्थान द्वारा स्पीड पोस्ट के माध्यम से मुझे प्राप्त हुआ है। बतलाया कि इस सम्मान प्रक्रिया में विभिन्न राज्यों के 700 से अधिक शिक्षक नामांकन किए थे। चयन प्रक्रिया बहुचरणीय थी, जिसमें पहले समूह की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से विस्तृत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए।प्रत्येक आवेदक को बच्चों के शैक्षिक विकास,पठन-पाठन में नवाचार,मूलभूत सुविधाओं में सुधार तथा सामुदायिक भागीदारी जैसे विषयों पर आधारित प्रश्नों का उत्तर देना था। इसके बाद राज्यवार स्क्रुटनी, साक्षात्कार,एवं दस्तावेज प्रमाणीकरण की प्रक्रिया संपन्न की गई। अंततः देश भर के 110 शिक्षकों को चयनित कर राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान प्रदान किया गया। उसे 110 शिक्षकों में शिक्षिका संध्या कुमारी का भी नाम शामिल है।इस चयन प्रक्रिया में झारखंड एवं बिहार के शिक्षकों के साक्षात्कार एवं मूल्यांकन के लिए गठित बोर्ड में अमित कुमार उइके, सैयद हुमायूं अख्तर,कविता कोरी, सुनीता ठाकुर,चितेश्वर प्रसाद वर्मा,पुष्पा शुक्ला,ज्योति बनाफर, प्रज्ञा सिंह,रमेश कुमार राठौर एवं दुर्गेश देवांगन जैसे विशेषज्ञ शामिल थे।

## बरनी के पास कार और ट्रक में भीषण टक्कर, तीन घायल, रिम्स रेफर

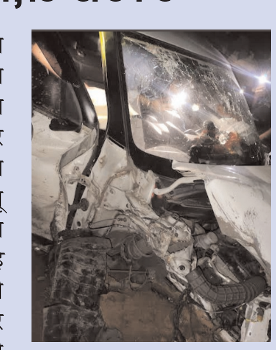

**बालूमाथ।** बारियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत बरनी चौक के समीप सोमवार देर रात को एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना उस समय घटी जब एक कार बरियातू की ओर से बालूमाथ की ओर आ रही थी, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से उसकी जबरदस्त टक्कर हो गई। कार और ट्रक की भिड़ंत इतनी भयानक थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों द्वारा तुरंत इसकी सूचना बरियातू थाना को दी गई। सूचना पाकर थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल व्यक्तियों को तुरंत बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। घायलों की पहचान विपिन कुमार (36 वर्ष), प्रकाश सिंहा (35 वर्ष) और चंदन कुमार (40 वर्ष), तीनों निवासी बालूमाथ के रूप में हुई है। चिकित्सक डॉ. सुरेंद्र कुमार ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया,लेकिन सभी की हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। डॉ0कुमार ने बताया कि घायलों को सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर आंतरिक चोटें आई हैं।

# स्टाइल क्लेकशन ब्रांडेड एवं ट्रेंडिंग कपड़ों का हबः मिथिलेश ठाकुर, पूर्व मंत्री

- शिखर पर पहुंचेगा स्टाइल कलेक्शन
- राजनेता के साथ-साथ जानेमाने समाजसेवी हैं दीपक तिवारी, स्वालंबन व जीविकोपार्जन की दिशा में कर रहें कार्य
- पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर पहुंचे 'स्टाइल कलेक्शन हब', झामुमो नेता के प्रयास को सराहा
- राज्य के विकास के लिए हमेशा तत्परत रहे हैं पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुरः दीपक तिवारी

पलामू जिले के मेदिनीनगर के रांची रोड स्थित ठाकुरबाड़ी काम्प्लेक्स में अवस्थित स्टाइल क्लेकशन हब ब्रांडेड एवं ट्रेंडिंग कपड़ों का हब है। यहां जींस, सर्ट, जूता, परफ्यूम, बेल्ट सहित विभिन्न प्रकार के पोशाक व पहनावे के उत्पाद हैं। इससे पलामू के साथ-साथ दूसरे जिले के लोगों को भी लाभ मिल रहा है। यह बातें झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री व झामुमो के लोकप्रिय नेता मिथिलेश ठाकुर ने कही। पूर्व मंत्री स्टाइल क्लेकशन हब पहुंचे थे। उन्होंने पूरे परिसर का भ्रमण कर वहां रखे उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रोपराइटर दीपक तिवारी को इस व्यवसाय के लिए उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिष्ठान शिखर पर पहुंचेगा और लोगों के बीच अच्छे कपड़ों के साथ-साथ पहनावे के उत्पादों के लिए अपना पहचान कायम करेगा। उन्होंने प्रोपराइटर दीपक तिवारी के इस कार्य को काफी सराहा। कहा कि दीपक तिवारी राजनेता के साथ-साथ जानेमाने समाजसेवी व उद्यमी हैं। वे स्वालंबन व जीविकोपार्जन की दिशा में कार्य कर रहे हैं। यह बड़ी उपलब्धि है। वे क्षेत्र में फैशन और युवाओं के नया आयाम देने की दिशा में अग्रसर है।

पूर्व मंत्री ने यहां व्यवस्थित एवं सजावटी अंदाज में रखे कपड़ों को देखकर काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि दीपक तिवारी ऐसे उद्यमी बनकर उभरे हैं जो न सिर्फ रोजगार के अवसर उत्पन्न करते हैं, बल्कि झारखंड की छवि को भी एक नई पहचान देते हैं। उन्होंने स्टाइल कलेक्शन हब को स्थानीय व्यापार का सशक्त उदाहरण बताया और अन्य युवाओं से भी स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की। स्टाइल क्लेकशन हब के प्रोपराइटर दीपक तिवारी ने पूर्व मंत्री के पहुंचने पर गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। वहीं प्रतिष्ठान में स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका आभार जताया। मौके पर झामुमो एवं अन्य दलों के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का भी स्वागत किया गया।

प्रोपराइटर दीपक तिवारी ने कहा कि स्टाइल कलेक्शन हब हाल के दिनों में युवा वर्ग के बीच एक लोकप्रिय फैशन डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है, जहां ट्रेंडिंग कपड़ों से लेकर एक्सेसरीज़ तक की संपूर्ण रेंज किफायती कीमतों पर उपलब्ध है। यहां ब्रांडेड वस्त्र के साथ-साथ-जूता, बेल्ट, परफ्यूम आदि उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं।

उन्होंने प्रतिष्ठान में पहुंचे पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री जन-जन के नेता है। वे नये उद्यमियों के साथ साथ राज्य के विकास के लिए हमेशा से तत्पर रहे हैं।

मौके पर मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष विजय तिवारी,झामुमो जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा, उपाध्यक्ष सन्नु सिद्दीकी,श्री राम चरित मानस यज्ञ कमिटी ठाकुरबाड़ी के अध्यक्ष दिलीप तिवारी मिंटू,राकेश तिवारी, प्रदीप गुप्ता व महताब खान सहित व्यापारी वर्ग और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

# आजसू पार्टी की कोल्हान प्रमंडल स्तरीय बैठक संपन्न

- चांडिल में केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने दिए संगठन को सशक्त बनाने के निर्देश

**चांडिल।** चिलगु स्थित आजसू पार्टी के प्रधान कार्यालय में सोमवार को कोल्हान प्रमंडल स्तरीय एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष श्री सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक में कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिलों - सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम के पदाधिकारी, संयोजक मंडली के सदस्यगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक का उद्देश्य संगठनात्मक मजबूती, जनसमस्याओं की पहचान और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करना था।

बैठक को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि आजसू पार्टी अपनी स्थापना के मूल सिद्धांतों और संघर्षशील परंपराओं के साथ एक बार फिर जनहित के मुद्दों को लेकर मजबूत तेवर में लौटेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य जनता को उसका अधिकार दिलाना है, और इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को गांव-गांव तक जाकर लोगों से जुड़ना होगा।

22 जून को बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाएगा स्थापना दिवस श्री महतो ने यह भी घोषणा की कि आजसू पार्टी का स्थापना दिवस इस वर्ष 22 जून को बलिदान दिवस के रूप में रांची में भव्य रूप से मनाया जाएगा। रांची के खेलगांव स्थित शहीद टाना भगत इंडोर स्टेडियम में हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं का जुटान होगा। इस दिन पार्टी उन सभी संघर्षशील साथियों को याद करेगी, जिन्होंने अलग झारखंड आंदोलन और जनहित के लिए बलिदान दिया। स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य भर के कार्यकर्ताओं को रांची में जुटने का आह्वान किया गया है। इस मौके पर पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरे लाल महतो, दामू बानरा, चन्द्रगुप्त सिंह, रविशंकर मौर्या, सत्यनारायण महतो, सिद्धार्थ महतो, कन्हैया सिंह, सुधीर सिंह, दिनेश हांसदा, अंगूर महतो, डॉ दिनेश बोईपाई, अमित महतो, दुर्गा महतो, संजय सिंह, आदित्य महतो, नंदलाल बिरुआ, संतोष महतो, रामरतन महतो, दिलीप महतो, शहदेव महतो, पुलक सथपति, प्रताप सिंहदेव, नंदन कुंज पात्र, गौरी लायक, आरती सिंह, अमला मुर्मू, रेणुका पुराण, मंजूराज, सुनीता, सुलोचना प्रमाणिक, दुर्योधन गोप, गोपेश महतो, अरुण महतो, धर्मराज प्रधान, प्रकाश विश्कर्मा आदि मौजूद थे।

**संगठन को गांव स्तर तक मजबूत करने का आह्वान**

बैठक में संगठन मजबूती अभियान को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। श्री महतो ने कहा कि आने वाले दिनों में पार्टी बूथ स्तर तक संगठनात्मक ढांचे को सशक्त करेगी। जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिया गया कि वे जनता से लगातार संवाद बनाए रखें और सरकार की नीतियों में हो रही खामियों को उजागर करें।

**कोल्हान में तेजी से बढ़ रही है पार्टी की पकड़**

बैठक में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने बताया कि कोल्हान प्रमंडल में आजसू पार्टी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। युवाओं और महिलाओं में पार्टी को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। संगठनात्मक विस्तार के लिए क्षेत्रीय स्तर पर भी लगातार कार्यशालाएं और जनसंपर्क अभियान चलाए जा रहे हैं। बैठक के अंत में प्रस्ताव पारित कर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तय की गई। साथ ही, कार्यकर्ताओं को अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ संगठन हित में कार्य करने की अपील की गई।

## अपहरण व धर्मांतरण की घटना पर आजसू सुप्रीमो ने सरकार को घेरा, कहा - कुड़मी समाज की अस्मिता पर हमला बर्दाश्त नहीं

**नीमडीह।** नीमडीह प्रखंड के झिमड़ी गांव में हाल ही में सामने आई जबरन धर्मांतरण की घटना और महतो समाज के युवती के अपहरण मामले को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने हेमंत सरकार पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने झारखंड में बढ़ रही असामाजिक गतिविधियों के लिए राज्य सरकार को सीधे जिम्मेदार ठहराया है। झिमड़ी की घटना को लेकर श्री महतो ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह कुड़मी/महतो समाज की अस्मिता और आत्मसम्मान पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा, झारखंड की मिट्टी संघर्ष और बलिदान की भूमि रही है, यहां जबरन धर्मांतरण और महिलाओं के अपहरण की घटनाएं इस भूमि के स्वाभिमान को ललकारने जैसा है। सरकार की चुप्पी और निष्क्रियता इन कृत्यों को बढ़ावा दे रही है।

**हेमंत सरकार को बताया विफल**

श्री महतो ने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही सरकार पूरी तरह विफल साबित हो रही है। राज्य में महिलाओं के प्रति अपराध और प्रशासनिक उदासीनता सामान्य बात बनती जा रही है। यह चिंताजनक है और हम चुप नहीं बैठेंगे।÷ उन्होंने यह भी कहा कि अगर सरकार ने इस मामले में गंभीरता नहीं दिखाई, तो आजसू पार्टी सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### डीसी ने अवैध माइनिंग के रोकथाम को लेकर काशीला चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया

● अवैध खनन व परिवहन को लेकर जिला प्रशासन सख्त

**सुस्मित तिवारी**
**आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़**

**पाकुड़** – उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा मंगलवार को पाकुड़ प्रखंड स्थित काशीला चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चेकनाका में उपस्थित मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि बड़े वाहनों का जांच जरूर करे, बिना माइनिंग चालान देखें वाहनों को ना छोड़े। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया कि सभी आपसी समन्व्य स्थापित कर अवैध खनन, गाड़ियों द्वारा अवैध ढुलाई पर अंकुश लगाने हेतु टीम वर्क के रूप में कार्य करें, ताकि त्वरित व उचित धाराओं के साथ कानूनी कार्रवाई की जा सके। ड्यूटी के दौरान कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही करने वाले मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ड्यूटी के दौरान पूरा चौकस रहें अवैध वाहनों पर सख्त कार्रवाई करें।

### इंसानियत फाउंडेशन के सचिव बनीज शेख एवं लाइफ सेवियर्स के सचिव नफीसुल आलम को रक्तदान क्षेत्र मे बेहतर कार्य के लिए किया गया सम्मानित

**सुस्मित तिवारी**
**आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़**

**पाकुड़।** पाकुड़ जिला के लिए इंसानियत फाउंडेशन एवं लाइफ सेवियर्स समूह के चर्चे सिर्फ झारखंड ही नहीं झारखंड के अलावा दूसरे प्रदेशों में भी हो रही है. इन दोनों संस्था के माध्यम से अब तक कई लोगों की नई जिंदगी मिली है. कई लोग मौत के मुंह में पहुंच कर भी इन दोनों संस्था के जरिए मौत को मात दे दी है. यह दोनों समूह ना ही सिर्फ रक्तदान के क्षेत्र में कार्य करती है बल्कि गरीब और जरूरतमंदों के बीच हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं. आज की तारीख में इंसानियत फाउंडेशन एवं लाइफ सेवियर्स समूह बहुत ही कम समय के अंदर इतना मशहूर हो चुका है कि दोनों समूह के लोगों के चर्चे झारखंड प्रदेश की राजधानी रांची में गूंज रही है. जिस कारण इंसानियत फाउंडेशन के सचिव बनीज शेख एवं लाइफ सेवियर्स के सचिव नफीसुल आलम को रक्तदान क्षेत्र मे बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया, क्योंकि जिंदगी की जंग लड़ रहे लोगों को उनकी जिंदगी बचा लिया है। संस्था के सहयोग से आज इस समूह में कई सारे युवाओं में लोक भावना का एहसास जाग चुका है. इन दोनों संस्था के सचिव को रांची में मिले सम्मान पाकुड़ जिला के लिए महत्वपूर्ण है ।कहते हैं पैसे से सब कुछ नहीं होता, दिल बड़ा होना चाहिए.जिनके हौसलों में छलांग लगाने की हिम्मत हो वह कभी भी पीछे की तरफ मुड़कर नहीं देखते. यह मिसाल इन संस्थाओं के लिए सठिक बैठती है.

### प्रखंड सभागार में प्रखंड के सभी बीएलओ को निर्वाचन से संबंधित दिया गया प्रशिक्षण

**शिकारीपाड़ा/दुमका/**

शिकारीपाड़ा प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी के अध्यक्षता में मैप्स ऑफ पोलिंग स्टेशन एंड जिओ फैंसिंग ऑफ पोलिंग स्टेशन से सम्बंधित मंगलवार को की गई बैठक आयोजित । बैठक में प्रखंड क्षेत्र के सभी बीएलओ एवं मतदान पर्यवेक्षक को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रखंड स्तरीय निर्वाचन से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण निलेश कुमार एचडीएम एवं 1 कंप्यूटर ऑपरेटर चन्दन कुमार साहा मास्टर ट्रेनर के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान सभी बीएलओ को मतदान केंद्र का नजरी नक्शा, की मैप , जिओ फैंसिंग,टर्निंग पॉइंट से सम्बंधित प्रपत्र को तैयार कर दिनांक 28/06/2025 तक जमा करने का निदेश दिया गया। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद एजाज आलम, महिला प्रसार पदाधिकारी तेरेसा मुर्मू, के साथ प्रखंड के कर्मी एवं सभी बीएलओ मौजूद थे।

### सीमानीजोड़ के समीप सड़क किनारे गड्ढे में अनियंत्रित होकर ट्रक पलटा

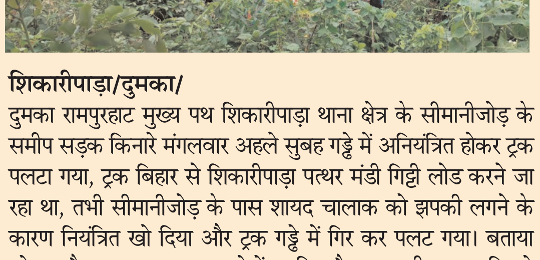

**शिकारीपाड़ा/दुमका/**

दुमका रामपुरहाट मुख्य पथ शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के सीमानीजोड़ के समीप सड़क किनारे मंगलवार अहले सुबह गड्ढे में अनियंत्रित होकर ट्रक पलटा गया, ट्रक बिहार से शिकारीपाड़ा पत्थर मंडी गिट्टी लोड करने जा रहा था, तभी सीमानीजोड़ के पास शायद चालाक को झपकी लगने के कारण नियंत्रित खो दिया और ट्रक गड्ढे में गिर कर पलट गया। बताया जो रहा है चालक उपचालक दोनों सुरक्षित है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई थी। और क्रेन की सहायता से ट्रक को उठाया जा रहा था। ट्रक का नंबर बीआर 10 जीबी 2546 है।
यहां बताते चले कि दुमका रामपुरहाट मुख्य पथ पर अधिकतर भारी वाहन, ट्रक चलते हैं, और सभी तेज रफ्तार में चलते है , जिस कारण अक्सर दुर्घटना होते रहता है।

# उपायुक्त ने पाकुड़ प्रखंड स्थित कालिदासपुर क्लस्टर में धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत लगाए गए शिविर का किया निरीक्षण

● सरकारी योजनाओं के प्रति आमजनों को किया जागरूक ● उपायुक्त ने 5 साल के बच्चे का अपडेट आधार कार्ड का वितरण एवं मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभुक नलिन मरांडी के बीच स्वीकृति पत्र का किया वितरण

**सुस्मित तिवारी**
**आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो**

**पाकुड़।** जनजातिय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत आज दूसरे दिन उपायुक्त मनीष कुमार ने पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत कालिदासपुर कलस्टर में धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत लगाए गए शिविर का निरीक्षण किया।
उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत आदिम जनजाति परिवारों को सरकार की लाभकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, बेहतर पहुंच के साथ-साथ बेहतर सड़क और दूरसंचार संपर्क और स्थायी आजीविका के अवसर जैसी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करना है।उन्होंने कहा कि आदिम जनजाति परिवारों के लिए यह अच्छा अवसर है कि पदाधिकारी उनके गांव-पंचायत पहुंचकर योजनाओं से लाभान्वित कर रहे हैं। उन्होंने सभी से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है। इसके पश्चात उपायुक्त ने पौधारोपण किया।
इसके अलावा हिरणपुर प्रखंड के डांगापाड़ा कलस्टर, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के बड़ाघघरी कलस्टर, महेशपुर प्रखंड के बाबूदाहा, बलियाडांगा कलस्टर, अमड़ापाड़ा प्रखंड के पचुवाड़ा कलस्टर एवं पाकुड़िया प्रखंड के मोहुलपहाड़ी कलस्टर, बनियापसार कलस्टर में आयोजित शिविर में आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जनधन खाते, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पीएम विश्वकर्मा योजना, मुद्रा लोन एवं छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को चिन्हित कर लाभान्वित किया गया।
धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत विभिन्न प्रखंडों में शिविर के माध्यम लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जागरूक किया गया। विशेष रूप में शिविर में पहुंचे आदिम जनजाति परिवार के सदस्यों को सरकार द्वारा उन्हें मिलने वाली योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही योजनाओं का लाभ दिया गया।
मौके पर जिला परिषद सदस्य मंजुला हांसदा, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू, जिला भीवीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पाकुड़ एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अजीत टुडु उपस्थित थे।

## प्रोजेक्ट परिवर्तन के तहत मंडलकारा पाकुड़ में जेल कैदियों के साथ नशा मुक्ति एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया

● जेल के कैदियों ने ली नशा त्यागने एवं सड़क सुरक्षा की शपथ, बोले- समाज को भी इसके नुकसान बताएंगे

**सुस्मित तिवारी**
**आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो**

**पाकुड़**– प्रोजेक्ट परिवर्तन के तत्वावधान में मंडलकारा पाकुड़ में जेल कैदियों के साथ नशामुक्ति एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बंदियों को नशामुक्ति की ओर प्रेरित करना था। उपायुक्त ने कहा जीवन में किसी प्रकार के नशा खैनी, शराब, गुटखा, सिगरेट व अन्य नशीले पदार्थ का सेवन न करें। इसके आपका स्वास्थ्य तो ठीक रहेगा ही साथ में परिवार भी खुशहाल रहेगा। नशा करने वाले का स्वास्थ्य ही नही बल्कि उसकी सामाजिक छवि के साथ उसके परिवार को भी बर्बाद कर देता है। परिवार में हमेशा कलह रहता है और नशा करने वाले व्यक्ति अपराध भी करने लगते हैं। आइए, हम सब मिलकर नशामुक्त समाज का निर्माण करें। मादक पदार्थों के खिलाफ जागरूकता फैलाएं और अपने आसपास के लोगों को प्रेरित करें।
इसके अलावा उपायुक्त ने कैदियों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि हम सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। हेलमेट पहनने, शराब पीकर वाहन न चलाने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने हेतु प्रेरित किया।

## नशामुक्ति को लेकर निकाली गई प्रभातफेरी एवं विभिन्न खेलों के माध्यम से किया गया जागरूक

**सुस्मित तिवारी**
**आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो**

**पाकुड़**– जिला पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग के निदेशानुसार जिला खेल कार्यालय पाकुड़ द्वारा मादक पदार्थों के सेवन को रोकने और लोगों के बीच जागरुकता बढ़ाने के लिए लगातार नशा मुक्त अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शहर के अम्बेडकर चौक पाकुड़ से जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार के द्वारा जागरूकता प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये प्रभात फेरी अम्बेडकर चौक से शुरू होकर बैंक कॉलोनी स्टेडियम में जाकर समापन हुआ। इसके पश्चात विभिन्न आयु वर्ग के बालक एवं बालिका के लिए एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भी आयोजन बैंक कॉलोनी स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान लाने वाले खिलाड़ियों को पुलिस उपाधीक्षक जितेंद्र कुमार एवं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से ट्रॉफी, मेडल एवं खेल कीट देकर सम्मानित किया गया। जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि सरकार व जिला प्रशासन का प्रयास है कि नशा मुक्त भारत अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़े, ताकि नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सके। नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य न केवल जन-साधारण को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागृत करना है बल्कि नशे के खिलाफ जन आंदोलन का रुप देना है ताकि नशे के खिलाफ हर आदमी जुड़ कर अपना योगदान दे सकें। नशे पर पूर्णतया अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। अभियान को सफल बनाने पाकुड़ ओलंपिक संघ के सचिव रणवीर सिंह, जिला खेल समन्वयक विवेक रजक, खेलो इंडिया के प्रशिक्षक अक्षय बाउड़ी, एनआईएस कोच जगबंधु दास, श्यामल सोरेन, प्रोन्नति रानी दास, नारायण चंद्र रॉय, अंकिता राय,राम मोहन सैनी, अमित कुमार, नीतीश कुमार एवं खेल शिक्षक एवं शिक्षिका का योगदान सराहनीय रहा।

## उपायुक्त ने रात्रि चौपाल लगाकर इंटीग्रेटेड एक्टिव केस सर्च अभियान का लिया जायजा

**सुस्मित तिवारी**
**आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़**

पाकुड़ जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा इंटीग्रेटेड एक्टिव केस सर्च अभियान डोर टू डोर चलाया जा रहा है। ये अभियान 16 जून से 30 जून तक चलाया जाएंगे। इंटीग्रेटेड एक्टिव केस सर्च अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर सोमवार देर रात को उपायुक्त मनीष कुमार ने सदर प्रखंड के बहिरग्राम गांव का दौरा किया। रात्रि चौपाल लगाकर उपायुक्त मनीष कुमार ने ग्रामवासियों से संवाद किया और जानकारी ली की आज स्वास्थ्य कर्मी आपके घर आए थे, ग्रामीणों ने बताया कि आए थे और गांव के लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया है। उपायुक्त ने गर्भवती महिलाओं से भी मुलाकात कर जानकारी ली की समय पर प्रसव पूर्व जांच हुआ है या नहीं। उपायुक्त ने कहा कि अब घबराने की जरूरत नहीं है अब एक ही जांच से सारी बीमारियों जैसे कालाजार, फाइलेरिया, एनीमिया, कुष्ठ रोग, टीबी, मलेरिया, बीपी, हिमोग्लोबिन, सुगर आदि बीमारियों का पता लगाया जाएगा। साथ ही उपायुक्त ने गांव के सभी लोगों को जांच कराने हेतु प्रेरित किया। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग और क्षेत्रीय स्वास्थ्य कर्मियों के कार्यो की सराहना की और निर्देश दिया कि यह अभियान पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ लगातार चलाया जाए ताकि कोई व्यक्ति उपचार से वंचित न रह जाए। उपायुक्त ने सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पाकुड़ को निर्देश दिया कि सभी नियमित रूप से फील्ड विजिट करें और शत प्रतिशत अभियान की निगरानी सुनिश्चित करें।

## प्रत्येक गांव में दीदी की दुकान अधिष्ठापित करें

**ललित कुमार पाल की रिर्पोट।**

**दुमका।** उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के अंतर्गत संचालित योजनाओं/ कार्यक्रमों/ परियोजनाओं तहत अब तक संपादित कार्यों में प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा में जिला कार्यक्रम प्रबंधक एवं प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक व प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी उपस्थिति थे। बैठक में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति सहित ग्रामीण विकास शाखा और जिले में महिला सशक्तिकरण व नशा मुक्ति हेतु जेएसएलपीएस के माध्यम से किए गए कार्यक्रमों पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया।
कहा कि प्रत्येक गांव में दीदी की दुकान अधिष्ठापित करें। हर पंचायत में दीदी का ढाबा बनाए, सभी प्रखंड में दीदी द्वारा निर्मित समानों के पैकिंग की व्यवस्था बनाए। आगामी श्रावणी मेला में भी निर्मित समानों के बिक्री हेतु स्टॉल्स लगाए। इसके अतिरिक्त सभी विभागों के सहयोग से जमीनी स्तर पर किसानों हेतु संचालित सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने हेतु भी निर्देश दिया गया और योजना के क्रियान्वयन हेतु प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए भी संसूचित किया गया।

## विकसित भारत 2047 संकल्प को लेकर भाजपा ने की बैठक, पूर्व दुमका सांसद रहे मौजूद

**दुमका।** 17/6/25 को दुमका के पारशिमला के दुर्गा मंदिर प्रांगण में विकसित भारत का अमृत काल ,सेवा, सुशासन गरीब कल्याण के 11 साल एवं विकसित भारत 2047 संकल्प की बैठक भाजपा प्रखंड अध्यक्ष गणपति पाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्य रूप से दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन एवं कार्यक्रम के प्रभारी पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज कुमार शाह उपस्थित हुए। कार्यक्रम में मोदी जी के 11 साल बेमिसाल पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई ,मुख्य अतिथि दुमका सांसद सुनील सोरेन ने उपस्थित सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से मोदी जी द्वारा किए गए कार्यो को विस्तृत रूप से बताया, अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने विकसित भारत 2047 का संकल्प लिया और कहा जिस प्रकार 11 साल से देश में विकाश का गंगा बह रही है उसी प्रकार आगे भी बहेगी और हमलोग मोदी की के विकसित भारत 2047 का सपना पूरा करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से संतोष शाह, मनोज सिंह, मनोज दास, कल्याण दास, नारायण वेद, जगाबंधु मंडल , जियाधर मंडल, कैलाश भंडारी ,सुभाष मोदी ,शशिकांत दत्त ,बबलू दत्त ,उपनंद पाल, कनिक पाल ,सुभाष रजक ,बीरबल रजक, बीरबल सिंह ,बैद्यनाथ दे ,सुनीलाल मुर्मू, बलराम भंडारी ,उमेश सिंह, विकास पाल ,राजू मिर्धा, सहित दर्जनों भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद थे।

# मोदी जी के 11 वर्ष पूर्ण होने पर हुई बैठक

**मोहित मंसूरी संवाददाता**
**आदिवासी एक्सप्रेस**

कोटालपोखर भारतीय जनता पार्टी कोटालपोखर मंडल अध्यक्ष बप्पी निर्मल प्रसाद के अध्यक्षता में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी 11 साल पूर्ण होने पर और 2047 तक विकसित भारत बनाने हेतु संकल्प सभा का आयोजन कोटालपोखर शांति चौक दुर्गा मंदिर में किया गया, उक्त बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष साहेबगंज श्री उज्ज्वल मंडल , पूर्व जिला अध्यक्ष श्री रणधीर सिंह और जिला उपाध्यक्ष राजेश मंडल जी उपस्थित थे , बैठक का शुरुआत पंडित दीन दयाल उपाध्याय, डॉ श्यामा मुखर्जी और भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर वंदे मातरम गीत गाकर किया गया , जिला अध्यक्ष श्री उज्ज्वल मंडल ने अपने संबोधन में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने अनेकोनेक काम देशवासियों के लिए किए , मोदी जी सभी जाती और धर्म के लोगों के लिए कार्यरत है , 55 करोड़ लाभार्थी को जन धन योजना के तहत बैंक में खाता खुलाया , 53 करोड़ छोटे व्यापारियों को मुद्रा लोन के तहत रोजगार हेतु राशि प्रदान की गई , 12 करोड़ लोगों को शौचालय बनाया गया , आयुष्मान कार्ड के तहत 9 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त इलाज , 44 लाख करोड़ रुपया DBT के माध्यम से किसानों को सीधा उनके अकाउंट में पैसा मिला , 16 करोड़ लोगों को हर घर जल योजना से जोड़ा गया , 81 करोड़ लोगों को अन्न योजना मिल रहा है , उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से भी ज्यादा महिलाओं को लाभ मिला ,
कोटालपोखर मंडल अध्यक्ष बप्पी निर्मल प्रसाद ने मोदी जी के सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 साल पूर्ण होने पर बताया कि भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो देश में सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ कल्याणकारी कार्य कर रही है, 2014 तक 11वी अर्थव्यवस्था भारत हुआ करती थी आज मोदी जी के कार्यकाल में घटकर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश भारत आज मोदी जी के कार्यकाल में बना, UPA के 10 साल में 2 करोड़ लोगों को रोजगार मिला था , जबकि मोदी जी के 11 साल में 17 करोड़ लोगों को रोजगार मिला,गरीबी 29% से घटकर 11% तक आ पहुंचा है , UPA के 10 साल में 3.9 करोड़ से बढ़कर 9.2 करोड़ करदाता हो गए ,जिससे सरकार को राजस्व का काफी लाभ मिल रहा है ,पिछ्ले 11 सालों में मेट्रो 248 km से बढ़कर 1013 km बनाया गया, 2014 के बाद 74 से बढ़कर 148 एयरपोर्ट की निर्माण किए गए , एक कुशलशासक और व्यक्तित्व के तौर पर नरेन्द्र मोदी जी का हमेशा से विजन रहा है कि नारीशक्ति राज्य और राष्ट्र के उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा सकती है, सीएम से लेकर पीएम बनने तक उन्होंने न सिर्फ महिलाओं के उत्थान पर जोर दिया, बल्कि उनके लिए कई बेहद सफल योजनाएं भी लेकर आए, हाल के दिनों में पहलगाम में हुए अतिनिंदनीय आतंकी हमले के जवाब में मोदी जी ने 7 मई को हमले के पीछे छिपे आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत किया और इस युद्ध में भी महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन के ठिकानों को निशाना बनाकर पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में नौ प्रमुख आतंकी ठिकानों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया. इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए, इस बैठक में कार्यक्रम के संयोजक सुरेंद्र साहा, मंडल महामंत्री शिवरतन रजवाड़, रंजीत साहा , राजेश साहा, शम्मी कपूर साहा, अनूपलाल रजक, रमेश भंडारी, हरे कृष्ण मंडल, जितेंद्र साहा, सागर मोहन साहा, जयदेव रजवाड़, निदाय रजवाड़, तपन गुप्ता, सीमा देवी , ब्यूटी देवी, राजाराम साहा, तपेश साहा, सहित दर्जनों कार्यकर्ता और दर्जनों महिला ग्रामीण शामिल रही.

# ट्रम्प से इतना भय क्यों खा रहे हो, क्या डर है जो छुपा रहे हो !

**बादल सरोज**

बहुतई विचित्र समय है। उधर माय डिअर फ्रेंड ऐसा पिलकर पीछे पड़ा हुआ है कि चुप्प होने का नाम ही नहीं ले रहा और इधर उनके प्यारे मित्र मोदी ऐसी चुप्प साधे हैं कि बोल ही नहीं फूट रहा ; न हाँ कहते बन रहा है, न ना कहने की हिम्मत जुटा पा रहे हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच हुई लड़ाई झ जिसमें अमरीकी राष्ट्रपति को परमाणु युद्ध तक की आशंका दिखाई दे गयी थी झ में बीच-बचाव करके, उन्हें डांट-डपट कर, व्यापार के लॉलीपॉप दिखाकर, घुड़की देकर युद्धविराम करवा देने की खुद की उपलब्धि का बखान ट्रम्प बार-बार लगातार कर रहे हैं। इसकी आवृति और बारम्बारता इतनी है कि अब तो गिनती करना तक कठिन होता जा रहा है। 10 मई के बाद के 11 दिन में ट्रम्प ने 8 बार, हर बार कुछ नया मिर्च-मसाला जोड़कर युद्धविराम करवाने का दावा दोहराया। एक देश नहीं, सऊदी अरब और क़तर सहित तीन-तीन देशों के सार्वजनिक कार्यक्रमों में यही बात बोल-बोलकर सार्वजनिक रूप से भारत को उसकी हैसियत दिखाई है। 23 मई को न्यूयॉर्क स्थित अमरीका की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से जुड़े मामलों की संघीय अदालत में तो बाकायदा शपथपत्र दाखिल करके लिखा-पढ़ी में इसे उदाहरण के रूप में पेश किया है। टैरिफ बढ़ाने-घटाने के राष्ट्रपति के निरंकुश अधिकार को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में ट्रम्प प्रशासन के प्रतिनिधि ल्यूटनिक ने तीन न्यायाधीशों की पीठ के सामने शपथ पत्र देकर टैरिफ नीति की कारगरता बताई। उसने उदाहरण देते हुए कहा कि "भारत और पाकिस्तान - दो परमाणु शक्ति संपन्न देश जो सिर्फ़ 13 दिन पहले युद्ध अभियानों में लगे हुए थे - 10 मई, 2025 को एक अनिश्चित युद्ध विराम पर पहुँचे। यह युद्ध विराम केवल राष्ट्रपति ट्रम्प के हस्तक्षेप के बाद ही हासिल किया गया था और दोनों देशों को पूरी तरह युद्ध को रोकने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार करने की पेशकश की थी। इस मामले में राष्ट्रपति की शक्ति को बाधित करने वाला कोई भी प्रतिकूल निर्णय भारत और पाकिस्तान को राष्ट्रपति ट्रम्प की पेशकश की वैधता पर सवाल उठाने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिससे पूरे क्षेत्र की सुरक्षा और लाखों लोगों की जान को खतरा हो सकता है। इस तरह अब भारत को समर्पण कराना भी एक नजीर की तरह पेश किये जाने की नौबत आ गयी है। याद रहे कि भारत या पाकिस्तान में से किसी के भी युद्ध विराम का एलान करने के पहले झ सबसे पहले झजानकारी ट्रम्प ने ट्विटर एक्स पर दी थी। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक ट्रम्प के मुंह से कोई दर्जन भर बार यह दावा दोहराया जा चुका है - इनमें उपराष्ट्रपति वेंस और विदेश मंत्री माको रुबियो द्वारा किये गए ऐसे दावों का शुमार नहीं है। इस बीच एक नया ब्यौरा रूस के राष्ट्रपति पुतिन के विशेष सलाहकार यूरी उशाकोव ने जोड़ दिया है, जो ट्रम्प के सीजफायर दावे को प्रामाणिकता देता है। एक इंटरव्यू में उशाकोव ने कहा कि ह्लट्रम्प और पुतिन के बीच करीब 75 मिनट की बातचीत हुई, जिसमें परमाणु शक्ति सम्पन्न भारत और पाकिस्तान के बीच जंग एक अहम् मुद्दा थी। इसमें ट्रम्प ने बताया कि किस तरह वह इन दोनों देशों के बीच युद्ध विराम करवा रहे हैं। भले मोदी, उनके विदेश मंत्री और उनके सरसंघचालक से लेकर शाखा प्रमुख तक इतना सब होने पर भी मुसक्का बाँध कर बैठे हों, किन्तु विदेश विभाग के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल एक पत्रकार वार्ता में इसे अपरोक्ष रूप से स्वीकार कर चुके हैं। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने माना कि ह्लहाँ, युद्ध के दौरान अमरीकी उपराष्ट्रपति वेंस और प्रधानमंत्री मोदी तथा अमरीकी विदेश मंत्री माको रुबियो और विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच बातचीत हुई थी, मगर इसमें व्यापार की कोई बात नहीं थी।ह्ल इन पंक्तियों के बीच वह स्वीकारोक्ति छुपी है, जिसका खंडन करने को हिम्मत नहीं हो रही, क्योंकि यह बातचीत मौसम का हाल जानने के लिए नहीं थी - युद्ध रोकने की ही थी ! किसी संप्रभु देश, उसमें भी भारत जैसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे अधिक आबादी वाले देश के साथ इस तरह का बर्ताव, तीसरे देशों में जाकर उसका बार-बार दोहराया जाना सिर्फ कूटनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन ही नहीं है, सरेआम लज्जित और अपमानित करने वाला भी है। सवाल यह है कि दशकों से आमतौर से आत्मसम्मान की विदेश नीति पर चलने वाले और उसके चलते दुनिया भर में अपनी सम्मानजनक हैसियत बनाने वाले देश के साथ ऐसी नौबत क्यों, कैसे और किनके कारण आई है ? यह सवाल इसलिए अहम है, क्योंकि यह सिर्फ एक घटना नहीं है झ यह एक ऐसी फिसलन है, जो यदि अभी नहीं रोकी गयी, तो बहुत तेजी से रसातल में पहुंचा देगी। जी-7 की बैठक में ह्यटू बी ऑर नॉट टू बीह्न वाला ह्यकभी ख़ुशी कभी ग़मह्न एपिसोड ट्रम्पियापे पर हुए मोदियापे के नए सीजन का ही हिस्सा है। बाकी देशों को डेढ़-डेढ़ महीने पहले बुलावा भेजना, भारत को न्यौता देने में इतनी देर करना, महज सप्ताह भर पहले भेजे आमंत्रण में भी रूखी-सूखी भाषा का इस्तेमाल करना अभद्रता तो है ही, भारत की अभी हाल तक की अंतर्राष्ट्रीय हैसियत के मुताबिक़ भी नहीं है। जैसे देर से न्यौतना ही काफी नहीं था, सो यह भी बता दिया गया कि यह न्यौता भी सशर्त है। मेजबान देश कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी देते हुए कहा कि "हम अब, महत्वपूर्ण रूप से, कानून प्रवर्तन वार्ता जारी रखने के लिए सहमत हो गए हैं, इसलिए इस पर कुछ प्रगति हुई है, जो जवाबदेही के मुद्दों को पहचानती है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मोदी को निमंत्रण देने में यह एक कारक था। एक सूत्र ने टोरंटो स्टार को बताया कि यह मोदी को निमंत्रण देने के लिए "शर्तों" में से एक था। कनाडा दुनिया के उन कुछ देशों में से एक है, जहां भारतीय मूल के नागरिकों की भरी-पूरी आबादी है और उसकी काफी हद तक निर्णायक भूमिका भी है। कार्नी यहीं तक नहीं रुके, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि 15-17 जून को कनानसकीस, अल्बर्टा में होने वाला जी-7 शिखर सम्मेलन "शांति और सुरक्षा को मजबूत करने, विदेशी हस्तक्षेप के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय अपराध का मुकाबला करने और जंगल की आग के लिए संयुक्त प्रतिक्रियाओं में सुधार" पर केंद्रित होगा। यह उन तीन प्राथमिकताओं में से पहली है, जिन्हें कार्नी ने शिखर सम्मेलन के लिए रेखांकित किया है। खालिस्तानी पृथकतावादी निज्जर की हत्या के बाद कनाडा द्वारा भारत सरकार पर लगाए गए आरोपों के मद्देनजर यह मोदी सरकार के बारे में कनाडा द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं को साफ़-साफ़ दर्ज करता है। उस शर्त की तरफ भी इंगित करता है, जो आख़िरी समय पर दिये गये बुलावे के साथ जुड़ी बताई गयी हैं। मगर एक तो बात इतनी भर नहीं है और दूसरे ये कि न्यौते को लटकाकर रखने के पीछे सिर्फ कनाडा भर नहीं है झ अंदरखाने बहुत कुछ हुआ है, डील और भी हैं। जी-7 के न्यौते के साथ ही भारत सरकार ने एलान किया है कि वह डालर की जगह किसी स्थानीय करेंसी के उपयोग के ब्रिक्स के प्रस्ताव के साथ नहीं जाएगी। यह मांग असल में अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने मोदी के सामने पत्रकार वार्ता में तब की थी, जब वे उन्हें चुने जाने की बधाई देने गए थे। ट्रम्प ने ब्रिक्स को बंद कर देने तक की हिदायत दी थी और मोदी दन्त-मुख व्यायाम करते रहे थे, जबकि दक्षिण अफ्रीका, यहाँ तक कि यूक्रेन जैसे देश भी ट्रम्प के बडबोलेपन का जवाब उसके मुंह पर देकर आये थे। ब्रिक्स अमरीकी वर्चस्व वाली एकध्रुवीयता के मुकाबले के लिए बना संगठन है। भारत इसके संस्थापक सदस्यों में से एक है। उसके अलावा ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका इसमें हैं, कुछ और देश इसमें शामिल हुए हैं और अनेक अन्य देश इसकी सदस्यता की कतार में हैं। ब्रिक्स बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशो का संगठन है, जिनका दुनिया की जीडीपी में 35% हिस्सा है, जबकि जी-7 का हिस्सा सिर्फ 30% है। ब्रिक्स गठबंधन के देश हर पैमाने से जी-7 देशों की तुलना में मजबूत हैं और लगातार आगे की ओर बढ़ रहे हैं, जबकि इससे उलट जी-7 देशों की अर्थव्यवस्थाएं गिरावट की ओर हैं। वर्ष 2000 में, दुनिया की कुल जीडीपी में जी-7 देशों की हिस्सेदारी 40% से अधिक थी, लेकिन 2024 तक यह 30% से नीचे गिर गई। यह गिरावट मुख्य रूप से चीन, भारत, ब्राजील के आर्थिक विकास के कारण है और मैन्युफैक्चरिंग से लेकर उपभोग तक चौतरफा है । ब्रिक्स संगठन का एक बड़ा लक्ष्य अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता को कम करना है। वैश्विक लेन-देन में डॉलर के प्रभुत्व से इन देशों की असहमति है। डॉलर पर टिकी प्रणाली बाकी देशों को पश्चिमी प्रतिबंधों के अधीन कर देती है। इसलिए ब्रिक्स ने शुरू से ही व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने और गैर-डॉलरीकरण की दिशा में कदम बढ़ाने का समर्थन किया है। ब्रिक्स देश एक दशक से भी अधिक समय से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की प्रधानता को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। बात तो यूरोपियन यूनियन की यूरो जैसी ब्रिक्स की अपनी मुद्रा बनाने तक की हुई है। डॉलर के स्थान पर किसी नई मुद्रा को अपनाने से सबसे अधिक फायदा ब्रिक्स देशों को हो सकता है। हाल के वर्षों में इन देशों ने अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता घटाने की दिशा में कुछ, भले ही सीमित प्रयास किये हैं। खुद भारत अपनी मुद्रा की मांग बढ़ाने के प्रयत्न करता रहा है। बड़े तेल उत्पादकों के साथ गैर-डॉलर भुगतान आधारित तेल बिक्री पर बातचीत करने का प्रयास किया है। चीन ने सऊदी अरब से ऐसे करार किये, भारत ने रुपए में तेल की कीमत तय करने के लिए यूएई के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इसी वर्ष ब्रिक्स की बैठक होने वाली है, जिसका जिकरा जी-7 का न्यौता न मिलने पर खुद मोदी प्रचारकों ने बड़े जोर-शोर से किया था ; उन्होंने कहा था कि जी-7 में नहीं बुलाया तो क्या, ब्रिक्स में तो जाईबेई करेंगे। बात साफ़ है कि जी-सेवेनिये उजड़ते नवाबों के साथ दस्तरखान पर सिवैयां खाने से पहले ही उसकी कीमत चुकाई जा रही है ; हालांकि आशंका बनी हुई है कि जी-7 के पीरे मुगा ट्रम्प यहाँ कही इन्हीं के सामने तेरहवीं बार फिर से युद्धविराम कराने का जिक्रन छेड़ दें। अगर कहीं ऐसा हुआ, तो लिखकर रख लीजिये कि मोदी अत्यंत शिष्ट, मृदु और अल्पभाषी व्यक्ति होने का परिचय देंगे और उनके सामने कुछ नहीं बोलेंगे। बकौल मोदी चौथी और यूं पांचवी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद मोदी और उनकी सरकार इतने दबाव में क्यूँ हैं ? दक्षिण अफ्रीका में हवाई अड्डे पर रिसीव करने वहां के राष्ट्रपति के न आने, नेपाल के इनके कहने पर चलने से इंकार कर देने, श्रीलंका के अपना रास्ता खुद चुनने जैसी हर बात पर फूफागिरी दिखाने वाले मोदी ट्रम्प और जी-7 के सामने इतने सहमे-सहमे से क्यूँ हैं ? इसलिए कि उनकी विचारधारा ही साम्राज्यवाद की मातहती की विचारधारा है। संघ-जनसंघ से भाजपा तक साम्राज्यवादी अमरीका इनका आराध्य रहा है। उसके लघेन्टे बनना इनका सपना रहा है। ट्रम्प युग का अमरीका तो और भी सगा वाला नजर आता है। फिर इन दिनों अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूँजी का अपना ही अल्गोरिथम है। वह सत्ता के साथ अपनी रही-सही दिखावटी आड़ भी ख़त्म कर देने की हड़बड़ी में है। ट्रम्प और मस्क के बीच फूट रही फुलझड़ियाँ इसी की एक झलक हैं। उस पर नकली सोने में फर्जी सुहागा यह है कि इधर वाले के अपने मस्क हैं, जिनका नाम अडानी और अम्बानी है। उन्हें भी अब बड़े अखाड़ों में खेलना है झ उस एवज में भले ही देश को कितना ही घाटा या जोखिम क्यों न उठानी पड़े ; उनके राजनीतिक चाकरों को सौ प्याज के साथ सौ जूते ही क्यों न खाने पड़े। अम्बानी और मित्तल को कहार बनाकर स्टारलिंक को अपनी पालकी भारत में पधराने की अनुमति इसी श्रृंखला में देखी जानी चाहिए। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा का क्या होगा, लोगों की निजता कितनी बचेगी, इन्टरनेट की उपलब्धता कितनी महंगी होगी, यह सब चिंताएं देसी और विदेशी कारपोरेट के मुनाफों के बोझ तले दम तोड़ देती हैं। यही है फासीवाद की वह नयी किस्म, जो पूँजी की जनरेशन एक्स के पालने में पलती है। इस सरेंडर से ध्यान बंटाना है। जनता का जो हिस्सा और यह बड़ा हिस्सा है झ इस सबको गलत मानता है, उसे भुलावे में डालना है, तो नरेंदर सड़कों पर तफरीह करने निकलते हैं। लगभग सारे उद्योग-धंधे, व्यापार-व्यवसाय, बैंक-बीमा विदेशी पूँजी और उसके साथ जूनियर पार्टनरी करने वाले देसी धनपिशाचों के हवाले करने के बाद छोटी आँखों वाले गणेश न खरीदने, हर विदेशी माल का बहिष्कार करने का ऐसा नारा दे रहे हैं, जिसके बारे में उन्हें पता है कि इसे न लागू होना है, न इन्हें करवाना है। इनके मात-पिता संगठन को भी अपने उस स्वदेशी आन्दोलन की सुध आने लगती है, जिसे दशकों पहले स्वयं इन्हीं ने अपने कर कमलों से कब्र में सुलाकर गोभी उगाये थे। यह विचित्र समय है, सचमुच का विचित्र समय !! मगर स्थायी नहीं है। इससे पहले भी ऐसे समय आये हैं, जनता उनसे बाहर निकली है, दुनिया को भी साबुत सलामत बाहर निकाला है। उसके पास कुंजी है झ एकजुट, जुझारू और कारगर प्रतिरोध की कुंजी। दुनिया भर में इस तरह के उभार सामने आ रहे हैं, खुद अमरीका भी उबलने के बिंदु तक पहुँच रहा है। भारत के मेहनतकश खासतौर से पिछली 34 वर्षों के नवउदार युग के संघर्षों की भट्टी से गुजरते हुए सक्षम हो चुके हैं। यही रास्ता है इसी तरह होना चाहिए ऐसा ही होगा।

**(लेखक लोकजतन के संपादक )**

## संपादकीय

# लापरवाही की परत दर परत

अहमदाबाद में पिछले सप्ताह एअर इंडिया का एक विमान उड़ाने भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके बाद बीते रविवार को केदारनाथ के पास श्रद्धालुओं को लेकर आ रहा हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक बच्ची समेत सात लोगों की मौत हो गई। उसी दिन 242 हज यात्रियों को लेकर जेद्दा से लखनऊपहुंचे सऊदी एअरलाइंस के एक विमान के उतरते समय उसके पहियों से धुआं निकलने की घटना हुई। सोमवार को दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के एक विमान को तकनीकी खराबी के कारण वापस हांगकांग जाना पड़ा। इन सभी घटनाओं ने हवाई यात्रा की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या उड़ान परिचालन के नियमों और दिशा-निर्देशों में कहीं कोई खामी है या फिर इनका पालन करने में कोताही बरती जा रही है ? इस तरह के हादसों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार से लेकर विमानन कंपनियों की ओर से धरातल पर पुख्ता बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए हैं ? उत्तराखंड में केदारनाथ के पास गौरीकुंड में हुए हेलिकाप्टर हादसे ने इन सवालों को और गंभीर बना दिया है। इस हेलिकाप्टर का संचालन कर रही कंपनी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। पुलिस में दर्ज मामले में कहा गया है कि हेलिकाप्टर के संचालन के लिए सुबह छह से सात बजे तक का प्रथम स्लाट आबंटित किया गया था, जबकि यह दुर्घटना उससे पहले ही सुबह साढ़े पांच बजे हुई है। अगर यह दावा सही है, तो साफ है कि हेलिकाप्टर ने तय समय से पहले ही उड़ान भर ली थी। उस दिन सुबह से ही धुंध छाई हुई थी और उड़ान भरने से पहले मौसम की स्थिति को ठीक से नहीं जांचा गया। कोई दोराय नहीं है कि चारधाम यात्रा के लिए हेलिकाप्टर सेवाएं श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक हैं। खासकर बच्चों व बुजुर्गों को, जिनके लिए यह यात्रा मुश्किल भरी होती है। मगर, हवाई यात्रा को सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी राज्य व केंद्र सरकार पर भी है। राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे के बाद कहा कि चारधाम में सेवा दे रहे पायलटों के हिमालयी क्षेत्रों में उड़ान अनुभवों की जांच होगी। मगर, सवाल यह है कि कोई बड़ा हादसा होने से पहले ही एहतियाती तौर पर इस तरह के इंतजाम क्यों नहीं किए जाते। इस साल चारधाम मार्ग पर हादसे या हेलिकाप्टर को आपात स्थिति में उतारने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले आठ मई को उत्तरकाशी के गंगनानी में निजी कंपनी का हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। ऐसी ही एक भयावह घटना रविवार को महाराष्ट्र के पुणे में हुई, जहां इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल ढह गया। इस पुल को जिला प्रशासन ने खतरनाक घोषित किया था और चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए थे। पर क्या सिर्फ चेतावनी बोर्ड लगाने से सरकार व प्रशासन की जिम्मेदारी पूरी हो जाती है ? अगर वह जीर्णावस्था में था, तो पर्यटकों के वहां जाने पर पूर्ण रोक क्यों नहीं लगाई गई। किसी भी स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही के लिए जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई बड़ी अनहोनी न हो।

# स्वतंत्रता की पहली शहीद - रानी, माँ, योद्धा

**रीतेश कुमार जैन**

18 जून 1858 - वह तारीख जब भारत की धरती ने न केवल एक रानी को खोया, बल्कि एक ऐसी क्रांति की ज्वाला को वीरगति प्राप्त करते देखा, जिसने अंग्रेजी साम्राज्य की नींव को हिलाकर रख दिया। ग्वालियर के रणक्षेत्र में, अपने पुत्र को पीठ पर बांधे, तलवार से दुश्मनों को चीरती हुई रानी लक्ष्मीबाई ने न केवल युद्ध लड़ा, बल्कि स्वतंत्रता की उस अग्नि को प्रज्वलित किया, जो आज भी हर भारतीय के हृदय में धधकती है। वह पल केवल एक योद्धा का अंत नहीं था, वह इतिहास के स्वर्णिम पन्नों पर अमर होने वाली एक अनुपम गाथा का प्रारंभ था। रानी लक्ष्मीबाई की गाथा - साहस, बलिदान और स्वाभिमान की गाथा। रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर 1828 को वाराणसी में हुआ। बचपन में 'मनु' कहलाने वाली यह बालिका साधारण नहीं थी। घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्धकला में निपुण मनु ने बचपन से ही यह सिद्ध कर दिया था कि वह नारीत्व की पारंपरिक परिभाषाओं को तोड़ने के लिए जन्मी है। उनके पिता मोरोपंत तांबे और माता भागीरथी बाई ने उन्हें न केवल संस्कार दिए, बल्कि स्वतंत्र चेतना और साहस का वह बीज बोया, जो आगे चलकर झांसी की रानी के रूप में अंकुरित हुआ। विवाह के पश्चात झांसी के राजा गंगर राव की रानी बनने के बाद, लक्ष्मीबाई ने अपने प्रशासनिक कौशल और प्रजा-प्रेम से झांसी को समृद्ध किया। किंतु, नियति ने उनके लिए एक कठिन मार्ग चुना। 1853 में राजा गंगाधर राव के निधन और उनके दत्तक पुत्र दामोदर राव को उत्तराधिकारी मानने से अंग्रेजों के इंकार ने झांसी के लिए संकट ला खड़ा किया। ब्रिटिश सरकार ने 'डॉक्टिन ऑफ लैप्स' के तहत झांसी को अपने साम्राज्य में मिलाने की साजिश रची। उस समय रानी लक्ष्मीबाई का वह ऐतिहासिक कथन - "मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी" - केवल एक प्रतिज्ञा नहीं थी, यह अन्याय के विरुद्ध उठा एक ऐसा स्वर था, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी बना। यह वाक्य न केवल झांसी की रक्षा का संकल्प था, बल्कि समूचे भारत के स्वाभिमान की हुंकार था। 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भारत के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ था, और रानी लक्ष्मीबाई इस क्रांति की प्रखर नायिका के रूप में उभरीं। उन्होंने न केवल झांसी की रक्षा के लिए सेना को संगठित किया, बल्कि महिलाओं को युद्धकला में प्रशिक्षित कर एक नया इतिहास रचा। झलकारी बाई, सुंदर-मुंदर जैसी वीरांगनाएं उनकी प्रेरणा से रणभूमि में उतरीं और अंग्रेजों के दांत खट्टे किए। रानी का युद्ध-कौशल और रणनीति इतनी प्रभावशाली थी कि ब्रिटिश सेनानायक ह्यू रोज़ ने स्वयं उनकी प्रशंसा की। झांसी के किले की रक्षा में रानी ने जिस अदम्य साहस का परिचय दिया, वह किसी भी सैन्य इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। जब झांसी का किला अंग्रेजों के हाथों में चला गया, तब भी रानी ने हार नहीं मानी। अपने पुत्र को पीठ पर बांध, घोड़े पर सवार होकर वह काल्पी पहुंचीं। वहां से तात्या टोपे और अन्य क्रांतिकारियों के साथ मिलकर उन्होंने ग्वालियर पर कब्जा कर लिया। ग्वालियर में रानी ने न केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया, बल्कि अपनी कूटनीतिक सूझबूझ से क्रांति को नई दिशा दी। किंतु अंग्रेजों ने कोटा की सराय में उन्हें घेर लिया। 18 जून 1858 को, मात्र 29 वर्ष की आयु में, रानी लक्ष्मी ने अपने अंतिम युद्ध में बलिदान दे दिया। कहा जाता है कि वह अंत तक लड़ीं, और अपनी तलवार की धार से दुश्मनों को पीछे धकेलती रहीं। उनकी मृत्यु एक देह का अंत नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रेरणा का जन्म था, जो आज भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की नींव में बस्ती है। रानी लक्ष्मीबाई का जीवन केवल युद्ध की कहानी नहीं, यह नेतृत्व, आत्मबल और रणनीति का एक जीवंत पाठ है। एक युवा रानी, जिसने राजनीतिक कूटनीति, प्रशासनिक कौशल और सैन्य संगठन को अपने साहसिक निर्णयों से जोड़ा, वह केवल रणभूमि की नायिका नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जागरण की अग्रदूत थीं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता किसी जाति, वर्ग या लिंग की बपौती नहीं, बल्कि हर उस आत्मा का अधिकार है, जो अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस रखती है। उनकी ज्वाला ने न केवल 1857 की क्रांति को प्रेरित किया, बल्कि महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के हृदय में स्वतंत्रता की चिंगारी जलाई। रानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि पर उन्हें स्मरण करना केवल एक रस्म नहीं, बल्कि एक आत्ममंथन है। क्या हम उस स्वतंत्रता के सच्चे उत्तराधिकारी हैं, जिसके लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी ? उनका जीवन हमें सिखाता है कि स्वाधीनता कोई उपहार नहीं, बल्कि तप, त्याग और संघर्ष से अर्जित किया जाने वाला अधिकार है। उन्होंने भारतीय नारी की उस शक्ति को प्रदर्शित किया, जो जब जागती है, तो साम्राज्यों को भस्म कर सकती है। उनकी तलवार की चमक आज भी इतिहास के पन्नों से झांकती है, उनकी आवाज आज भी हर उस आत्मा को पुकारती है, जो स्वाभिमान के लिए जीती है।रानी लक्ष्मीबाई चली गईं, पर वे अमर हो गईं। उनकी गाथा केवल झांसी की कहानी

# 'स्टार्टअप्स' के लिए जरूरी है, समझ की तब्दीली

**अरविंद सरदाना**

टेक्नालॉजी में शोध की नींव कमज़ोर है तो स्टार्टअप हवा से प्रकट नहीं होंगे। शोध में निवेश करना सरकार का काम है। कई दशकों से चीन इस दिशा में बड़ी मात्र में निवेश कर रहा है। वर्तमान उदाहरण ही लें तो इस समय चीन का रिसर्च और डेवलपमेंट का बजट 715 अरब डॉलर है जो भारत से दस गुना अधिक और कई सुनियोजित प्लानिंग के साथ किया गया है। हाल ही में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक मीटिंग में भारत के स्टार्टअप्स को फटकार लगाते हुए कहा कि भारत के स्टार्टअप दुकानदारी-नुमा नवाचार कर रहे हैं। मेहनती हैं, किन्तु केवल बाज़ार व्यवस्था में खरीदने-बेचने के नए तरीके के ही प्रयोग कर रहे हैं। इसकी तुलना में चीन में अधिकांश स्टार्टअप तकनीकी क्षेत्र में प्रयोग करते हुए प्रगति की राह पर चल रहे हैं। मंत्री जी का यह कथन सही है, लेकिन क्या इसमें स्टार्टअप का दोष है या सरकारी नीतियों की कमी और उनकी दूरदृष्टि का अभाव ? भारत में किसी भी स्टार्टअप के मूल में दो बातें देखी जाती हैं झ एक, नवाचार और दूसरी, बाज़ार में सफलता ! नवाचार की दृष्टि से यह परखा जाता है कि उस विचार में कितना दम है, क्या यह प्रयोग करने योग्य है ? साथ-ही-साथ यह प्रश्न भी पूछा जाता है कि क्या यह बाज़ार में चल पायेगा ? हम यह भूल रहे हैं कि बाज़ार का आकलन बहुत दूरदृष्टि का नहीं हो सकता। एक विचार जो पुख्ता है, लेकिन उसके बाज़ार में टिकने की सम्भावना नहीं है, ऐसे स्टार्टअप को वित्तीय मदद कौन करेगा ? टेक्नालॉजी में अधिकांश नए विचार शोध के क्षेत्र में होते हैं जो विश्वविद्यालयों या विशेष शोध-संस्थानों में किए जाते हैं। इनमें से कई विचारों को बाजार में उतरने में कई बरस या दशक लग जाते हैं तब जाकर स्टार्टअप की कल्पना की जा सकती है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान एवं टेक्नालॉजी में शोध करने वाले कई असफलताओं से गुज़रकर ज्ञान के भंडार को पुख्ता करते हैं। यदि टेक्नालॉजी में शोध की नींव कमज़ोर है तो स्टार्टअप हवा से प्रकट नहीं होंगे। शोध में निवेश करना सरकार का काम है। कई दशकों से चीन इस दिशा में बड़ी मात्र में निवेश कर रहा है। वर्तमान उदाहरण ही लें तो इस समय चीन का रिसर्च और डेवलपमेंट का बजट 715 अरब डॉलर है जो भारत से दस गुना अधिक और कई सुनियोजित प्लानिंग के साथ किया गया है। हमारे एक विज्ञान के साथी ने एक घटना सुनाई जो इस बात को दर्शाती है। दो दशक पहले जब वे जर्मनी के एक लैब में अपना पोस्ट-डॉक्टरेट काम कर रहे थे तो उनके जैसे कई स्टूडेंट चीन से थे, पर खास बात यह थी कि चीन के छात्रों के साथ उनकी मदद करने वाले एक सीनियर वैज्ञानिक भी थे जो इस बात का भी आकलन कर रहे थे कि हम यह लैब चीन में कैसे बना सकते हैं। उन्होंने चीन सरकार को इसकी रिपोर्ट पेश की और एक दशक बाद चीन की यूनिवर्सिटी से उस प्रकार के उच्चतम स्तर के शोधपत्र निकल रहे थे जो इस बात को सिद्ध करता था कि उनके देश में उस प्रकार के लैब बन गए थे। इसे एक अन्य उदाहरण से भी समझा जा सकता है। चीन के बाद भारत मोबाइल फ़ोन का सब से बड़ा निर्यातक है, पर दोनों में खास अंतर है। चीन में जब मोबाइल फ़ोन बनता है तो उसका लगभग 90 फीसदी तकनीकी हिस्सा चीन में ही बनाया जाता है। भारत में बनने वाले मोबाइल फ़ोनों के 75 फीसदी तकनीकी पार्ट्स बाहर से आयात किए जाते हैं। इस प्रकार के तकनीकी उद्योग जो मोबाइल फ़ोन के अलग-अलग खास पार्ट्स बना पाएं, उनको भारत सरकार एक इको-सिस्टम में नहीं ढाल पाई। तकनीकी उद्योग की नींव में जो शोध होना चाहिए वह भी नहीं बन पाया है। इसका एक कारण है कि हमने इंफ्रास्ट्रक्चर को केवल सड़क, पानी और बिजली तक सीमित रखा है। ये सब उपलब्ध हों तो निजी उद्यमी अपने आप उद्योग का निर्माण करेंगे, किन्तु आज के समय के लिए यह समझ अधूरी है। इंफ्रास्ट्रक्चर का अहम हिस्सा है तकनीकी ज्ञान भंडार और उसमें कुशल मानव संसाधन। यदि यह देश में उपलब्ध नहीं है तो सरकार का काम है उसे उपलब्ध करवाए। इसमें सरकार की कई भूमिकाएं हैं - खुद कारखानों में निवेश करना व चलाना, शोध के लिए विशेष कदम उठाना और उन विदेशी कम्पनियों को लाना जिनके पास यह टेक्नालॉजी है। इन क़दमों के बिना इस प्रकार के उद्योग नहीं लग सकते। तकनीकी ज्ञान आपको आसानी से कोई नहीं देगा। हम 'मेक इन इंडिया' करना चाहते हैं। नारा सही है, पर उसकी कारगर नीति नज़र नहीं आती। उद्योग के लिए ज़रूरी है नए कारखाने लगें और एक तरह का जाल या आपसी सम्बन्ध बने जहां एक का सामान दूसरा उपयोग करता हो। देश के लिए औद्योगीकरण में गहराई तभी बनती है, जब किसी भी सामान को बनाने के अधिकांश पार्ट्स हम देश में बना सकते हैं। यहां विस्तृत योजना की ज़रूरत है। कुछ क्षेत्रों में सरकार को खुद निवेश करना होगा। वर्तमान समय के अध्ययन बताते हैं कि हम कारखानों के लिए ज़रूरी सामान का बड़ा हिस्सा आयात कर रहे हैं। अधिकांश चीन पर निर्भर हैं। प्राइवेट सेक्टर को जब तक सस्ता आयात करने का अवसर रहेगा तब तक वह इस दिशा में निवेश नहीं करेगा। उसकी सोच 'दुकानदारी' की होती है, दूरगामी नहीं। उदाहरण के लिए हम दवा उद्योग के क्षेत्र में अव्वल हैं, परन्तु इसका बहुत सारा ज़रूरी सामान चीन से आयात होता है। यदि यही सामान देश में बनाना है तो सरकार को खुद निवेश करना होगा और उसका तकनीकी ज्ञान हासिल करना होगा। हम इस नारे में फंस गए हैं कि सरकार को कारखाने नहीं लगाने चाहिए। नतीजे में ज़रूरी बुनियादी उद्योग की अवधारणा को भूलकर नेहरूवादी आद्योगिकीकरण को नकारा बताने की निरर्थक बहस में मशगूल हो गए हैं। इन सभी कारणों को मिलाकर देखें तो दुकानदारी-नुमा स्टार्टअप का बनना हमारे वातावरण की उपज है। हमने ऐसा माहौल तैयार नहीं किया है जहां सरकार तकनीकी शोध में अधिक निवेश करती हो, जहाँ 'सार्वजनिक क्षेत्र' के उद्योगों द्वारा बुनियादी क्षेत्र में निवेश किया जा रहा हो या फिर विशेष कम्पनियों को टेक्नालॉजी ट्रान्सफर के लिए सरकारी कम्पनी के साथ अनुबंध किया जाए। हमारी नीतियां बाज़ार व्यवस्था में प्रोत्साहन देने पर टिकी हैं जिससे वातावरण बन जायेगा और निजी क्षेत्र स्वाभाविक रूप से तकनीकी ज्ञान की भरपाई कर लेगा। इस सोच को बदलने की ज़रूरत है।

**(लेखक 'एकलव्य फॉउन्डेशन' के पूर्व-निदेशक हैं।)**

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

## संक्षिप्त समाचार

### उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त-सह- जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा जनता दरबार का आयोजन

**अजय कुमार कुशवाहा आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो**
साहिबगंज उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त- सह- जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।
इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके। ज्ञात हो कि हर सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

### तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार युवक को मारा जोरदार टक्कर अस्पताल में भर्ती

**आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam**
**साहिबगंज।** जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक किशोर व एक युवक को टक्कर मार घायल कर दिया।मिली जानकारी के अनुसार बड़ा पचगढ़ निवासी ईश्वर शर्मा का 22 वर्षीय पुत्र अजय कुमार शर्मा व बड़ा पचगढ़ निवासी संजय रविदास का 14 वर्षीय पुत्र राजीव कुमार दास दोनों साइकिल से किसी काम को लेकर जा रहा था, जहां साक्षरता मोड़ के पास चावल से लदा तेज रफ्तार ट्रक ने दोनों साइकिल सवार को पीछे से टक्कर मार दिया, जहां बीच सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। वहीं राहगीरों ने घटना की सूचना जिरवाबाड़ी थाना पुलिस को दी, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर ट्रक को अपने कब्जे में लेकर जप्त कर लिया। वहीं घायलों को पुलिस ने इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने दोनों घायलों का इलाज किया। पुलिस केस दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

### हाई स्कूल के सभागार में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन समाजसेवी सुमन कुमार के सौजन्य से किया गया

**आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam**
**साहिबगंज।** बरहरवा मंगलवार को बरहरवा हाई स्कूल के सभागार में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन समाजसेवी सुमन कुमार के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने अभूतपूर्व परिणामों से विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया। कार्यक्रम के दौरान आर्ट्स और साइंस संकाय के शीर्ष 5 विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही, उन शिक्षकों को भी सम्मान प्रदान किया गया, जिनके समर्पण और शिक्षण-कर्तव्य के कारण यह सफलता संभव हो सकी। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य अभिनव शास्त्री ने अपने संबोधन में कहा ÷ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाते हैं और उन्हें भविष्य में और बेहतर करने के लिए मानसिक रूप से प्रेरित करते हैं। सभी सम्मानित छात्र-छात्राएं: कला संकाय
जयंती मंडल - 451 अंक,
नेहा कुमारी - 450 अंक,
समृद्धि कुमारी - 449 अंक,
विश्वनाथ कुमार - 448 अंक,
काजल कुमारी - 434 अंक,
विज्ञान संकाय
नेहा कुमारी - 439 अंक,
इशरत परवीन - 432अंक,
शिवांगी भगत - 425 अंक,
सौम्या रानी - 424 अंक,
वंदना कुमारी - 412, ध्रुव रमानी- 391 अंक, इन सभी विद्यार्थियों को गुलदस्ता और प्रमाणपत्र भेंट कर समाजसेवी सुमन कुमार एवं प्रधानाचार्य अभिनव शास्त्री द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं क्षेत्रीय नागरिकों की उपस्थिति ने समारोह को और अधिक गरिमामय बना दिया।

# डीसी हेमंत सती ने सिविल सर्जन डॉ प्रवीण संथालिया को जांच करने का आदेश दिया

**आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता**
**साहिबगंज।** बोरियो प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरियो में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं व अन्य योजनाओं को लेकर डीसी हेमंत सती ने सिविल सर्जन डॉ प्रवीण संथालिया को जांच करने का आदेश दिया था, जिसकी सिर्फ खानापूर्ति की कोशिश हुई है।बता दें कि 24 अप्रैल को बोरियो प्रखंड प्रमुख शान्ति बास्की ने अपने लैटर पैड के माध्यम से डीसी सह जिला स्वास्थ समिति के अध्यक्ष को सामूदायिक स्वास्थ केंद्र बोरियो में स्वास्थ व्यवस्थाओं की अत्यंत ही खराब होने का आरोप लगाया था। शिकायत में कहा गया था कि आदिवासी बहुल बोरियो प्रखंड में एक मात्र सीएचसी है जहां स्वास्थ व्यवस्था की स्थिति अत्यंत नाजुक है। बोरियो सीएचसी में पदस्थापित प्रभारी बीपीएम विष्णु भगत पर सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय कार्यक्रमों में पैसा वसूली व भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था, बीपीएम का मूल कार्य परिवार कल्याण काउंसलर के रुप में है, जिसका कार्य भी सुचारू ढंग से नहीं करने का आरोप लगाया गया था। प्रमुख ने किसी स्थाई एवं काबिल कर्मचारी को बीपीएम का अतिरिक्त प्रभार देने की बात कही थी ताकि स्वास्थ व्यवस्था सुचारू रूप से चले। इस अस्पताल में पदस्थापित एमबीबीएस चिकित्सकों में डॉ चन्दन कुमार, डॉ कुलदीप कुमार, डॉ मुकेश कुमार (अनु.) डीएमएफटी जिला अस्पताल साहेबगंज में प्रतिनियुक्त कर दिए गए हैं, जिस वजह से इनकी सेवा बोरियो सीएचसी में एक भी दिन नहीं दी जाती है, जो कि पदस्थापना का खुलम-खुल्ला उल्लंघन है। आरबीएसके कार्यक्रम का कार्य सिर्फ़ कागजों में चलने का आरोप लगाया गया था। पूर्व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सलखु चंद्र हांसदा, सीएचसी बोरियो उनके सेवा अवधि का ऑडिट कराने की बात कही गई थी, ताकि गड़बड़ी व घोटाले की पोल खुल सके। रात्रि सेवा रोस्टर व दवा स्टॉक तालिका का पालन नहीं होने, रात्रि रोस्टर में कोई भी एमबीबीएस चिकित्सक नहीं रहने, दवा सम्बन्धित कमियों को लेकर जांच की मांग की गई थी। जिसके बाद डीसी ने सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को जांच करने का आदेश दिया था। सूत्रों के मुताबिक 14 मई को सिविल सर्जन ने जांच टीम का गठन कर दिया। जांच टीम में उन्हीं स्वास्थ कर्मियों को रखा गया जो खुद ही इस बड़े स्वास्थ घोटाले में संदेहास्पद थे। जांच के नाम पर टीम बनाकर खानापूर्ति करने की कोशिश की गई लेकिन कारवाई किस तरह हुई इसकी भनक तक नहीं लगी। क्योंकि ऊपर से लेकर नीचे तक संगठित स्वास्थ कर्मियों या पदाधिकारियों के कारनामे सामने आ सकते थे। कूल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि डीसी के आदेश का अवहेलना किया गया, ताकि भ्रष्टाचारियों की पोल खुल ना जाए।

# 11.11 करोड़ की लागत से पांच सड़कों का माननीय विधायक ने कार्य शुभारंभ कराए

**आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam**
**साहिबगंज।** राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा जी ने मंगलवार को 11 करोड़ 11 लाख की लागत से बनने वाले पांच सड़क का कार्य शुभारंभ कराएं. जिसमें चार सड़क राजमहल प्रखंड एवं एक सड़क साहिबगंज प्रखंड क्षेत्र में किया गया है. विधायक ने कहा कि सभी ग्रामीण सड़क ग्रामीणों के लिए लाइफलाइन है इसलिए इन सड़कों का बेहतर होना काफी जरूरी है. झारखंड सरकार लगातार ग्रामीण सड़कों को सुदृढ़ीकरण कर बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है. उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सभी वैसी लाइफ लाइन सड़क इसके निर्माण की आवश्यकता है बारी-बारी से सभी का निर्माण होगा. सड़कों को चिन्हित कर विभाग को डीपीआर तैयार करने के लिए अनुशंसा भी किया गया है जिस पर संबंधित विभाग कार्य कर रही है. विधायक ने राजमहल प्रखंड के कालीबाड़ी चौक से कछुआकोल तक, नया बाजार मोड से पूर्वी नारायणपुर पंचायत भवन तक, नया बाजार जामनगर रोड से कॉलोनी नंबर 3 भाया कॉलोनी नंबर एक खोचपाडा तक, बाबूपुर से हाथीगढ़ मोड भाया प्राइमरी हेल्थ सेंटर तक एवं साहिबगंज प्रखंड के संविदा नल से जमनी फाटक भाया पलटनगंज तक सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य को शुभारंभ कराया. मौके पर विधायक प्रतिनिधि सह झामुमो युवा मोर्चा जिला सचिव मो मारूफ, प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, मध्य नारायणपुर की मुखिया रिजवाना कासमी, मो अफजल, मोहम्मद दिलजान शेख, मुर्शीद राजा, शाहिद रिजवी, खुर्शीद आलम, आकिब अनिस , स्मित चौरसिया, लुखीराम मुर्मू सहित अन्य मौजूद थे.

# बाल श्रम के विरुद्ध श्रम विभाग की सख्त कार्रवाई

## बाल श्रमिक का सफल रेस्क्यू, संबंधित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

**आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता**
**साहिबगंज।** श्रम विभाग, साहिबगंज द्वारा गोडबाड़ी हटिया स्थित जनता गैरेज से एक नाबालिग बालक को श्रमिक के रूप में कार्यरत पाए जाने पर सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। बाल श्रम उन्मूलन के दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कार्रवाई मानी जा रही है, जिससे समाज में बाल श्रम के प्रति जागरूकता और कानूनी भय का संदेश जाएगा। श्रम विभाग की इस कार्रवाई में श्रम अधीक्षक धीरेंद्र महतो के नेतृत्व में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी गिरीश चंद्र प्रसाद, चाइल्ड लाइन से इकबाल एवं अमन साथ ही स्थानीय पुलिस बल के पदाधिकारी भी शामिल रहे। रेस्क्यू के दौरान यह पाया गया कि संबंधित प्रतिष्ठान में कार्यरत नाबालिग से नियमित रूप से कार्य कराया जा रहा था, जो कि बाल श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम 1986 उल्लंघन के अंतर्गत आता है। बालक को तत्काल वहां से मुक्त कराकर आवश्यक काउंसलिंग एवं पुनर्वास की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।
श्रम विभाग द्वारा बाल श्रमिक को रेस्क्यू करने के पश्चात संबंधित प्रतिष्ठान मालिक के विरुद्ध बाल श्रम निषेध अधिनियम से संबंधित धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस विभाग द्वारा भी मामले की गहन जांच प्रारंभ कर दी गई है, ताकि भविष्य में इस प्रकार के प्रकरणों की पुनरावृत्ति न हो। श्रम अधीक्षक धीरेंद्र महतो ने इस अवसर पर कहा कि, ÷जिला प्रशासन बाल श्रम के विरुद्ध पूरी संवेदनशीलता और सख्ती के साथ कार्रवाई कर रहा है। बालकों का स्थान स्कूल है, कार्य स्थल नहीं। ऐसे मामलों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
श्रम विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी बाल श्रम होते हुए दिखाई दे, तो इसकी सूचना तुरंत जिला प्रशासन या चाइल्डलाइन नंबर 1098 पर दें।

# निषेध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को लेकर मॉडल कॉलेज राजमहल में युवा संगोष्ठी का आयोजन

**आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता**
**साहिबगंज।** राजमहल प्रखंड में पर्यटन, कला, संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड, रांची के निर्देश के आलोक में 10 जून से लेकर 26 जून तक राज्य झारखंड सरकार द्वारा 10 जून से लेकर 26 जून, 2025 तक चलाए जा रहे निषेध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने को लेकर जिला प्रशासन, जिला खेल कार्यालय साहेबगंज द्वारा जिला जागरूकता अभियान के अंतर्गत, मादक पदार्थों के दुरूपयोग, नशे के दुष्प्रभाव एवं सिगरेट एंड अदर टोबैको प्रोडक्ट (कोटपा) अधिनियम, 2003 संबंधी जागरूकता अभियान का आयोजन मॉडल कॉलेज राजमहल के संयुक्त तत्वधान में प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह के संरक्षण एवं अध्यक्षता में नशे मुक्त भारत निर्माण जागरूकता अभियान के तहत युवा संगोष्ठी का आयोजन विद्यार्थियों के बीच किया गया।जिसके तहत मादक पदार्थों के दुरूपयोग, नशे के दुष्प्रभाव, बच्चों को नशे के लगने वाली निर्भरता के मनोवैज्ञानिक पक्ष, नशे मुक्त समाज निर्माण हेतु प्रतिज्ञा संकल्प, कोटपा कानून 2003 के धारा 04, धारा 05, धारा 6(क), धारा 6(ख) आदि की जानकारी महाविद्यालय के सभी हितधारकों के समक्ष दी गई। डॉ रणजीत सिंह ने नशे की लत से होनेवाली दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। सभी को समझाया गया कि मादक पदार्थों के सेवन से गंभीर सामाजिक, मनोवैज्ञानिक व शारीरिक समस्याएं होती हैं। नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार व समाज तीनों के लिए घातक है। सभी छात्र-छात्राओं अभिभावक, कर्मी को नशा नहीं करने का संकल्प लिया। नशा मुक्त समाज निर्माण जागरूकता अभियान में डॉ विवेक कुमार महतो, प्रधानाध्यापक अंकिता सिंह , मोहन कुमार, सुमित,अकेश कुमार, तनु कुमारी, रोशनी कुमारी, सोनू कुमार शर्मा समेत सैकड़ों विद्यार्थियों एवं इको क्लब के स्वयं सेवकों की उपस्थिति रही।

### प्रशिक्षक राजहंस कुमार एवं उपेंद्र गोप ने संयुक्त रूप स्वागत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया

**आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam**
**साहिबगंज।** भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 13 दिवसीय जेनरल एडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम और एलुमिनी मीट पूर्व प्रशिक्षु मिलन कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अग्रणी बैंक के प्रबन्धक सुधीर कुमार, आर्सेटी के वरीय प्रशिक्षक राजहंस कुमार एवं उपेंद्र गोप ने संयुक्त रूप स्वागत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया! प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य झारखंड आजीविका सखी गांव की दीदियों को रोजगार से जोड़ने तथा उन्हें छोटे छोटे दुकान के साथ साथ साथ बड़े व्यापारी बनने के गुण सीखाना तथा बचत की आदत को डालने के लिए प्रेरित किया जाना है! कार्यक्रम में जेएसएलपीएस साहिबगंज की कुल 35 दीदियों को प्रशिक्षण दिया जाना है जो जिले के राजमहल, बरहरवा पतना, बोरियों राजमहल, बरहेट, मंडरो एवं तालझारी के विभिन्न प्रखंडों से आए प्रशिक्षु उपस्थित हैं यह कार्यक्रम 13 दिनों तक जारी रहेगी। साथ ही पूर्व प्रशिक्षु मिलन कार्यक्रम में अपने अपने हुनर के बारे मे बताए, जिसमें सिलाई, कॉस्ट्यूम ज्वेलरी, जेनरल एडीपी, इत्यादि प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षु ने अपने एक्सपीरियंस शेयर किए! मौके पर रीता देवी, रीता चौधरी लक्ष्मी, रेखा, ममता, मीरा और आरसेटी के सहायक रंजीत कुमार ठाकुर,आकाश कुमार एवं तौफीक आलम सुरेन्द्र कुमार मुर्मू आदि उपस्थित थे।

### पठन-पाठन की विधि व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भी मिले गुणवत्तापूर्ण उच्च स्तरीय शिक्षा - विधायक

**आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam**
**साहिबगंज।** तीनपहाड़ उधवा राजमहल प्रखंड क्षेत्र के तीनपहाड़ स्थित तीनपहाड़ इंटर महाविद्यालय में मंगलवार को शासी निकाय की बैठक स्थानीय विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक में महाविद्यालय के पठन-पाठन से जुड़ी कार्यशैली, शिक्षक एवं शिक्षकोंत्तर कर्मियों की उपस्थिति से संबंधित जानकारी ली गई. विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी उच्च स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों को मुहैया कराया जाए यह उनकी प्राथमिकता है इसलिए पठन-पाठन की विधि व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने महाविद्यालय के शैक्षणिक क्रियाकलाप की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि बेहतर माहौल में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है. मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गानंद झा सहित अन्य मौजूद थे. वहीं उधवा प्रखंड क्षेत्र के उच्च विद्यालय अमानत दियारा में शासी निकाय की बैठक विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा की अध्यक्षता में आयोजित की गई. विद्यालय के विकास से जुड़े चर्च की गई.

# 21वीं झारखंड राज्य जूनियर वूशु प्रतियोगिता में साहेबगंज जिले की बेटियों का जलवा - कोमोला ने रजत, पीयू मालतो ने कांस्य पदक किया अर्जित

## जिले के खिलाड़ियों ने दो पदक जीतकर बढ़ाया साहेबगंज का मान

**अजय कुमार कुशवाहा**
**आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो**
साहिबगंज दिनांक 14 से 15 जून 2025 तक रांची के सिल्ली स्थित द विलेज रिसॉर्ट में आयोजित 21वीं झारखंड राज्य जूनियर वूशु चैंपियनशिप में साहेबगंज जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल दो पदक हासिल किए।
जिला वूशु संघ, साहेबगंज के सचिव सह प्रशिक्षक मृतुंजय राय के नेतृत्व में प्रतियोगिता में भाग लेने गई टीम की +2 उच्च विद्यालय, बरहरवा की छात्रा कोमोला कुमारी ने ताउलू स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। वहीं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, पतना की छात्रा पीयू मालतो ने 48 किलो भार वर्ग में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम गौरवान्वित किया।
इस उपलब्धि पर जिले में हर्ष की लहर दौड़ गई है। विजेता खिलाड़ियों को जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती, जिला खेल पदाधिकारी पंकज झा, झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के सदस्य राजेश यादव, जिला ओलंपिक संघ के सचिव माधव चंद्र घोष, उपाध्यक्ष कल्याण श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष संतोष उर्फ टिंकू, वूशु संघ के अध्यक्ष संतोष स्वर्णकार, कोषाध्यक्ष पिंकू महतो, एथलेटिक्स कोच योगेश यादव, अशोक कुमार, शिक्षक अभिनव कुमार तथा खेल शिक्षिका जूली मुर्मू समेत जिले के सभी खेलप्रेमियों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।
प्रशिक्षक मृतुंजय राय ने बताया कि जिले में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस उन्हें सही दिशा और संसाधनों की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में साहेबगंज के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

## संक्षिप्त समाचार

### सभी मतदान केंद्रों का नगरी नक्शा में टर्मिनल स्थान को चिन्हित करने तथा की मैप तैयार करने से संबंधित प्रशिक्षण

**जमुआ, प्रतिनिधि।** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी मतदान केंद्रों का नगरी नक्शा में टर्मिनल स्थान को चिन्हित करने तथा की मैप तैयार करने से संबंधित प्रशिक्षण निर्धारित की गई थीं। निर्धारित तिथि के अनुसार 30 जमुआ एससी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में जमुआ प्रखंड में नजरी नक्शा, की मैप, सीएडी व्यू, ज्यों फेंचिंग के विषय में विस्तार से प्रशिक्षण दिनांक- 17/06/2025 से 21/06/2025 तक निर्धारित है जिसमे आज की तिथि में 50 -50 बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर के साथ सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी जमुआ संजय पाण्डेय, प्रखंड विकास पदाधिकारी जमुआ अमल जी, दिवाकर पाठक, प्रवीण कुमार, सूरज कुमार, सुधीर कुमार राम के द्वारा सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमे सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर उपस्थित थे।

### देवरी प्रखण्ड के पंचायत सचिवालय नेकपुरा और जमडीहा मे चलंत लोक अदालत सह कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

**देवरी, प्रतिनिधि।** नालसा नई दिल्ली और झालसा रांची के निर्देशानुसार और डालसा गिरिडीह के आदेशानुसार मंगलवार को देवरी प्रखण्ड के पंचायत सचिवालय नेकपुरा और जमडीहा मे चलंत लोक अदालत सह कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जमडीहा पंचायत के मुखिया अनिता वर्मा और नेकपुरा पंचयात के मुखिया की उपस्तिथि मे किया गया। मंच संचालन पीएलवी सुबोध कुमार साव ने किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह के पैनल अधिवक्ता मोहम्मद शाहनवाज आलम ने उपस्थित लोगो को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के संबंध मे विस्तृत जानकारी देते हुए कहा की जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एक महत्वपूर्ण संस्था है जो गरीब और कमजोर वर्गों को न्याय तक पहुंच प्रदान करने में मदद करती है। यह उन लोगों को कानूनी सहायता प्रदान करता है जो धन या ज्ञान के अभाव के कारण न्याय पाने में असमर्थ हैं। साथ ही महिला उत्पीड़न,महिला के शारीरिक शोषण के सम्बन्ध मे विस्तृत जानकारी दिया। कानून की जानकारी रखना हर व्यक्ति को जरूरी है। सैयद नजमूल हसन एलडीसीए ने उपस्थित लोगो को राष्ट्रीय लोक अदालत, लोक अदालत,स्थाई लोक अदालत, फ्रंट कार्यलय,मधस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया। प्रवीण कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से कहा की बाल विवाह,बाल श्रम, बाल अधिकार,डायन प्रथा साथ ही सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्यानकारी योजना के संबंध मे विस्तृत जानकारी दिया गया। पीएलवी महेन्द्र प्रसाद वर्मा, मुकेश वर्मा, सहदेव साव, विपिन कुमार ने भी कानून की जानकारी दिया। उक्त अवसर पर महिला समूह की सदस्य और ग्रामीण उपस्थित थे।

### एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत लगे शिविर में छात्राओं की हुई स्वास्थ्य जांच

**आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता**

**छतरपुर, पलामू।** छतरपुर शहर के हेसला रोड स्थित होली ब्राइट लैंड पब्लिक स्कूल में मंगलवार को एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत लगभग 60 बच्चो को हिमोग्लोबिन जांच किया गया तथा उन बच्चों को आवश्यक दवाइयां दी गई विद्यालय के संचालिका अंजना मिश्रा, एवं प्रधानाध्यापक पंकज कुमार मिश्रा, विद्यालय के प्रबंधक राजेश कुमार मिश्रा के देख रेख में विद्यालय में चिकित्सकों के टीम बच्चों का स्वास्थ्य जांच किया गया। अनुमंडल चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.राजेश अग्रवाल ने सभी बच्चों का जांच किया व जरूरी दवाइयां दी गई।मौके पर विद्यालय के शिक्षक उमेश विश्वकर्मा, कुमार राजीव रंजन, प्रकाश कुमार, समीरंजन भारती, राजकुमार, अन्नू सिंह, स्वीटी कुमारी उपस्थित थे।

### करकट्टा पंचायत के किसानों के बीच धान वितरण किया गया

**आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- मोहम्मद शमीम**

**उंटारी रोड, पलामू।** जिले के उंटारी रोड प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत करकट्टा में आज दिनांक 17- 6 -2025 दिन मंगलवार को उंटारी फेड फार्मर प्रोडुसर कंपनी के द्वारा खरीफ सीजन धान वैरायटी Arize 6129, Sava 7301 का धान 50 अनुदान पर उंटारी एफपीओ के कार्यालय करकट्टा में किसानों के बीच धान बीज वितरण किया गया इस मौके पर कंपनी के डायरेक्टर शंकर मेहता , रमेश चौधरी , रामशरण मेहता , शंकर राम , एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनुज कुमार , एटीएम रंजीत कुमार मेहता, VLW अरविंद कुमार सिंह , किसान प्रभा देवी ,संतोष कुमार मेहता, सीईओ सत्यानंद कुशवाहा, नीलम कुमारी, के साथ किसान दर्जनों लोग उपस्थित थे।

# गिरिडीहः आपके विश्वास और आशीर्वाद से एक नई शुरूआत! दीदी सेवा फाउंडेशन, जनकल्याण के लिए समर्पित

● दीदी सेवा फाउंडेशन सेवा, समर्पण और विकास ● कोई भी विपदा पड़ने पर यह संस्था मिल का पत्थर साबित होगाः मंजू कुमारी ● सभी वर्गों के लोग इस फाउंडेशन से जुड़ेंः संजीत मोदी ● दीदी सेवा फाउंडेशन का हुआ शुभारंभ, जमुआ विधायक ने बच्चों और कार्यकर्ताओं के संग मनाया जन्मदिन

**शुभम सौरभ**

**गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि।** जिले के जमुआ प्रखंड अंतर्गत अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय प्रतापपुर में जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने अपना जन्मदिन बच्चों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ केक काट कर मनाया। स्कूल के बच्चों के बीच स्टेशनरी व पाठ्य सामग्री और लड्डू भी वितरित की गई। बच्चों संग अपनी खुशी के पल साझा करने के दौरान इन बच्चों के चेहरों पर काफी खुशी देखने को मिली। बच्चे ईश्वर का रूप माने जाते हैं, जिनकी मुस्कान से देवता भी प्रसन्न होते हैं। कार्यकर्ताओं ने विधायक की लंबी आयु की कामना की। सदैव अपने कार्य को प्राथमिकता देने वाले जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने इस अवसर पर दीदी सेवा फाउंडेशन का शुभारंभ किया। वहीं स्कूल प्रशासन के द्वारा जमुआ विधायक का स्वागत किया एवं स्कूल प्रांगण में पौधा रोपण भी किया गया।

**कोई भी विपदा पड़ने पर यह संस्था मिल का पत्थर साबित होगाः मंजू कुमारी**

मौके पर जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने कहा की कोई भी विपदा पड़ने पर यह संस्था मिल का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि मैंने देखा हैं कि कई ऐसे बच्चे हैं जिनके माता-पिता की दुर्घटना में मृत्यु हो जाती हैं, वह बिल्कुल अकेले पड़ जाते हैं। यह संस्था उन बच्चों के लिए उनकी परछाई की तरह साथ देगा। उनके शिक्षा, स्वास्थ्य को ध्यान में रखेगा, जल्द ही इस संस्था के द्वारा अनाथ आश्रम का भी निर्माण किया जाएगा। स्वच्छता को भी लेकर यह संस्था अच्छा कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि आज छोटी-छोटी समस्याओं का निदान सरकारी स्तर पर नहीं हो पा रहा है। इस संस्था से आमजनों की छोटी-छोटी समस्या का भी निदान आसानी से हो सकेगा। यह संस्था गरीब, असहाय, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के मदद के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। हर परिस्थिति में यह संस्था उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा।

**सभी वर्गों के लोग इस फाउंडेशन से जुड़ेंः संजीत मोदी**

मौके पर संजीत मोदी ने कहा कि जमुआ विधानसभा क्षेत्र के लोगों की जो छोटी-छोटी समस्याओ को देखा, उसको देखते हुए ही इस दीदी सेवा फाउंडेशन का शुभारंभ हुआ हैं, ताकि आपलोगो को उन पीड़ा से उभारा जा सके। सभी वर्गों के लोग इस फाउंडेशन से जुड़ें, चाहे वह व्यवसाय वर्ग के लोग हो या फिर करोड़पति हो, या निम्न वर्ग के लोग हो या कोई प्रोफेशनल हो इस दीदी सेवा फाउंडेशन से जुड़ें। उन्होंने कहा कि कई ऐसे व्यवसाय लोग हैं जिनके पास पैसा तो है, लेकिन समय नहीं। और कई ऐसे लोग हैं जिनके पास पैसा तो नहीं हैं, लेकिन समय है। वह लोग भी पूरी निष्ठा से दीदी सेवा फाउंडेशन में कार्य करें। कोई भी विपदा पड़ने पर इस फाउंडेशन के द्वारा उनका सहयोग किया जाएगा। इस फाउंडेशन के कई उद्देश्य हैं जो जुड़ने के बाद आपको धीरे-धीरे स्पष्ट होते जाएंगे, आप इस फाउंडेशन से जुड़कर अनेकों नेक कार्य कर सकते हैं।

**भाजपा नेताओ एवं कार्यकर्ताओं ने जमुआ विधायक की लंबी आयु की कामना की एवं मुक्तकंठ से प्रशंसा की**

मौके पर मौजूद भाजपा नेताओ एवं कार्यकर्ताओं ने जमुआ विधायक की लंबी आयु की कामना की। उन्होंने ने मुक्त कंठ से जमुआ विधायक मंजू कुमारी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कई जमाने के बाद एक ऐसा विधायक जमुआ को मिला है, जो अपने नहीं जमुआ विधानसभा की जनता के लिए सोच रखती है, वह हमेशा जनता की समस्याओं के निदान के लिए तत्पर रहती हैं। उन्होंने कहा कि इस संस्था की शुभारंभ से जमुआ के विधानसभा क्षेत्र की जनता को पूर्ण रूप से मदद मिलेगी एवं संस्था के उद्देश्यों से जमुआ क्षेत्र में विकास की धार और तेज होगी।

**इनकी रही मौजूदगी**

कार्यक्रम का संचालन भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र प्रसाद राय ने किया। मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष परमेश्वर यादव, जिप सदस्य संजय हाजरा, मुखिया प्रदीप कुमार सिंह, राजेंद्र यादव, डॉ. दशरथ प्रसाद वर्मा, अशोक सिंह, राहुल कुमार सिंह, दयानंद प्रसाद राय, अनंत शाह, संजीत मोदी, गोपाल कृष्ण पांडेय, अमरेंद्र कुमार, अभिषेक रंजन राय, निर्भय राय, पप्पू वर्मा, सोनू मोदी, अरविंद कुमार, रामानंद कुशवाहा, बिनय कुमार राय, सुनील राय, रविषेक राय, कुणाल कुमार सिन्हा, अनुपम सिन्हा, परिणय कुमार सिन्हा, नीरज गुप्ता, रंजन कुमार, मनीष कुमार, बिंदु कुमार, अजय वर्मा, हिमांशु कुमार, अजय कुमार आदि मौजूद थे।

**दीदी सेवा फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी संस्था हैं, जिसकी स्थापना 15 जून 2025 को हुई**

दीदी सेवा फाउंडेशन एक गैर- लाभकारी संस्था हैं, जिसकी स्थापना 15 जून 2025 से किया गया हैं। जो जमुआ विधायक मंजू कुमारी के जन्मदिन की शुभ अवसर पर किया गया है। इसका उद्देश्य शहरी, ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में दीदी सेवा फाउंडेशन के माध्यम से स्वास्थ्य और शिक्षा के विकास और विकास के लिए जरूरतमंद लोगों और उनके परिवारों को मुफ्त सेवा प्रदान करना है। दीदी सेवा फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को मुफ्त सेवा प्रदान करना है, जिन्हें इसकी सख्त जरूरत है। उनका लक्ष्य इस नेक प्रथा को पूरे भारत में फैलाना है।

**दीदी सेवा फाउंडेशन का मुख्य उदेश्य**

दीदी सेवा फाउंडेशन का उद्देश्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष चिकित्सा सहायता, निर्धन बच्चों को नि- शुल्क कोचिंग, स्कूल ड्रेस, किताबें और स्टेशनरी वितरण, डिजिटल शिखा और लाईब्रेरी की व्यवस्था, सिलाई- कढ़ाई, कम्प्युटर और अन्य स्वरोजगार प्रशिक्षण, महिला समूह (सेल्फ हेल्प ग्रुप्स) को बढ़ावा, घरेलु हिंसा और उत्पीड़न से रक्षा के लिए कानुनी सहायता, युवाओं के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम, हस्तशिल्प और कृषि आधारित उद्यम को सहयोग, बाढ़, आग, सुखाड़ जैसी आपदाओं में तत्काल सहायता, राहत सामग्री वितरण, पुनर्वास सहायता, नशा मुक्ति हेतु गाँव-गाँव में जागरूकता अभियान, पुनर्वास केंद्रों से जोड़ने की पहल, वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, जल- संरक्षण अन्य मुख्य उद्देश्य शामिल हैं।र सभी दवा पर 25 प्रतिशत डिस्काउंट हो और कहा कि रिम्स के डॉक्टर जो भी प्राइवेट में इलाज कर रहे हैं उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई हो और सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से मिलकर मौखिक और पत्र के माध्यम से जल्द से जल्द सभी समस्याओं को दूर करने का आग्रह किया।

# गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में लगाया जनता दरबार

● विभिन्न प्रखंडों से आए फरीयादी, आमजनों की समस्याओं से बारी-बारी अवगत हुए उपायुक्त

● जनता दरबार के माध्यम से उपायुक्त रामनिवास यादव ने सुनी आमजनों की समस्याएं, प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए

**गिरिडीह, प्रतिनिधि।** गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार लगाया। आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु आए दर्जनों लोगों से उपायुक्त ने मिलकर उनकी समस्याएं सुनी तथा जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस प्रकार बारी-बारी से लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट भी निष्पादन किया गया। वहीं कुछ आवेदनों को संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को स्थानांतरित करते हुए प्राथमिकता के तहत समस्या दूर करते हुए आवेदनों का निष्पादन कर संबंधित व्यक्तियों को लाभान्वित करने एवं निष्पादन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निदेश दिया। आज के जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि, दाखिल खारिज, राजस्व, स्वास्थ्य विभाग, पेंशन, राशन, पेयजल, शिक्षा, कल्याण, छात्रवृति आदि से संबंधित विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों पर आवश्यक कारवाई हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को अग्रसारित किया गया तथा जल्द से जल्द शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमलोगों को देने की दिशा में प्रशासन की टीम तत्परता के साथ कार्य कर रही है। योजनाओं का सीधा लाभ लेने में जरूरतमंद व योग्य व्यक्तियों को समस्या उत्पन्न नहीं हो, इसके लिए जनता दरबार के माध्यम से उनकी शिकायतें सुनी जा रही है। साथ ही निर्धारित समयावधि में समस्याओं का निदान किया जा रहा है।

# मेट से 20 हजार रुपया रिश्वत लेने की शिकायत की मनरेगा लोकपाल आयुक्त ने की जाँच

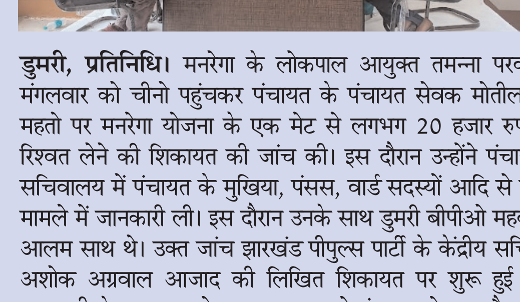

**डुमरी, प्रतिनिधि।** मनरेगा के लोकपाल आयुक्त तमन्ना परवीन मंगलवार को चीनो पहुंचकर पंचायत के पंचायत सेवक मोतीलाल महतो पर मनरेगा योजना के एक मेट से लगभग 20 हजार रुपया रिश्वत लेने की शिकायत की जांच की। इस दौरान उन्होंने पंचायत सचिवालय में पंचायत के मुखिया, पंसस, वार्ड सदस्यों आदि से इस मामले में जानकारी ली। इस दौरान उनके साथ डुमरी बीपीओ महबूब आलम साथ थे। उक्त जांच झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय सचिव अशोक अग्रवाल आजाद की लिखित शिकायत पर शुरू हुई है। जानकारी के अनुसार लोकपाल आयुक्त ने पंचायत सेवक और मेट से इस संबंध में पूछताछ किया। पंचायत सेवक का कहना था कि उसका मेट से अच्छा संबंध में इसलिये रुपये की लेनदेन होते रहती है। जबकि मेट ने इस संबंध में कुछ बोलने के लिये चार दिनों का मोहलत लिया। जांच के बाद लोकपाल आयुक्त ने पत्रकारों को बताया कि अशोक अग्रवाल द्वारा पंचायत सेवक पर मेट से ऑन लाईन और ऑफ लाईन रिश्वत लेने की शिकायत की गई है। शिकायत की जांच के लिये आज वे चीनो पहुंची है। कहा कि पंचायत सेवक से उसके खाते में आये रुपये के संबंध में स्पष्टीकरण पूछा जाएगा। बताते चलें कि अशोक अग्रवाल ने आयुक्त उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग, उपायुक्त गिरीडीह, डीडीसी गिरिडीह और डुमरी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को पत्र 25 मार्च 2025 को प्रमाणों के साथ आवेदन देकर विस्तृत जांच की मांग की थी। उन्होंने बताया कि शिकायत के बाद कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया गया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। शिकायत में पंचायत सेवक मोतीलाल महतो और अन्य पदाधिकारियों की संदिग्ध भूमिका की बात कही गई है। आरोप है कि फर्जी मास्टर रोल तैयार किया गया। लाभुकों के अंगूठे के निशान और हस्ताक्षर की फॉरेंसिक जांच की जरूरत बताई गई है। शिकायत में उन्होंने ऑनलाइन भुगतान के सबूत भी दिए गए हैं। कहा कि 25 जनवरी 2025 को मोतीलाल के नाम 15 सौ और 14 मई 2024 को 4 हजार का भुगतान हुआ। साथ ही 25 हजार नगद लेने का भी आरोप लगाया है। कहा है कि मनरेगा का काम मशीनों और जेसीबी से कराया गया, जो नियमों के खिलाफ है। शिकायत में कहा गया है कि यदि विस्तृत जांच हो तो डुमरी प्रखंड में मनरेगा योजना में बड़े घोटाले का खुलासा हो सकता है। शिकायतकर्ता ने जांच रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराने की मांग भी की है।

# सांसद ने झारखंड ऊर्जा निगम के अधिकारियों से की मुलाकात, बिजली संकट को लेकर सौंपा ज्ञापन

● ग्रामीण क्षेत्रों में बदहाल विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को लेकर जताई गहरी चिंता- सांसद कालीचरण सिंह

**आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास**

**चतरा।** चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने मंगलवार को रांची स्थित झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड कार्यालय में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक अविनाश कुमार से मुलाकात की और क्षेत्र में जारी भीषण विद्युत संकट को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान सांसद ने एक लिखित पत्र सौंपते हुए चतरा लोकसभा की बिजली व्यवस्था में व्याप्त गंभीर समस्याओं को तत्काल दूर करने की मांग की। सांसद श्री सिंह ने बताया कि पूरे चतरा लोकसभा क्षेत्र में बिजली की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 4-5 घंटे ही बिजली मिल पा रही है, वह भी बहुत ही कम वोल्टेज पर, जिससे किसानों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है, विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित हो रही है और आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि जिले में बड़ी संख्या में 200, 100, 63 और 25 KVA क्षमता के ट्रांसफॉर्मर खराब पड़े हैं, जिससे कई गांवों में पूरी तरह अंधकार पसरा हुआ है। इन ट्रांसफॉर्मरों को अविलंब बदले जाने की आवश्यकता है, ताकि लोगों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। सांसद ने विशेष रूप से लावालौंग प्रखंड की स्थिति पर चिंता जताते हुए बताया कि वहाँ की सभी आठ पंचायतें अब भी अंधेरे में डूबी हुई हैं। इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े समाज के लोग निवास करते हैं, ऐसे में वहां प्राथमिकता के आधार पर बिजली उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। सांसद श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों से आग्रह किया कि वे इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्ययोजना तैयार कर लोकसभा में बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाएं।

# गिरिडीह जिला अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों में निर्वाचन से संबंधित विभिन्न स्तर के अधिकारियों (बी.एल.ओ और बी.एल.ओ सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया

**गिरिडीह, प्रतिनिधि।** जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देशानुसार गिरिडीह जिले के गिरिडीह, बेंगाबाद, गांडेय, डुमरी, जमुआ, बगोदर, देवरी, तिसरी, गांवा प्रखंडों में निर्वाचन संबंधित विभिन्न स्तर के अधिकारियों (बी.एल.ओ और बी.एल.ओ सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया। गिरिडीह प्रखंड सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सदर अनुमंडल पदाधिकारी और उप निर्वाचन पदाधिकारी ने भाग लिया तथा निर्वाचन से जुड़े हरेक महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से मतदान केंद्रों के मैप एवं जियो फेसिंग आदि के बिंदुओं पर चर्चा हुई। प्रशिक्षण के दौरान बी.एल.ओ और बी.एल.ओ सुपरवाइजर को मतदान केंद्रों के मैप एवं जिओ फेसिंग के बारे में पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी गई। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदाताओं को सुविधा हेतु जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों की सीमाओं को जिओ फेसिंग के माध्यम से चिन्हित एवं ऑनलाइन किया जा रहा है। इससे बी.एल.ओ को अपने क्षेत्र के मतदाताओं एवं उनके घरों तक पहुंचने में आसानी होगी। इस प्रक्रिया के संपन्न होने के पश्चात सभी बीएलओ के अपने-अपने क्षेत्र निर्धारित होंगे एवं ऑनलाइन ऐप के माध्यम से मतदाता अपने लोकेशन से ही अपने मतदान केंद्र, उसका लोकेशन एवं अपने बीएलओ को जान पाएंगे। इसके अलावा मतदाताओं को अपने नजदीकी मैदान केंद्र पर सूचीबद्ध करने की बात कही गई। इसके लिए मतदान केंद्रों के लिए नजरी नक्शा, गुगल अर्थ व्यू मैप एवं की मैप भी तैयार करा लें। उन्होंने कहा कि त्रुटि रहित मतदाता सूची बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए ससमय कार्यों का निष्पादन किया जाए। इसके अलावा सभी संबंधित प्रखंडों में भी एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। मौके पर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं बी.एल.ओ और बी.एल.ओ सुपरवाइजर समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।न उपायुक्त ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमलोगों को देने की दिशा में प्रशासन की टीम तत्परता के साथ कार्य कर रही है। योजनाओं का सीधा लाभ लेने में जरूरतमंद व योग्य व्यक्तियों को समस्या उत्पन्न नहीं हो, इसके लिए जनता दरबार के माध्यम से उनकी शिकायतें सुनी जा रही है। साथ ही निर्धारित समयावधि में समस्याओं का निदान किया जा रहा है।

# अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर आगामी 29 जून को पटना के मिलन हाई स्कूल में यदुवंशी लगाएंगे हुंकार

● पटना में आयोजित अहीर रेजिमेंट महारैला में जोरदार ढंग से उठाई जाएगी अहीर रेजिमेंट की मांग

● अहीर रेजिमेंट हक है हमारा के नारे के साथ पटना में यदुवंशियों का होगा महा जुटान

**संवाददाता श्रीकान्त यादव**

**पटना।** अहीर रेजिमेंट मोर्चा के गठन की मांग को लेकर श्री कृष्ण चेतना परिषद के तत्वावधान में दरोगा राय पथ पटना में एकदिवसीय सम्मेलन सह समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। एक दिवसीय सम्मेलन सह समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता डॉ विद्या शंकर यादव ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अभिषेक कुमार यादव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व एसपी अभियान मनोज यादव मौजूद थे। सम्मेलन के दौरान बिहार एवं झारखंड के विभिन्न जिलों से यदुवंशी संगठन के पदाधिकारी तथा

कार्यकर्ताओं ने अहीर रेजिमेंट हक है हमारा विषय पर जोरदार ढंग से आवाज उठाया। अपने संबोधन में डॉ विद्या शंकर यादव, डॉ बबन यादव, पूर्व एसपी अभियान मनोज यादव, यदुवंश महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक कुमार यादव, रंजीत राय, बृजनंदन सिंह, नीलू यादव तथा फौजदारी सिंह ने भारत सरकार से मांग करते हुए कहा कि भारतीय सेना में गोरखा राइफल्स, राजपूत रेजीमेंट, राजपूताना राइफल्स, सिख रेजिमेंट, जाट रेजीमेंट, मराठा लाइट इन्फेंट्री, सिक्ख लाइट इन्फेंट्री, महर रेजिमेंट, डोगरा रेजिमेंट सरीखे रेजीमेंट अपनी विशेषता के आधार पर भारतीय सेना को मजबूती प्रदान करती आ रही है। भारतीय सेना में अहीर अथवा यदुवंशी समुदाय के जवानों का योगदान सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है। जिसके आधार पर यदुवंशी समुदाय की ओर से लंबे अरसे से भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट की स्थापना को लेकर मांग की जा रही है। अब वक्त आ गया है कि जब सरकार को इस दिशा में फैसला लेते हुए भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट का गठन करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। सरकार के द्वारा भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट का गठन करने से भारत की सैन्य व्यवस्था और अधिक होगी तथा भारतीय सेना में यदुवंशी समुदाय के जवानों के साथ हो रहे भेदभाव के मामले में भी काफी हद तक लगाम लग सकेगा। समीक्षात्मक बैठक के दौरान आगामी 29 जून को पटना के मिलन हाई स्कूल मैदान में अहीर रेजिमेंट मोर्चा के तत्वाधान में आयोजित एकदिवसीय अहीर रेजिमेंट महारैला की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। अंतरराष्ट्रीय यदुवंश महासभा से राष्ट्रीय प्रतिनिधि के रूप में शामिल चंदन यादव तथा पत्रकार पवन कुमार चौधरी ने कहा कि मोर्चा के संयोजक डॉ बबन यादव के नेतृत्व में आयोजित अहीर रेजिमेंट महारैला में बिहार और झारखंड से लाखों की संख्या में यदुवंशी हिस्सा लेंगे और इस महारैला को सफल बनाएंगे।

## संक्षिप्त समाचार

### करंट के चपेट में आनें से एक दूधारू गाय की मौत

**बांका कटोरिया से श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट**

बांका कटोरिया क्षेत्र के बसमत्ता पंचायत अंतर्गत बाबू पूर गांव में एक दुधारू गाय की मौंत करंट लगने से हो गई। जानकारी के अनुसार गांव के गोदो यादव का गाय रोजाना की तरह चारा हेतू बईहार गया था। तभी हरा घास चरते हुए गांव के पास लगें हाईटेंशन बिजली ट्रान्सफरमर के निकट चला गया। जहां सोरटसर्किट से गाय को जोरदार करंट लगी। एवं मौक पर ही मौंत हो गई। गो पालक गोदो यादव नें विजली विभाग की लापरवाही बताते हुए अधिकारीयों से मुआवज़े की मांग किये हैं।

### डॉ इरफान जनता की समस्याओं से हुए रू-ब-रू, कहा - 90 फीसदी समस्याओं का किया समाधान

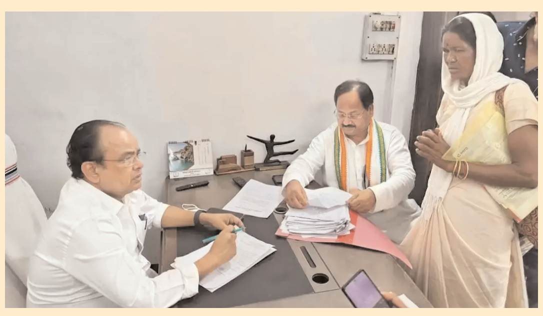

**संवाददाता द्वारा**

**रांची।** स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने मंगलवार को कांग्रेस भवन में जनता दरबार लगाया। जनता की समस्याओं से रू-ब-रू हुए. कहा कि जनता दरबार में आए 90 फीसदी समस्याओं का समाधान कर दिया है. कुछ मामलों में तकनीकी अड़चन है जिन्हें समयानुसार दूर किया जाएगा. सभी आवेदन पर हर हाल में कार्य होगा,जनता दरबार से जनता के साथ-साथ संगठन को भी फायदा मिल रहा है,यह अच्छी पहल है अगर जनता का काम किया जाए तो लोग आते हैं, हमसे जनता को उम्मीद है. मंत्री ने कहा कि कांग्रेस जन सरोकार से जुड़ी हुई है, महागठबंधन सरकार जनता की सरकार है. झारखंड के लगभग सभी जिलों से लोग आए हैं, समय-समय पर जल्दी-जल्दी यह आयोजन किया जाएगा. उन्होंने कहा कि सैकड़ो की संख्या में शिकायतें समस्याएं आई हैं. जमीन की समस्याएं अधिक है कई सीओ की शिकायतें ज्यादा है जमीन माफिया को वह प्रश्रय दे रहे हैं, उन्हें अफसरों का निर्देश दिया कि जनहित में कार्रवाई करें. मेरा प्रयास है की समस्याओं का निराकरण हो, मैं अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन जनता के लिए करना चाहता हूं,

**जनता दरबार में 97 शिकायतें आई :** मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी के समक्ष कुल 97 लोगों ने अपनी समस्याओं को रखा जिस पर उन्होंने तत्काल पहल करते हुए अधिकारियों से समाधान का रास्ता निकालने को कहा. स्वास्थ्य केंद्र निर्माण संबंधित 5 आपूर्ति विभाग से 12 इलाज से 13 रोजगार हेतु 7 आपदा प्रबंधन से 8 राशन कार्ड से 13 स्थानांतरण हेतु 7 जमीन संबंधी 22 मामलों के अलावा के अलावा विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं मंत्री के समक्ष लोगों ने रखा,

मंत्री ने इरफान ने भाजपा पर कसा तंज, कहा-.... भाजपा ने पूरे सिस्टम को बर्बाद कर दिया है, कुचल दिया है -...झारखंड राज्य के लिए भाजपा का कोई योगदान नहीं है-... झारखंड पर भाजपा का कोई अधिकार नहीं, राज्य हमारा है-... स्वास्थ्य विभाग में सुधार से भाजपा बौखलाहट में है-....रिम्स टू का जब निर्माण होगा तो झारखंड के लोगों को रोजगार मिलेगा, बेहतर सुविधा मिलेगी-... झारखंड की बुनियाद बाबूलाल मरांडी की सरकार ने कमजोर कर दी है हम इसे मजबूती प्रदान करेंगे.

### पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा ने किया सरेंडर, कोर्ट ने दे दी जमानत

**संवाददाता द्वारा**

**रांची।** ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपित निलंबित आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा ने मंगलवार को समर्पण किया। अदालत ने उन्हें जमानत की सुविधा प्रदान की। उनकी ओर से अदालत में एक-एक लाख रुपये का दो निजी मुचलका जमा किया गया। इसमें एक मुचलका आयकर रिटर्न भरने वाले व्यक्ति की ओर से भरा गया।

अभिषेक झा ने सोमवार को कोर्ट में उपस्थित होकर अपना पासपोर्ट जमा किया था। इससे पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने पांच जुलाई को बेटी की चिकित्सीय जरूरतों और देखभाल को ध्यान में रखते हुए अभिषेक को अग्रिम जमानत की सुविधा प्रदान की थी। अभिषेक झा ने सुप्रीम कोर्ट में दो जून को अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में जमानत की शर्त के तहत अभिषेक झा ने कोर्ट में समर्पण कर जमानत की सुविधा प्राप्त की। बता दें कि ईडी ने पांच जुलाई 2022 को जो अभियोजन शिकायत (चार्जशीट) दाखिल की है, उसमें पूजा सिंघल के साथ अभिषेक झा का नाम शामिल है। इसी मामले में सीए सुमन कुमार पिछले 14 महीने से जेल में है। खूंटी जिले में पूजा सिंघल के उपायुक्त के कार्यकाल में मनरेगा में करीब 18.06 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ था। झारखंड पुलिस की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने इसकी जांच की थी। इसके बाद 6 मई, 2022 को मनरेगा घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने सिंघल से जुड़े 20 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की और करीब 19.31 करोड़ रुपये बरामद किए। ईडी की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि घोटाले के इन पैसों का इस्?तेमाल पल्स अस्पताल के निर्माण व उपकरणों की खरीद में लगाया गया। मामले में उनके पति का भी नाम जुड़ा, जिनके खाते में नकदी काला धन जमा किया जाता था।

# सोशल एंड मोटिवेशनल ट्रस्ट द्वारा काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन

**संवाददाता श्रीकान्त यादव**

सोशल एंड मोटिवेशनल ट्रस्ट की नोएडा इकाई के तत्वावधान में सरगम- ए- शब्द काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन दिल्ली के पटपड़गंज स्थित तक्षशिला सोसायटी में दिनांक 15 जून 2025 को संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आरंभ संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्षा ममता सिंह एवं संस्थापक रवीन्द्र नाथ सिंह द्वारा मुख्य अतिथि रामचन्द्र वर्मा 'साहिल' एवं अन्य विशिष्ट अतिथिगण, अरुण कुमार पासवान और जयवीर सिंह अत्री द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात मैत्री त्रिपाठी के द्वारा सरस्वती वंदना एवं झारखंड अध्यक्षा ममता झा तथा मीडिया प्रभारी विनीता सिंह द्वारा संस्था गान की प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर संस्थापक रवीन्द्र नाथ सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्षा ममता सिंह, राष्ट्रीय सलाहकार रथिंन्द्र नाथ झा, राष्ट्रीय महासचिव जयवीर सिंह अत्री

एवं नोएडा इकाई के अध्यक्ष प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने संस्था की गतिविधियों, उद्देश्य और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मुख्य रुप से जिन कवि कवयित्रियों ने काव्य पाठ किया उनके नाम निम्न प्रकार से है: ममता सिंह, रवीन्द्र नाथ सिंह, विनीता सिंह आरुषि, ममता झा, अनिल मासूम, पी0के0 श्रीवास्तव, मंजू बिश्नोई गुप्ता, जयवीर सिंह अत्री ,सरिता गर्ग. राजीव मिश्रा, मैत्रेयी त्रिपाठी, जेन्नी शबनम, अंजू अग्रवाल उत्साही, अश्वनी शर्मा, रामचंद्र वर्मा सहिल, अनुपमा श्रीवास्तव एवं सीमा मिश्रा। कार्यक्रम का संचालन नोएडा के सचिव अनिल मासूम द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन रवीन्द्र नाथ सिंह के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

दिल्ली स्थित अखिल भारतीय स्वयंसेवी संस्था साहित्य, कला, संस्कृति एवं समाज सेवा के कार्यों में एक अलग पहचान बना चुकी है। यह संस्था देश के अन्य क्षेत्रों में भी अपने इकाइयों के माध्यम से सक्रिय है और अपनी सभी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही है।

### श्रवणी मेला 2025 के तैयारियों का निरीक्षण

**बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव**

**बांका।** श्रावणी मेला 2025 के अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, बाँका एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेलहर द्वारा संयुक्त रूप से जिलेबियामोड़ से कटोरिया तक कांवरिया पथ का निरीक्षण किया गया।जॉच में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, बेलहर एवं कटोरिया भी उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में सार्वजनिक धर्मशाला, जिलेबियामोड़ में पूर्व में बनाये गए उप नियंत्रण कक्ष का छत क्षतिग्रस्त पाया गया। उपस्थित भेन्डर श्री निलेश कुमार, को अविलम्ब उसे मरम्मति करने का निदेश दिया गया, तथा कुछ बाथरूम में सीट नहीं लगाया गया था, उसे अविलम्ब लगाकर चालू हालत में रखने का निदेश दिया गया। थाना प्रभारी बेलहर द्वारा जिलेबियामोड़ थाना न्यू बिल्डिंग के पास एवं नहर के निकट पुल के पास मनरेगा के तहत कांवरिया पथ में पी0सी0सी0 सड़क निर्माण किये जाने हेतु प्रस्ताव दिया गया। उक्त के दृष्टिगत कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा), बेलहर को अविलम्ब कार्रवाई किये जाने का निदेश दिया गया। सुईया थाना प्रभारी द्वारा कहलगॉव सेवा शिविर के पास अस्थायी पुलिस थाना बनाने का प्रस्ताव दिया गया। साथ ही अबरखा लहरनियॉ स्कूल के न्यू बिल्डिंग में पुलिस बल के ठहरने के सम्बन्ध में बताया गया। कांवरिया पथ में भेन्डर द्वारा समतलीकरण का कार्य किया गया है किन्तु बालू नहीं बिछाया गया है। टंगेश्वर मुख्य पथ के पहले कांवरिया पथ में गढ्ढे पाये गए। बलसारा में कांवरिया पथ में गढ्ढे पाये गए। इस हेतु संवेदक से पत्राचार करने का निदेश दिया गया। डार्क जोन एवं वाच टावर का प्रतिवेदन भेजने हेतु प्रखण्ड विकास पदाधिकारी कटोरिया को निदेशित किया गया। सभी रैन सेन्लटरों में रंग रौगन का कार्य किया जा रहा था।

### तीन बच्चे की मां ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

**सं सू पंकज कुमार ठाकुर**

**चांदन (बांका)** आनंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नारायणडीह गांव कि एक 26 वर्षीय महिला ने पंखे में फंदा लगाकर अपने जीवन लीला समाप्त कर लेने घटना सामने आयी है।जानकारी के अनुसार बीते सोमवार को सबिता देवी और उसके पति राजेंद्र दास के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गई थी। विवाद होने कि बात पर मृतका खाना खाकर घर के अंदर जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर घर के छत में पंखे साड़ी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। कुछ देर बाद पति राजेंद्र दास को एहसास हुआ कि पत्नि दरवाजा अंदर से बंद कर ली है। जिसकी जानकारी ग्रामीणों को दिया। घटना कि जानकारी पर पहुंचे ग्रामीणों द्वारा घटना की सुचना मृतका कि पिता जितन दास साकिन बिचकोड़ी थाना कटोरिया निवासी को दिया। सूचना मिलते ही मृतका के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और आनंदपुर थाना पुलिस को सूचना दिया। सूचना पर सदलबल पहुंचे आनंदपुर थानाध्यक्ष विपिन कुमार घर का दरवाजा तोड़कर पंखे से लटकी मृतका की शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बांका भेज दिया। मृतका अपने पीछे तीन बच्चे को अनाथ बना कर चली गई। जिसमे बड़ी बेटी अनू कुमारी 10 वर्ष, अंकित कुमार 5 वर्ष और अमृता कुमारी 3 वर्ष है।

# राष्ट्रीय युथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप की तैयारी को लेकर विधानसभा उपाध्यक्ष से हुई चर्चा

**संवाददाता श्रीकान्त यादव**

**पटना।** सितंबर महीने में बिहार में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप की तैयारी को लेकर बिहार स्टेट बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव अभिषेक कुमार यादव के नेतृत्व में तैयारी जोर-जोर से आरंभ कर दी गई है। चैंपियनशिप के आयोजन को लेकर बिहार के विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर इस विषय पर लगातार चर्चा जारी है। संगठन के सचिव अभिषेक कुमार यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव से मुलाकात की। विधानसभा उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव के साथ विशेष बातचीत के दौरान संगठन के सचिव अभिषेक कुमार यादव ने कहा कि इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश मिश्रा एवं राष्ट्रीय सचिव राकेश ठाकरान के दिशा निर्देश पर बिहार

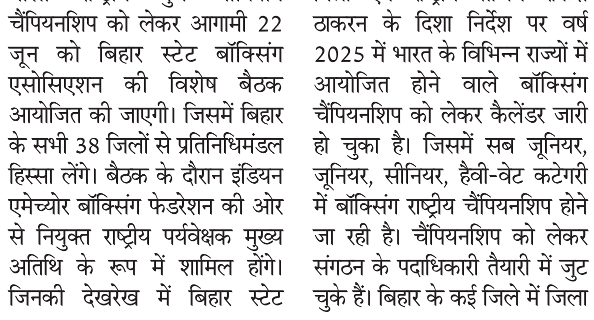

स्टेट बॉक्सिंग एसोसिएशन के तहत बिहार इकाई का गठन किया गया। सितंबर 2025 में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय युथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप को लेकर आगामी 22 जून को बिहार स्टेट बॉक्सिंग एसोसिएशन की विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें बिहार के सभी 38 जिलों से प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेंगे। बैठक के दौरान इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन की ओर से नियुक्त राष्ट्रीय पर्यवेक्षक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जिनकी देखरेख में बिहार स्टेट बॉक्सिंग संगठन के प्रदेश कमेटी के अलावा सभी 38 जिलों के लिए जिला कमेटी का गठन किया जाएगा। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश मिश्रा एवं राष्ट्रीय सचिव राकेश ठाकरन के दिशा निर्देश पर वर्ष 2025 में भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाले बॉक्सिंग चैंपियनशिप को लेकर कैलेंडर जारी हो चुका है। जिसमें सब जूनियर, जूनियर, सीनियर, हैवी-वेट कटेगरी में बॉक्सिंग राष्ट्रीय चैंपियनशिप होने जा रही है। चैंपियनशिप को लेकर संगठन के पदाधिकारी तैयारी में जुट चुके हैं। बिहार के कई जिले में जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन का गठन किया जा चुका है और उन जिलों में काफी रफ्तार में एसोसिएशन का कार्य जारी है। वहीं, बिहार स्टेट बॉक्सिंग एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने बिहार प्रदेश मुखिया संघ के अध्यक्ष मिथिलेश राय के साथ भी मुलाकात की। एसोसिएशन के सचिव अभिषेक कुमार यादव ने बताया कि बिहार के 38 जिले में बॉक्सिंग एसोसिएशन बनने जा रही है। बिहार के बॉक्सर छूटे नहीं, इसको ध्यान में रखते हुए बिहार के सभी स्कूल तथा कॉलेज के साथ-साथ ग्रामीण में जाकर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खोज की जा रही है। खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें अच्छी तरह ट्रेनिंग देकर जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा, राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धा तथा राष्ट्रीय स्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जाएगा। मौके पर बांका जिला से दीपक कुमार, नालंदा जिला से रजनीश कुमार तथा नवादा जिला से विपिन कुमार मौजूद रहे।

# जामा विस के झामुमो विधायक डॉ लुईस मरांडी ने रामगढ़ प्रखंड मुख्यालय प्रांगण दिव्यांगजनो व वरिष्ठ नागरिकों के बीच किया सहायक उपकरण यंत्र का वितरण

**रामगढ़/रामजी साह।**

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय अधिकारिता मंत्रालय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा एडीआईपी एवं राष्ट्रीय वायोश्री योजना के तहत रामगढ़ प्रखंड कार्यालय परिसर में विशेष शिविर का आयोजन कर दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण किया गया. स्थानीय विधायक डॉ लुईस मरांडी ने प्दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों के बीच सहायक उपकरणों के वितरण का प्रारंभ किया. शिविर में उपस्थित दिव्यांगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर पहली बार सहायक उपकरणों का वितरण दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों के बीच हो रहा है. उन्होंने कहा कि आज रामगढ़ में 373 व्यक्तियों को सहायक उपकरण दिए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि जरूरतमंद बुजुर्गो एवं दिव्यांग जनों के बीच टिकाऊ,

परिष्कृत, वैज्ञानिक आधार पर निर्मित आधुनिक मानकों के अनुरूप तैयार सहायक यंत्रों एवं उपकरणों का निशुल्क का वितरण किया जा रहा है. यह सभी उपकरण एलिम्को द्वारा तैयार किए गए हैं. उन्होंने कहा कि इन यंत्रों एवं सहायक उपकरणों के वितरण का उद्देश्य दिव्यांग जनों में दिव्यांगता का असर कम कर उनके शारीरिक, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक पुनर्वास तथा आर्थिक क्षमता में वृद्धि करना है. जिससे वह भी सम्मान के साथ जीवन यापन कर सकें. शिविर में श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, घुटने का बेल्ट, स्पाइनल सपोर्ट, बैसाखी, छडी, ट्राई साइकिल, बैटरी चालित ट्राई साइकिल, दांत का सेट, कमोड सहित व्हीलचेयर, ब्रेल किट, सुगम्य किट जैसे विविध प्रकार के सहायक उपकरण एवं यंत्रों का वितरण किया गया.एलिम्को के प्रतिनिधियों द्वारा मिली जानकारी के आधार पर बीडीओ कमलेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि एलिम्को द्वारा जनवरी माह में शिविर लगाकर दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों की जांच की गई थी. जांच के बाद पंजीकृत व्यक्तियों के लिये आवश्यक सहायक उपकरणों एवं यंत्रों की आपूर्ति एलिम्को द्वारा की गई है. पूर्व में चयनित लाभार्थियों के बीच शिविर में 3950000 के 373 के सहायक उपकरणों का वितरण किया गया. आज के शिविर में बहुत सारे ऐसे दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक भी पहुंचे थे जिनका रजिस्ट्रेशन पूर्व में नहीं हुआ था. ऐसे लोगों को शिविर से उपकरण लिए बगैर ही लौटना पड़ा. बीडीओ ने बताया कि विधायक की पहल पर दिव्यागों एवं बुजुर्ग नागरिकों की जांच के लिए अगस्त माह में एक बार फिर से जांच एवं रजिस्ट्रेशन शिविर का आयोजन करने के लिए एलिम्को ने अपनी सहमति दे दी है. इसलिए अगस्त में एक बार फिर से शिविर लगाया जाएगा. शिविर में जिला परिषद उपाध्यक्ष सुधीर मंडल, उप प्रमुख बाबूलाल मुर्मू, अंचल अधिकारी प्रदीप कुमार महतो, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी ब्रजेश कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी आशिष रंजन, एलिम्को के प्रतिनिधि नितीश कुमार सहित विभिन्न पंचायत के पंचायत सचिव, राजस्व उपनिरीक्षक, ग्राम रोजगार सेवक, आवास समन्वयक, बाल विकास परियोजना कर्मी, प्रखंड तथा अंचल के कंप्यूटर सहायक सहित विभिन्न विभागों के प्रखंड स्तरीय अधिकारी तथा कर्मी उपस्थित थे.

## म्यूनिख आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2025: भारत ने दो स्वर्ण, दो कांस्य के साथ पदक तालिका में हासिल किया तीसरा स्थान

एजेंसी

**म्यूनिख।** जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित तीसरे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2025 में भारत की 36 सदस्यीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार पदक अपने नाम किए। इसमें दो स्वर्ण और दो कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया, जिससे आगे केवल चीन और नॉर्वे ही रहे। दो बार की ओलंपियन और 'गन फॉर ग्लोरी' अकादमी में प्रशिक्षण ले रहीं एलेवनिल वलारिवन ने भारत का पदक खाता खोला। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जिसमें उन्होंने 231.2 का स्कोर किया। इसके अलावा उन्होंने क्वालिफिकेशन राउंड में 635.9 अंक हासिल कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। वहीं, 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन इवेंट में भारत की सिफ्ट कौर समरा ने 453.1 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। 19 वर्षीय सुरूचि सिंह ने म्यूनिख में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में 241.9 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीतकर वर्ल्ड कप 2025 में अपना तीसरा गोल्ड हासिल किया। इससे पहले वह ब्यूनस आयर्स और लीमा में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी थीं। पुरुष और महिला मिश्रित टीम 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में अर्जुन बबूटा और आर्या बोर्से की जोड़ी ने चीनी टीम को 17-7 से हराकर भारत को एक और स्वर्ण पदक दिलाया।

## डीडीसीए ने राजधानी में शुरू की मेगा टी20 क्रिकेट लीग, 104 क्लबों की होगी टक्कर

**नई दिल्ली।** दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने राजधानी की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित टी20 क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ कर दिया है। इस इंटर-क्लब टूर्नामेंट की शुरुआत आज सेंट स्टीफंस कॉलेज ग्राउंड में हुई, जहां क्रिकेट प्रेमियों, खिलाड़ियों और अधिकारियों की उत्साही मौजूदगी देखने को मिली। यह टूर्नामेंट न केवल स्थानीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के लिए एक सुनहरा मंच भी साबित होगा। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला मद्रास क्रिकेट क्लब और यॉर्क्स क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया, जिससे टूर्नामेंट की रोमांचक शुरुआत हुई। कुल 104 क्लब इस मेगा इवेंट में हिस्सा ले रहे हैं, जिन्हें ग्रुप चरण के लिए 9 पूलों में विभाजित किया गया है। उद्घाटन समारोह में डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा, निदेशक श्याम शर्मा, लीग समिति के सह-अध्यक्ष डॉ. अहमद तमीम, सह-संयोजक हर्ष गुप्ता और वरिष्ठ सचिव प्रमोद जैन व शर्वन कुमार मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए टूर्नामेंट की सफलता की कामना की। डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने इस पहल पर खुशी जताते हुए कहा, यह टूर्नामेंट दिल्ली क्रिकेट की जड़ों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## अर्जुन बाबूटा ने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया के लॉन्च पर कहा, अब इस खेल को मिलेगा उसका हकदार सम्मान

**नई दिल्ली।** शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की पहली सीजन की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और देश के निशानेबाज इस अनोखे कॉन्सेप्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा शुरू की जा रही इस लीग का उद्देश्य शूटिंग स्पोर्ट की बढ़ती लोकप्रियता और अंतरराष्ट्रीय मंच पर हालिया सफलताओं को और मजबूती देना है। 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत ने शूटिंग में तीन पदक जीतकर इतिहास रचा था और हाल ही में अर्जुन बाबूटा और आर्या बोर्से की जोड़ी ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल) में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर भारत की निरंतर श्रेष्ठता को दोहराया। ओलंपियन अर्जुन बाबूटा का मानना है कि यह लीग इस खेल की दिशा और दशा दोनों को बदलने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा, हर कोई इस लीग को लेकर बहुत उम्मीदें रखता है। हमारे मन में जितनी कल्पनाएं चल रही हैं, उतनी शायद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट को लेकर नहीं हुई।

## आर्मंड डुप्लांटिस ने 12वीं बार पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, स्टॉकहोम में रचा इतिहास

**स्टॉकहोम।** स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रविवार को डायमंड लीग प्रतियोगिता के दौरान डुप्लांटिस ने 6.28 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए 12वीं बार नया वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। अमेरिका में जन्मे इस दो बार के ओलंपिक चैंपियन ने फरवरी में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को एक सेंटीमीटर से बेहतर किया। स्टॉकहोम के ऐतिहासिक ओलंपिक स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने पहले ही प्रयास में यह कारनामा कर दिखाया। शानदार मौसम और घरेलू दर्शकों का उत्साह उनके प्रदर्शन को और ऊंचाई देने वाला साबित हुआ। डुप्लांटिस ने प्रतियोगिता से पहले ही वादा किया था कि वे रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करेंगे। उनके नाम की उद्घोषणा होते ही पूरा स्टेडियम तालियों और जोश से गूंज उठा।

# महिला मैराथन की अग्रदूत नीना कुशसिक का निधन, 86 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

एजेंसी

**बोस्टन।** महिला धावकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाली बोस्टन मैराथन की पहली आधिकारिक महिला विजेता नीना कुशसिक का निधन हो गया है। वह 86 वर्ष की थीं। न्यूयॉर्क के हंटिंगटन स्टेशन स्थित ए.एल. जैकबसेन अंतिम संस्कार गृह के अनुसार नीना कुशसिक का निधन रविवार को अल्ज़ाइमर रोग से लंबे संघर्ष के बाद श्वसन विफलता के कारण हुआ। बोस्टन एथलेटिक एसोसिएशन (बीएए) ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, नीना सिर्फ़ एक अग्रदूत या महिला धावकों की पैरोकार नहीं थीं, बल्कि खेल जगत की एक प्रतिष्ठित हस्ती थीं। उनके चेहरे की मुस्कान, हंसी और स्नेह को हम हमेशा याद रखेंगे। बोस्टन मैराथन में 1972 में पहली बार महिलाओं को आधिकारिक रूप से भाग लेने की अनुमति दी गई, तब नीना कुशसिक ने वह दौड़ जीतकर इतिहास रच दिया। इसके बाद उन्होंने

हजारों महिलाओं को प्रेरित किया कि वे भी अपने लक्ष्यों और फिनिश लाइन तक पहुंच सकती हैं। नीना ने 16 साल की उम्र में हाई स्कूल पास किया था, और न्यूयॉर्क के एक नियम को बदलवाकर 18 वर्ष की उम्र में नर्स की लाइसेंस प्राप्त की थी, जबकि उस समय न्यूनतम उम्र 21 वर्ष थी। उन्होंने स्केटिंग, रोलर स्केटिंग और साइक्लिंग जैसे खेलों में राज्य स्तर की चैंपियनशिप जीतीं और फिर साइकिल टूट जाने के कारण दौड़ की दुनिया में कदम रखा। 1968 से 1971 के बीच उन्होंने चार बार बोस्टन मैराथन में भाग लिया, जब महिलाओं को औपचारिक अनुमति नहीं थी। इन्हें अब 'पायनियर एरा' के रूप में जाना जाता है। फिर 1972 में उन्होंने पहली आधिकारिक महिला दौड़ जीती। 1970 में वे न्यूयॉर्क मैराथन में भाग लेने वाली पहली महिला बनीं। 1972 में 'सिक्स हू सैट' आंदोलन में वे शामिल थीं, जिसमें छह महिलाओं ने 10 मिनट तक दौड़ शुरू नहीं की थी, जिससे एमेच्योर एथलेटिक यूनियन के उस नियम का विरोध किया गया था जिसमें महिलाओं की दौड़ को पुरुषों से अलग करने की बात थी। उसी वर्ष उन्होंने यह दौड़ भी जीती और अगले साल फिर से खिताब अपने नाम किया। नीना बाद में AAU और USA ट्रैक एंड फील्ड की समितियों में शामिल हुईं और महिला दौड़ के लिए नियम बनाने में अहम भूमिका निभाई। प्रसिद्ध धाविका कैथरीन स्विट्ज़र ने उन्हें 'हमारी सबसे महान नेताओं में से एक' बताया। स्विट्ज़र ने कहा, 'नीना न केवल एक शानदार धाविका थीं बल्कि उन्होंने वर्षों तक नियम बदलने, शोध प्रस्तुत करने और यह साबित करने में योगदान दिया कि महिलाएं लंबी दूरी की दौड़ में पूरी तरह सक्षम हैं।'अपने जीवन में नीना कुशसिक ने 80 से अधिक मैराथन में भाग लिया। उन्होंने 1977 में 50-मील दौड़ का अमेरिकी रिकॉर्ड बनाया और 1979 से 1981 तक लगातार तीन वर्षों तक एम्पायर स्टेट बिल्डिंग रन-अप जीता।

## साओ पाउलो ने मैनेजर जुबेलदिया को पद से हटाया

एजेंसी

**रियो डी जनेरियो।** ब्राजीलियन फुटबॉल क्लब साओ पाउलो ने अर्जेंटीनी मैनेजर लुइस जुबेलदिया को खराब प्रदर्शन के चलते पद से हटा दिया है। क्लब ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। ब्राज़ीलियन सीरी-ए लीग में साओ पाउलो का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम 12 मैचों में केवल दो जीत के साथ 20 टीमों की तालिका में 14वें स्थान पर है। हालांकि, कोपा लिबरटाडोरेस में क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपने ग्रुप में टॉप किया है और अब अगस्त में कोलंबिया की एटलेटिको नैसिओनल से प्री-क्वार्टर फाइनल खेलेगा। क्लब द्वारा जारी बयान में कहा गया, आपसी सहमति और सौहार्द्रपूर्ण तरीके से यह निर्णय लिया गया कि लुइस जुबेलदिया अब टीम की कमान नहीं संभालेंगे। जुबेलदिया ने अप्रैल 2024 में टीम की जिम्मेदारी संभाली थी और उनके कार्यकाल में साओ पाउलो ने 38 मुकाबले जीते, 27 ड्रॉ खेले और 20 में हार का सामना किया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अर्जेंटीना के पूर्व

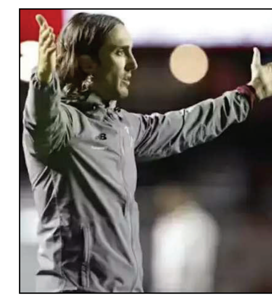

स्ट्राइकर हर्नान क्रेस्पो को साओ पाउलो के नए कोच के रूप में सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। क्रेस्पो पहले भी 2021 में आठ महीने तक साओ पाउलो के कोच रह चुके हैं। वे नवंबर 2024 में यूएई के क्लब अल ऐन से अलग हुए थे और तब से कोचिंग से बाहर हैं।

## एशियन कैनो स्प्रींट एवं पैरा कैनो चैम्पियनशिप में मप्र ने जीते 3 स्वर्ण समेत आठ पदक

एजेंसी

**भोपाल।** थाईलैण्ड के रेयान्ग (पट्टाया) शहर में 12 से 15 जून तक आयोजित एशियन कैनो स्प्रींट एवं पैरा कैनो चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पर्धाओं में तीन स्वर्ण समेत कुल 8 पदक अर्जित किए। इनमें दो रजत और तीन कांस्य पदक भी शामिल हैं। प्रतियोगिता में ओलम्पियन प्राची यादव ने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया। जनसम्पर्क अधिकारी विकास खराड़कर ने बताया कि एशियन कैनो स्प्रींट स्पर्धा में मप्र अकादमी के खिलाड़ी प्रिंस गोस्वामी और सुधीर कुमार की जोड़ी ने सी-2-1000 मीटर की जूनियर स्पर्धा में कांस्य पदक अर्जित किया, जबकि बालिका वर्ग की सी-2-500 मीटर स्पर्धा में दीपिका ढ़ीमर ने कांस्य पदक जीता। वहीं, एशियन पैरा कैनो चैम्पियनशिप में प्राची यादव ने महिला वर्ग की केएल-2-200 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक, वीएल-2-200 मीटर में स्वर्ण पदक, केएल-2-500 मीटर में स्वर्ण पदक एवं वीएल-2-500 मीटर स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। इसी तरह पैरा कैनो पुरुष वर्ग में मनीष कौरव ने केएल-3- 200 मीटर स्पर्धा में रजत पदक एवं केएल-3-500 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। प्रदेश के खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा तीन स्वर्ण और एक रजत पदक अर्जित करने वाली प्राची यादव की मंत्री सारंग ने सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

## के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप में मप्र अकादमी ने जीते तीन स्वर्ण पदक

एजेंसी

**भोपाल।** उत्तराखंड के देहरादून शहर में 11 से 15 जून तक आयोजित के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य कराते अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक अर्जित किए। चैम्पियनशिप के जूनियर एवं सब-जूनियर वर्ग में मप्र अकादमी के 7 खिलाड़ियों ने भागीदारी की। इनमें धारकन शाह, कल्याणी कोडोपे और रूषा तांबत ने स्वर्ण पदक अर्जित कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। राज्य के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनकी सराहना की है। जनसम्पर्क अधिकारी विकास खराड़कर ने बताया कि देहरादून में आयोजित के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप में 53 किलोग्राम भारवर्ग की जूनियर स्पर्धा में मप्र अकादमी की खिलाड़ी धारकन शाह ने स्वर्ण पदक हासिल किया। धारकन ने पहले राउंड में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी को 8-0 शिकस्त दी। दूसरे राउंड में राजस्थान के खिलाड़ी से 7-3 के अंतर से मुकाबला जीता और तीसरे एवं चौथे राउंड में क्रमशः हरियाणा एवं अरूणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को 8-0 के अंतर से परास्त कर फाइनल

में जगह बनाई। फाइनल राउंड में धारकन शाह ने बिहार के खिलाड़ी को एकतरफा 8-0 से हराकर स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा जमाया। वहीं, 66 किलोग्राम भारवर्ग की जूनियर स्पर्धा में कल्याणी कोडोपे ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। कल्याणी ने पहले राउंड में महाराष्ट्र को 9-0 से परास्त किया, जबकि दूसरे व तीसरे राउंड में क्रमशः राजस्थान व दिल्ली को 8-0 से हराया। चौथे राउंड में कल्याणी ने छत्तीसगढ़ को 8-2 से परास्त कर स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसी तरह 59 किलोग्राम भारवर्ग की जूनियर स्पर्धा में रूषा तांबत ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। रूषा ने पहले राउंड में राजस्थान को 8-0 तथा दूसरे राउंड में नागालैण्ड को 5-0 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में रूषा ने कर्नाटक को 8-2 से एवं सेमी फाइनल में हरियाणा को 6-1 से परास्त कर फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल में रूषा ने उत्तराखण्ड को 9-0 से एकतरफा मुकाबले में हराकर स्वर्ण पदक जीता।

## तीन सुपर ओवर के रोमांच के बाद नीदरलैंड्स ने नेपाल को हराया, टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास

एजेंसी

**ग्लासगो।** नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच खेले गए टी20 मुकाबले में दर्शकों को रोमांच की पराकाष्ठा देखने को मिली, जब मैच लगातार तीन सुपर ओवर तक चला। यह किसी भी पुरुष पेशेवर टी20 या लिस्ट ए मुकाबले में पहली बार हुआ है। अंततः नीदरलैंड्स ने यह रोमांचक मुकाबला जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया।

**अंतिम ओवर से तीसरे सुपर ओवर तक का सफर**

152 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही नेपाल को अंतिम ओवर में 16 रनों की जरूरत थी। नंदन यादव ने काइल क्लेन की गेंदों पर 4, 2, 2, और फिर एक और चौका लगाकर मुकाबला पहले सुपर ओवर तक खींच दिया। पहले सुपर ओवर में नीदरलैंड्स की ओर से डेनियल डोरम ने गेंदबाजी की। कुशल भुर्तेल ने दो छक्के और एक चौका लगाकर

19 रन बना डाले। जवाब में माइकल लेविट ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा, इसके बाद मैक्स ओ'डाउड ने अंतिम दो गेंदों पर 6 और 4 जड़कर मुकाबले को दूसरे सुपर ओवर तक पहुंचा दिया। दूसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स ने 17 रन बनाए। नेपाल की ओर से रोहित पौडेल ने पहली गेंद पर छक्का लगाया, और फिर दीपेन्द्र सिंह ऐरी ने चौका जड़कर समीकरण आखिरी गेंद पर 7 रन का बना दिया। ऐरी ने काइल क्लेन की गेंद को काउ कॉर्नर पर छक्के के लिए भेजकर तीसरा सुपर ओवर तय कर दिया। तीसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स के ऑफस्पिनर जैक लायन-कैशे ने कमाल कर दिखाया। उन्होंने पौडेल और रूपेश सिंह को आउट कर नेपाल को खाता भी नहीं खोलने दिया। इसके बाद लेविट ने संदीप लामिछाने की गेंद पर लंबा छक्का जड़कर नीदरलैंड्स को ऐतिहासिक जीत दिलाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड्स ने 152/7 रन बनाए। टीज़ी निडामानुरु ने 35 और विक्रमजीत सिंह ने 30 रन बनाए। नेपाल की ओर से संदीप लामिछाने ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट मात्र 18 रन देकर झटके, जबकि नंदन यादव ने 2 विकेट लिए। नेपाल की पारी की शुरुआत खराब रही। बेन फ्लेचर ने डेब्यू मैच में ही लोकेश बम को आउट किया और क्लेन ने अनिल साह को चलता किया। हालांकि कुशल भुर्तेल (34) और रोहित पौडेल (48) ने पारी को संभाला। लेकिन डेनियल डोरम ने 3 विकेट लेकर नेपाल की पारी पर लगाम लगा दी। आखिरी ओवरों में रूपेश, पौडेल और करण केसी ने मुकाबले को बराबरी तक पहुंचाया।

## आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में चार मैचों की मेजबानी करेगा गुवाहाटी

एजेंसी

**गुवाहाटी।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप-2025 के लिए ड्राफ्ट शेड्यूल का अनावरण किया, जिसमें गुवाहाटी की एक प्रमुख मेजबान शहर के रूप में भूमिका की पुष्टि की गई। गुवाहाटी के बरसापारा के असम क्रिकेट एसोसिशन (एसीए)

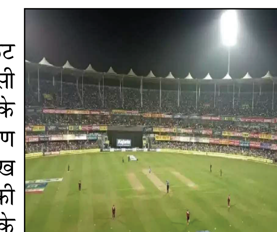

स्टेडियम में चार लीग मैच आयोजित किए जाएंगे, जिसकी शुरुआत 7 अक्टूबर (दोपहर 3 बजे से) को इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश के मैच से होगी। इंग्लैंड 11 अक्टूबर को श्रीलंका का सामना करने के लिए वापस आएगा, जबकि स्थानीय प्रशंसकों के लिए मुख्य आकर्षण 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के साथ भारत का आमना-सामना होगा।गुवाहाटी का अंतिम लीग मैच 26 अक्टूबर (सुबह 11 बजे से) को इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड होगा। गौरतलब है कि गुवाहाटी 29 अक्टूबर को पहले सेमीफाइनल की मेजबानी भी कर सकता है, लेकिन केवल तभी जब पाकिस्तान क्वालीफाई करने में विफल हो। इससे भारतीय प्रशंसकों को अपनी टीम को फिर से देखने का मौका मिल सकता है, अगर भारत ग्रुप चरण में शीर्ष या चौथे स्थान पर रहता है

# मुंबई सिटी ने जोथनपुइया के साथ तीन साल का करार किया, मिडफील्ड को मिलेगी नई मजबूती

एजेंसी

**मुंबई।** इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब मुंबई सिटी एफसी ने मिजोरम के उभरते मिडफील्डर जोथनपुइया को अपने साथ जोड़ने की घोषणा की है। 20 वर्षीय जोथनपुइया ने आइज़ॉल एफसी से मुंबई सिटी में तीन साल का करार किया है। जोथनपुइया, जिन्हें प्यार से 'पुइपुइया' कहा जाता है, ने 2022 में मिजोरम की इलेक्ट्रिक वेंग एफसी से अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने आई-लीग 2 में ओरांजे एफसी और 2024 कलकत्ता लीग में सदर्न समिटी का प्रतिनिधित्व किया। 2024-25 सीज़न में उन्होंने आइज़ॉल एफसी के लिए 20 मैचों में 3 गोल और 2 असिस्ट दर्ज किए, जिससे उन्होंने मिडफील्ड में अपनी उपयोगिता साबित की। मुंबई सिटी

एफसी ने नए सीजन के लिए अपनी टीम को युवा और ताज़ा ऊर्जा से लैस करने का फैसला किया है। जोथनपुइया का आगमन 2025-26 सीजन और भविष्य की योजनाओं को देखते हुए मिडफील्ड को नई गहराई और संतुलन देगा। जोथनपुइया ने कहा कि मुंबई सिटी एफसी से जुड़कर मैं बेहद उत्साहित हूं। यह एक प्रतिष्ठित क्लब है जिसने कई खिताब जीते हैं। मैं टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं और यहां के अनुभवी खिलाड़ियों से सीखते हुए खुद को और बेहतर बनाना चाहता हूं। ढ्ढस्रु में खेलना मेरा सपना था और अब वह सपना मुंबई सिटी के साथ साकार हो रहा है। वहीं, मुंबई सिटी के डायरेक्टर सुझय शर्मा ने कहा कि जोथनपुइया एक युवा और होनहार खिलाड़ी हैं, जिन्होंने शुरुआती वर्षों में ही अपनी प्रतिभा दिखा दी है। मिडफील्ड में उनकी विविधता और योगदान करने की क्षमता हमारी टीम के लिए फायदेमंद होगी।

## अंडर-19 क्रिकेट टीम (मेन) के चयन के लिए 21 जून को ट्रायल्स

**धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर-19 क्रिकेट टीम (मेन) के चयन के लिए 21 जून को ट्रायल रखे गए हैं। ट्रायल प्रक्रिया हमीरपुर जिला के अमतर स्थित अटल बिहारी वाजपेई क्रिकेट स्टेडियम में पूरी की जाएगी। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि ट्रायल में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी खिलाड़ी हिमाचली बोनाफाइड होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रायल में एक सितंबर 2006 को या इसके बाद पैदा हुए युवा ही हिस्सा ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रायल्स में वही खिलाड़ी हिस्सा ले पाएंगे जो एचपीसीए के साथ पंजीकृत हैं। ट्रायल्स के दौरान खिलाड़ियों को जन्मतिथि प्रमाण पत्र, 10वीं का प्रमाणपत्र, बोनाफाइड और आधारकार्ड साथ लाने होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए होने जा रहे यह ट्रायल्स 21 जून को सुबह नौ बजे से शुरू होंगे। खिलाड़ियों को अपना किट साथ लाना होगा।

## इंग्लैंड दौरे के लिए भारत अंडर-19 टीम में दो बदलाव, चोटिल आदित्य राणा और खिलन पटेल टीम से बाहर

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारत अंडर-19 टीम में दो अहम बदलाव किए गए हैं। जूनियर क्रिकेट समिति ने आदित्य राणा और खिलन पटेल के स्थान पर डी. दीपेश और नमन पुष्पक को टीम में शामिल किया है। दोनों खिलाड़ी पहले से ही स्टैंडबाय सूची में शामिल थे। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे हाई परफॉर्मेंस कैंप के दौरान आदित्य राणा को पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ, जबकि खिलन पटेल के दाहिने पैर में स्ट्रेस रिएक्शन की समस्या पाई गई। चिकित्सा टीम की सलाह के अनुसार, दोनों खिलाड़ियों को आराम की आवश्यकता है, जिसके चलते उन्हें दौरे से बाहर कर दिया गया। भारत अंडर-19 टीम का यह दौरा इंग्लैंड में युवा खिलाड़ियों के अनुभव और कौशल को निखारने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। चयनकर्ताओं का मानना है कि दीपेश और नमन जैसे होनहार खिलाड़ी टीम

को मजबूती प्रदान करेंगे।

**अपडेटेड भारतीय अंडर-19 टीम:**

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्याराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर. एस. अम्ब्रीश, कनिष्क चौहान, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, अनमोलजीत सिंह, डी. दीपेश, नमन पुष्पक।

# महिला विश्व कप के बाद वनडे को अलविदा कहेंगी सोफी डिवाइन, टी20 करियर रहेगा जारी

एजेंसी

**वेलिंगटन/नई दिल्ली।** न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने घोषणा की है कि वह इस वर्ष भारत और श्रीलंका में होने वाले 50 ओवर के महिला विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के साथ कैजुअल (चयनित) अनुबंध के तहत उपलब्ध रहेंगी। 35 वर्षीय डिवाइन ने यह घोषणा न्यूजीलैंड की 17 सदस्यीय महिला अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची जारी होने से ठीक एक दिन पहले की है। चूंकि वह अब केंद्रीय अनुबंध का हिस्सा नहीं होंगी, इसलिए विश्व कप के बाद एक नई वनडे कप्तान की नियुक्ति की जाएगी। डिवाइन ने 2006 में 17 साल की उम्र में वनडे डेब्यू किया था और करीब 19 वर्षों तक न्यूजीलैंड की एक प्रमुख ऑलराउंडर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। वह न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक वनडे खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं और वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में चौथे स्थान पर हैं। लेकिन संभावना है कि विश्व कप के दौरान वह 4000 रन का आंकड़ा पार कर डेबी हॉकलि को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगी। उनके नाम 8 वनडे शतक हैं, जो न्यूजीलैंड की

महिलाओं में सुजी बेट्स के बाद दूसरा सर्वोच्च आंकड़ा है। साथ ही, वह 100 से अधिक विकेट लेने वाली दो न्यूजीलैंड महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, और इस सूची में भी ली ताहुहु के बाद दूसरे स्थान पर हैं। डिवाइन ने एक बयान में कहा, मुझे लगता है कि यह सही समय है धीरे-धीरे पीछे हटने का। एनजेडसी का सहयोग पाकर मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं। इससे मुझे टीम के साथ जुड़े रहने का मौका भी मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए जरूरी है कि सभी जानें कि मैं पूरी तरह समर्पित हूं और विश्व कप तक इस टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इस युवा टीम के भविष्य को लेकर मैं उत्साहित हूं और आने वाले 6-9 महीनों में अपनी भूमिका निभाने को लेकर तैयार हूं। एनजेडसी की महिला हाई परफॉर्मेंस प्रमुख लिज़ ग्रीन ने कहा, सोफी ने व्हाइट फर्न्स के लिए लगभग दो दशक तक सेवा दी है। हम उनके निर्णय का पूरी तरह समर्थन करते हैं और यह समझौता उनके और टीम दोनों के लिए सकारात्मक है। एनजेडसी के मुख्य कार्यकारी स्कॉट वीनिंक ने कहा, सोफी डिवाइन एक असाधारण लीडर और खेल की महान ऑलराउंडर्स में से एक रही हैं। उनकी विरासत और युवा खिलाड़ियों के विकास के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है।

## अमिताभ कांत ने जी-20 के शेरपा पद से दिया इस्तीफा

**नई दिल्ली।** अमिताभ कांत ने जी-20 शेरपा के पद से इस्तीफा दे दिया है। उनको भारत के जी-20 शेरपा के रूप में जुलाई, 2022 में नियुक्त किया गया था। अमिताभ कांत की नियुक्ति भारत की ओर से जी-20 की अध्यक्षता संभालने से कुछ महीने पहले की गई थी। उन्होंने 45 वर्ष की अपनी सरकारी सेवा के दौरान कई कार्यभार संभाले हैं। अमिताभ कांत ने एक्स' पोस्ट पर लिखा है कि नए अवसरों को तलाशने और जीवन में एक नया अध्याय शुरू करने का फैसला किया है। अपने इस्तीफे के बारे में उन्होंने भारत के जी-20 शेरपा के रूप में अपना इस्तीफा स्वीकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा है कि प्रधानमंत्री ने मुझे कई विकासात्मक पहलों को आगे बढ़ाने और भारत की वृद्धि, विकास और प्रगति में योगदान करने का अवसर दिया। उन्होंने आगे लिखा है कि मैं अपने सभी सहकर्मियों, साथियों और मित्रों का उनके धैर्य, समझ और समर्थन के लिए आभारी हूं। अब मैं मुक्त उद्यम, स्टार्टअप, थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों को सुविधा और समर्थन देकर विकसित भारत की ओर भारत की परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने के लिए तत्पर हूं। इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मेरी लिंक्ड इन पोस्ट संलग्न है।

## शहरी सहकारी बैंकों के लिए 'सहकार पाठशाला' शुरू

**पुणे।** नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनयूसीएफडीसी) ने शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) की कार्यकुशलता और सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 'सहकार पाठशाला' नाम से राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की है। 'सहकार पाठशाला' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुये एनयूसीएफडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभात चतुर्वेदी ने कहा कि यह शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत सरकार के 'सहकार से समृद्धि' के विजन के अनुरूप, सहकार पाठशाला कार्यक्रम का उद्देश्य यूसीबी के अनुपालन ढांचे को मजबूत करना और उन्हें गतिशील, डिजिटल रूप से सशक्त तथा भविष्य-उन्मुख संस्थान बनाना है। यह केवल कुशलता बढ़ाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक क्षमता रूपांतरण कार्यक्रम है। यह पहल क्षेत्रीय उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और बदलते वित्तीय माहौल में शहरी सहकारी बैंकों के सतत विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में है। इसमें महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना और कर्नाटक समेत विभिन्न राज्यों के शहरी सहकारी बैंकों के सीईओ और निदेशक स्तर के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। यह राष्ट्रीय पहल शहरी सहकारी बैंकों को आधुनिक बैंकिंग, वित्तीय प्रबंधन और डिजिटल तकनीकों में प्रशिक्षित कर उनकी कार्यक्षमता और सेवा गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसके साथ-साथ ही एनयूसीएफडीसी ने 'सहकार पाठशाला इंटरएक्टिव वेबिनार सीरीज' भी शुरू की, जिसका आयोजन महीने के दूसरे और चौथे होगा।

## सरकारी बैंकों में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी सरकार

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों में अपनी हिस्सेदारी कम करने की तैयारी में है, जिससे शेयर बाजार में क्क (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम) बैंक शेयरों में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। इस खबर के बाद से इन बैंकों के शेयर रॉकेट की गति से बढ़ रहे हैं, जिससे निवेशकों को बड़ा मुनाफा हो रहा है। यह कदम सरकार की विनिवेश रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य सरकारी खजाने को बढ़ाना और इन बैंकों के प्रबंधन में दक्षता लाना है। सूत्रों के अनुसार, सरकार चरणबद्ध तरीके से चुनिंदा सरकारी बैंकों में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी। इस खबर ने शेयर बाजार में सकारात्मक माहौल बना दिया है, और निवेशक इन बैंकों के शेयरों में जमकर खरीदारी कर रहे हैं। आज के कारोबार में कई क्क बैंकों के शेयरों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इस तेजी के पीछे निजीकरण की संभावनाओं और बेहतर प्रबंधन की उम्मीदें भी हैं, जिससे इन बैंकों की भविष्य की वृद्धि को लेकर निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। हालांकि, सरकार ने अभी तक उन बैंकों के नामों का खुलासा नहीं किया है जिनमें हिस्सेदारी बेची जाएगी, लेकिन बाजार में इसको लेकर कयासों का दौर जारी है। आने वाले समय में सरकार इस संबंध में और स्पष्टता प्रदान कर सकती है, जिससे इन बैंकों के शेयरों में आगे भी हलचल देखने को मिल सकती है। निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे निवेश से पहले विशेषज्ञों की राय लें।

## बगैर पैसे के पहलगाम हमला संभव नहीं था: एफएटीएफ

**नई दिल्ली।** आतंकवादी वित्तपोषण नेटवर्क को खत्म करने के उद्देश्य कार्यरत वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले पर गंभीर चिंता जताई और हमले की निंदा करते हुये कहा है कि पहलगाम और अन्य हालिया हमले पैसे और आतंकवादी समर्थकों के बीच धन स्थानांतरित करने के साधनों के बिना नहीं हो सकते थे। एफएटीएफ ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। एफएटीएफ का यह बयान ऐसे समय में आया जब भारत सीमा पार आंतकी गतिविधियों में पाकिस्तान की भूमिका को वैश्विक स्तर पर उठा रहा है। सूत्रों का कहना है कि एफएटीएफ का यह बयान पाकिस्तान को फिर से ग्रेड सूची में डालने का जोखित पैदा कर सकता है।

# जैनिक पावर ने कमजोर लिस्टिंग से किया निराश, अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

**एजेंसी**
**नई दिल्ली** । एल्यूमिनियम वायर और पावर केबल्स बनाने वाली कंपनी जैनिक पावर एंड केबल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 110 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 25.45 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 82 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 86.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। अपर सर्किट के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन ही 21.73 प्रतिशत का नुकसान हो गया।जैनिक पावर एंड केबल्स का 51.30 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से

एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.54 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.13 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 46,63,200 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपना नया प्लांट लगाने, पुराने कर्ज चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 15 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 5.02 करोड़ रुपये और 2024-25 में 9.24 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 128 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 352.28 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

# जम्मू-कश्मीर की चेरी हुई वैश्विक, पहली अंतरराष्ट्रीय खेप को दिखाई गई हरी झंडी

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** जम्मू और कश्मीर के बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देते हुए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के तत्वावधान में प्रीमियम गुणवत्ता वाली कश्मीरी चेरी की पहली अंतरराष्ट्रीय खेप को आधिकारिक तौर पर रवाना किया

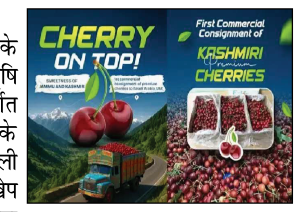


गया, जो वैश्विक ताजा उपज बाजारों में घाटी के प्रवेश करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि जम्मू-कश्मीर से प्रीमियम चेरी की पहली वाणिज्यिक खेप सऊदी अरब और यूएई के लिए रवाना हुई। इससे हमारे चेरी किसानों के लिए एक बड़ा बाजार खुल गया है, जिन्हें अब अपनी उपज के लिए बेहतर कीमत मिलेगी। पीयूष गोयल ने आगे लिखा है मोदी सरकार भारत को प्रीमियम कृषि उत्पादों के वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने के लिए रसद संबंधी कमियों को दूर करने में जुटी है। ये उपलब्धि भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्यरत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के तत्वावधान में हासिल की गई है। ताजा चेरी की यह पहली खेप संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को निर्यात की जा रही है, जो कश्मीरी बागवानी उत्पादों के लिए एक संरचित वैश्विक निर्यात पाइपलाइन की शुरुआत है।

# सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

**एजेंसी**
**नई दिल्ली** । घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के कीमत में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,050 रुपये से लेकर 1,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये से लेकर 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,000 रुपये से लेकर 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज 100 रुपये की मामूली तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना

1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# देश का निर्यात मई में 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर पर

**नई दिल्ली।** अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। देश का निर्यात मई में 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया। मई में आयात सालाना आधार पर 1.7 फीसदी घटकर 60.61 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान व्यापार घाटा 21.88 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल में 26.42 अरब डॉलर था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश का निर्यात मई में 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया। मई में आयात सालाना आधार पर 1.7 फीसदी घटकर 60.61 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान व्यापार घाटा 21.88 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल में 26.42 अरब डॉलर था। इस तरह मई 2024 में दर्ज 22.09 अरब डॉलर की तुलना में व्यापार घाटा सालाना आधार पर कम रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने संवाददाताओं से कहा

कि व्यापार के संबंध में वैश्विक नीति अनिश्चितता के बावजूद हमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन सहित इलेक्ट्रॉनिक सामानों के निर्यात में मई में सालाना आधार पर सबसे तेज 54 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि रसायनों के निर्यात में 16 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि फार्मास्यूटिकल्स के निर्यात में 7.38 फीसदी की वृद्धि हुई है चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहली तिमाही के दो महीनों अप्रैल-मई के दौरान वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात बढ़कर 77.19 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात बढ़कर 125.52 अरब डॉलर रहा। बर्थवाल ने कहा कि व्यापार घाटे में कमी से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी और यह ऐसे समय में हुआ है, जब देश का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

# अर्थूड सर्विसेज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी फिर से दाखिल किया

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।**गुड़गांव स्थित सेवा कंपनी अर्थूड सर्विसेज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी ने सेबी के समक्ष 27 दिसंबर, 2024 को जमा अपने पुराने आईपीओ ड्राफ्ट को 28 अप्रैल, 2025 को वापस ले लिया था। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक अर्थूड सर्विसेज का 10 रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य वाले यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री के लिए प्रस्ताव के रूप में संरचित है। इसमें मुख?य प्रमोटर डॉ. कविराज सिंह के 42.90 लाख इक्विटी शेयर और अशोक कुमार गौतम के 20 लाख इक्विटी शेयर है,

जो कुल मिलाकर 62.90 लाख इक्विटी शेयर हैं। इस ऑफर में पात्र कर्मचारियों के सदस्यता आरक्षण भी शामिल है। इसके साथ ही कर्मचारी आरक्षण भाग में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दी जाएगी। आईपीओ दस्तावेज के मुताबिक बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया में शुद्ध प्रस्ताव का कम से कम 75 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों को आवंटित किया जाएगा, जबकि गैर-संस्थागत और खुदरा व्यक्तिगत बोलीदाताओं को क्रमशः शुद्ध प्रस्ताव का 15 फीसदी और 10 फीसदी से अधिक नहीं मिलेगा। गुड़गांव में मुख्यालय वाली कंपनी अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड, जो पर्यावरण संबंधी विशेषताओं को प्रमाणित करने में लगी एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कंपनी है। ये कंपनी मुख्य रूप से कार्बन सत्यापन और सत्यापन सेवाएं प्रदान करती है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कंपनी ने 132 देशों में 400 से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान की है।

## मई में कारों की बिक्री 12.2 प्रतिशत घटी

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** देश में इस वर्ष मई में यात्री कारों की घरेलू बिक्री इसके पिछले वर्ष की समान अवधि के 1,06,952 इकाई के मुकाबले 12.2 प्रतिशत घटकर 93,951 इकाई रह गई। ऑटोमोबाइल कंपनियों के शीर्ष संगठन सियाम की ओर से सोमवार को जारी आंकड़े के अनुसार, मई 2025 में घरेलू बाजार में कुल 93,951 कारों की बिक्री की गई, जो मई 2024 की 1,06,952 कारों के मुकाबले 12.2 प्रतिशत कम है। इस अवधि में कारों के निर्यात में 17.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 28,802 से बढ़कर 33,902 इकाई पर पहुंच गया। आलोच्य अवधि में यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 1,82,883 से 7.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 1,96,821 और वैन की बिक्री 10,960 से 12.5 प्रतिशत बढ़कर 12,327 इकाई हो गई। इस तरह इस अवधि में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 3,00,795 से महज 0.8 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,03,099 इकाई पर रही। इस दौरान यात्री वाहनों के कुल निर्यात में 24.4 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 53,991 से बढ़कर 67,181 इकाई पर पहुंच गया। इस दौरान दुपहिया वाहनों की बिक्री 16,20,084 के मुक़ाबले 2.2 प्रतिशत बढ़कर 16,55,927 इकाई हो गई। इसी तरह कुल निर्यात 3,13,131 से 21.7 प्रतिशत उछलकर 3,80,979 इकाई पर पहुंच गया। इस अवधि में स्कूटर की बिक्री 5,40,866 से 7.1 प्रतिशत बढ़कर 5,79,507, मोटरसाइकिल की 10,38,824 से बढ़कर 10,39,156 इकाई हो गई। वहीं, मोपेड की बिक्री 40,394 के मुक़ाबले 7.7 प्रतिशत कम होकर 37,264 इकाई रह गई। आलोच्य अवधि में तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री में 3.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 55,763 इकाई से लुढ़ककर 53,942 इकाई पर आ गई।

# ईपीएफओ से जुड़ी कोई भी सेवा थर्ड पार्टी एजेंट या साइबर कैफे से न लेने की अपील

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने सदस्यों, कंपनियों और पेंशनर्स से ईपीएफओ से जुड़ी कोई भी सेवा थर्ड पार्टी एजेंट या साइबर कैफे से न लेने की अपील की है। ये सेवाएं ईपीएफओ के पोर्टल और 'उमंग' ऐप पर बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध हैं। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के मुताबिक ईपीएफओ ने बीमारी, आवास, विवाह और शिक्षा के तहत अग्रिम के लिए ऑटो क्लेम निपटान सुविधा की सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप वित?त वर्ष 2024-25 में 2.34 करोड़ दावों का ऑटो मोड में निपटान किया गया है। साथ ही अधिकांश मामलों में नियोक्ता की मंजूरी की आवश्यकता को हटाकर 15 जनवरी, 2025 से स्थानांतरण

दावा प्रक्रिया को भी सरल बना दिया गया है। मंत्रालय के मुताबिक कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके सदस्य प्रोफाइल सुधार के लिए प्रदान की गई ऑनलाइन सुविधा को भी सरल बनाया गया है। अधिकांश मामलों में सदस्य प्रोफ़ाइल सुधा के लिए नियोक्ता और ईपीएफओ पर निर्भरता समाप्त कर दी गई है। ऑनलाइन डी-लिंकिंग सुविधा ने सदस्यों को उनके यूएएन से गलत सदस्य आईडी को डीलिंक करने में सक्षम बनाया है। इस प्रकार शिकायतों में भी कमी आई है। इसके अलावा यूएएन का आवंटन और सक्रियण फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी (एफएटी) का उपयोग करके उमंग ऐप के जरिए किया जा रहा है। इस सुविधा का लाभ उठाकर, सदस्य को ईपीएफओ सेवाओं जैसे पासबुक देखना, केवाईसी अपडेट, दावा प्रस्तुत करना आदि तक तत्काल पहुंच प्राप्त होती है। इसके मद्देनजर ईपीएफओ ने अपने सदस्यों, कंपनियों और पेंशनर्स से अनधिकृत एजेंटों से संपर्क करने से बचने और मुफ्त एवं सुरक्षित ऑनलाइन सेवाओं के लिए आधिकारिक ईपीएफओ पोर्टल का उपयोग करने का आग्रह किया है।

# वाटरवेज लीजर टूरिज्म ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

**एजेंसी**
**मुंबई।** वाटरवेज लीजर टूरिज्म ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के माध्यम से 727 करोड़ रुपये जुटाना है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों स्टॉक एकसचेंज पर सूचीबद्ध होंगे। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड का 10 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 727 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया इश्यू है, जिसमें कोई बिक्री के लिए प्रस्ताव नहीं है। इस ऑफर का योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए आवंटन न्यूनतम 75 फीसद निर्धारित किया गया है, जबकि 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और 10 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है। सेंट्रम कैपिटल लिमिटेड, इंटेंसिव फिस्कल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं, जबकि एमयूएफजी इंटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रजिस्ट्रार है। कंपनी की योजना इस इश्यू से प्राप्त 552.53 करोड़ रुपये का इस्तेमाल मुख्य रूप से अपनी सहायक कंपनी 'बेक्रूज आईएफएससी' के साथ ही लीजिंग उद्देश्यों और अन्य सामान्य कॉर्पोरेट रणनीतियों के लिए करने की है। भारत की एकमात्र घरेलू महासागर क्रूज ऑपरेटर टरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड वर्तमान में कॉर्डेलिया क्रूज ब्रांड नाम के तहत एक क्रूज जहाज एमवी एम्प्रेस का संचालन करता है। लॉन्च होने के बाद से 5,49,051 मेहमान इस क्रूज जहाज पर यात्रा कर चुके हैं। इसने 31 दिसंबर, 2024 तक भारतीय तटरेखा और आसपास के द्वीपों के साथ 2,25,079.53 समुद्री मील से अधिक की दूरी तय की है। वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड एकमात्र घरेलू क्रूज लाइन कॉर्डेलिया क्रूज़ का संचालन मुंबई और चेन्नई से करती है।

## अडानी एयरपोर्ट्स का मेगा आईपीओ : समूह 2027 तक लिस्टिंग की तैयारी में

**एजेंसी**
**मुंबई।** भारतीय उद्योग जगत में अपनी मजबूत पकड़ रखने वाला अडानी समूह अब अपनी एयरपोर्ट इकाई, अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड , को सार्वजनिक करने की बड़ी तैयारी में है। खबरों के अनुसार, समूह 2027 तक इस इकाई का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की योजना बना रहा है, जो इसकी महत्वाकांक्षी .100 बिलियन की विस्तार योजना का एक अहम हिस्सा है। इस खबर से निवेशकों के बीच खासा उत्साह देखा जा रहा है, जो भारत के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र में सीधे निवेश का मौका तलाश रहे हैं। अडानी एयरपोर्ट्स लिमिटेड, जो वर्तमान में भारत में आठ हवाई अड्डों का संचालन करती है और देश के यात्री यातायात का लगभग 23त्र और हवाई कार्गो यातायात का 29त्र संभालती है, को अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड से अलग कर एक स्वतंत्र सूचीबद्ध इकाई के रूप में लाने की संभावना है। समूह के अधिकारियों के अनुसार, यह डिमर्जर (ष्ठद्गद्वद्गह्म्द्दद्गह्) 2027-28 के वित्तीय वर्ष तक पूरा होने की उम्मीद है। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य हवाई अड्डे के व्यवसाय को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना, स्वतंत्र परिचालन क्षमता विकसित करना और भविष्य में तीव्र विकास के लिए आवश्यक निवेश आकर्षित करना है।

# शुरुआती गिरावट के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई छलांग

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** पिछले सप्ताह के आखिरी दो कारोबारी दिन बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही जोरदार बढ़त के साथ बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार कुछ देर के लिए कमजोरी के साथ लाल निशान में भी कारोबार करता रहा, लेकिन पहले 20 मिनट के बाद ही खरीदारी का रुख बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने हरे निशान में अपनी जगह बना ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते जियो-पोलिटिकल टेंशन के बावजूद आज लार्ज कैप और ब्लू चिप शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इस खरीदारी के कारण पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.84 प्रतिशत और निफ्टी 0.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 450.44 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 447.21 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.23 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,253 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,977 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,107 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 169 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,598 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,366 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,232 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 27 शेयर बढ़त के साथ और 3 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 46 शेयर हरे निशान में और 4 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 84.15 अंक की कमजोरी के साथ 81,034.45 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले ही ये सूचकांक 106.29 अंक की कमजोरी के साथ 81,012.31 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद बाजार में खरीदारी का जोर बन गया, जिससे सेंसेक्स की चाल में तेजी का रुख बनने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के कारण दोपहर 12 के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 747.22 अंक की मजबूती के साथ 81,865.82 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 677.55 अंक की तेजी के साथ 81,796.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 13.75 अंक की बढ़त के साथ 24,732.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

## जुदा हुए कुशाल टंडन और
# शिवांगी जोशी
## एक्टर ने दी ब्रेकअप की जानकारी, बोले- कोई पछतावा नहीं

शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन के फैंस के लिए एक बुरी खबर है. दरअसल टीवी के मशहूर एक्टर कुशाल टंडन, 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम खूबसूरत शिवांगी जोशी कुछ समय से डेट कर रहे थे. ये भी कहा जा रहा था कि दोनों जल्द ही शादी कर सकते हैं. लेकिन अब कुशाल टंडन ने खुद सोशल मीडिया पर शिवांगी के साथ अपने ब्रेकअप की जानकारी दी, हालांकि सोशल मीडिया पर ब्रेक अप की पुष्टि करने के कुछ समय बाद ही कुशाल ने अपनी ये इंस्टाग्राम स्टोरी डिलीट कर दी.

कुशाल टंडन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में साफ-साफ लिखा था, मुझसे प्यार करने वाले मेरे सभी फैंस को मैं ये कहना चाहता हूं कि मैं और शिवांगी अब एक साथ नहीं हैं. इस बात को अब 5 महीने हो गए हैं. यानी कुशाल ने सीधे तौर पर बता दिया है कि वो और शिवांगी अब अलग हो चुके हैं. इस स्टोरी के तुरंत बाद, उन्होंने अगली स्टोरी में लिखा,मैं सिंगल और खुश हूं और इस बात का मुझे कोई पछतावा नहीं है. हालांकि, इन दोनों स्टोरीज को कुशाल ने कुछ ही समय बाद हटा दिया, लेकिन ये खबर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है.

## करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय की आखिरी तस्वीर आई सामने!

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने 2016 में अपने पति संजय कपूर को तलाक दे दिया था. लेकिन बच्चों के कारण दोनों की मुलाकातें होती रहती थीं, जो करिश्मा के पास रहते हैं. 12 जून की रात जब खबर आई कि करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की डेथ हो गई है तो इस खबर ने हर किसी को हैरानी में डाल दिया. संजय कपूर का निधन पोलो खेलते समय हुआ और पोलो क्लब की तरफ से संजय कपूर की आखिरी तस्वीर एक दिन पहले शेयर की गई है. इस तस्वीर में संजय कपूर हंसते हुए नजर आए.

दिल्ली के रहने वाले बिजनेसमैन संजय कपूर ज्यादातर यूके में ही रहते थे. यहां उन्होंने गार्ड्स पोलो क्लब में Sujan Indian Tigers Polo Team ज्वाइन की हुई थी और पूरी टीम के साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी. उनके साथ ही संजय अक्सर पोलो खेलने जाते थे. इस क्लब के इंस्टाग्राम पेज पर ही संजय कपूर की आखिरी मुस्कुराती तस्वीर शेयर की गई है और साथ में एक लंबा पोस्ट भी लिखा गया है. इस तस्वीर में सुजान इंडियन टाइगर्स के ओनर भी नजर आ रहे हैं.

**संजय कपूर की आखिरी तस्वीर हुई वायरल**

तस्वीर शेयर करने के साथ ही इसके कैप्शन में लिखा गया, 'आज हम अपने डियर फ्रेंड संजय कपूर की याद में कार्टियर ट्रॉफी का फाइनल खेलेंगे, जिनकी कुछ दिन पहले मैदान पर ट्रैजिकली डेथ हो गई थी. हमारे कैप्टन और संरक्षक, जैसल सिंह अपने पुराने दोस्त संजय कूपर के सम्मान में एक मिनट का मौन रखने के लिए टीम के साथ जाएंगे और फिर सम्मान के प्रतीक के रूप में बाहर बैठेंगे. संजय और जैसल की यह तस्वीर कुछ दिन पहले सेमीफाइनल खेलने के लिए तैयार होने से कुछ समय पहले ही ली गई थी. RIP संजय, आपकी याद आएगी, आपने इस क्लब में जो योगदान दिया वो हमेशा याद रखा जाएगा.'

**करिश्मा कपूर और संजय कपूर कब हुए अलग ?**

2003 में करिश्मा कपूर ने दिल्ली के रहने वाले बिजनेसमैन संजय कपूर से शादी की थी. उनके दो बच्चे समायरा और कियान हैं जो पैरेंट्स के तलाक के बाद करिश्मा के पास ही रहते हैं.

संजय कपूर ने तलाक के बाद प्रिया सचदेव से शादी कर ली थी, जिनसे उन्हें एक बेटी भी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, करिश्मा कपूर से पहले संजय कपूर ने 1996 में नंदिता महतानी के साथ शादी की थी, जिनसे वो 2000 में अलग हो गए थे.